रांची
बुधवार
07.12.2022
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 14
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

www.rastriyanaveenmail.com

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-23 अंक-301 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

रश्मि प्रवाह

जीवन में एक बात सदैव याद रखियेगा कि गलती उन्हीं से होती है जो प्रयास करते हैं। जो लोग बैठ कर बातें बनाते हैं सिर्फ वही लोग असफल नहीं होते।

सेंट्रल पूल से अतिरिक्त बिजली लेने के लिए 750 करोड़ का लोन लेगा जेबीवीएनएल

मुख्यमंत्री ने जेबीवीएनएल की कार्य प्रगति की समीक्षा की, कहा - हर हाल में बिजली कटौती पर लगायें रोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य में जारी बिजली संकट पांच से सात दिनों के अंदर खत्म होने की संभावना है। जेबीवीएनएल 750 करोड़ का लोन लेगा। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को राज्य सरकार अपनी गारंटी पर पावर फाइनेंस कारपोरेशन से 750 करोड़ रुपये उपलब्ध करायेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर ली जाये ताकि बिजली जेनरेटिंग कंपनियों का बकाया भुगतान किया जा सके। इससे संबंधित प्रस्ताव जेबीवीएनएल एक से दो दिनों में सरकार को देगी। लोन लेने के बाद जेबीवीएनएल सेंट्रल पूल के बकाये का भुगतान करेगी ताकि सेंट्रल पूल से अतिरिक्त बिजली ली जा सके। मुख्यमंत्री सह ऊर्जा मंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में जारी बिजली संकट से निबटने के लिए मंगलवार को बिजली अफसरों के साथ बैठक की। एक-एक पहलू पर सीएम ने ध्यान दिया।

सीएम ने बिजली अफसरों को निर्देश दिया कि जेबीवीएनएल अपना राजस्व को बढ़ाने का काम करे ताकि इस तरह का संकट उत्पन्न न हो। उन्होंने बिजली अफसरों को निर्देश दिया कि टीवीएनएल राज्य की अपनी बिजली इकाई है इसलिए इसका एक्सटेंशन किया जाये, ताकि अधिक से अधिक बिजली अपनी इकाईयों से आ सके। उन्होंने बिजली अफसरों को सोलर आधारित बिजली उत्पादन की दिशा में काम करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, ऊर्जा सचिव सह सीएमडी ऊर्जा विकास निगम अविनाश कुमार, सीएम के प्रधान सचिव राजीव वरूण एक्का सहित कई अफसर उपस्थित थे।

सीएम ने अधिकारियों को व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को राज्य सरकार द्वारा वार्षिक विकास योजना मद में 200 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये जाने पर अपनी सहमति दी। एडीपी मद से प्राप्त 200 करोड़ रुपये राशि का खर्च झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा राज्य में ट्रांसफॉर्मर, पोल, तार इत्यादि व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए किया जायेगा।

हाईटेंशन उपभोक्ताओं की बिल की करें मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली बिल वसूली के लिए हाईटेंशन उपभोक्ता के मीटर में कम्युनिकेशन एक्यूपमेंट लगाकर बिजली खपत की निरंतर मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं से शत-प्रतिशत बिजली बिल वसूली सुनिश्चित करें। एचटी उपभोक्ताओं पर बिजली बिल बकाया न रहे यह आपकी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने सभी टेलीकॉम टावर पर बिजली बिल का समय पर विपत्रिकरण प्रक्रिया पूरी कर बिजली बिल वसूल करें। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मीटर कार्य को तेज गति से करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाया जाना सुनिश्चित की जाये।

24 घंटे में क्लीनचिट देनेवाले डीएसपी को ईडी का समन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम और मुख्यमंत्री के बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को 24 घंटे में क्लीनचिट देन वाले डीएसपी प्रमोद मिश्रा को ईडी ने समन कर दिया है। प्रमोद मिश्रा ने बरहरवा डीएसपी के पद पर पदस्थापना के दौरान महज 24 घंटे में ही हाईप्रोफाइल दोनों आरोपियों को क्लीनचिट दे दी थी। इस मामले में ईडी ने सोमवार को केस के अनुसंधान पदाधिकारी सरफुद्दीन खान से पूछताछ की थी। सरफुद्दीन खान ने ईडी को बताया था कि वह भले ही केस का जांच पदाधिकारी है, लेकिन पंकज मिश्रा व आलमगीर आलम को क्लीनचिट डीएसपी प्रमोद मिश्रा के द्वारा सुपरविजन के आधार पर दी गयी थी। वहीं, सरफुद्दीन ने बताया था कि वह ठीक से लिख नहीं सकता, ऐसे में डीएसपी ने ही उसे सारी चीजें लिखकर दी थीं।

- मंत्री आलमगीर आलम और पंकज मिश्रा को टोल प्लाजा केस में क्लीनचिट देने का है मामला

डीएसपी का विवादों से रहा है गहरा नाता

डीएसपी प्रमोद मिश्रा वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षारत हैं। डीएसपी में प्रमोशन के पहले भी प्रमोद मिश्रा काफी विवादित रहे हैं। पुलिस में रहते हुए उग्रवादी संगठन पीएलएफआई से संबंधों के आरोप में उन्हें रांची से हटा दिया गया था, तब प्रशासनिक दृष्टिकोण से उनका तबादला तत्कालीन डीजीपी डीके पांडेय ने जंगलवार फेयर स्कूल में कर दिया था। प्रमोशन के बाद पदमा पीटीसी में प्रमोद मिश्रा को तैनात किया गया था, लेकिन पंकज मिश्रा की पैरवी पर बाद में उनकी तैनाती बरहरवा डीएसपी के पद पर की गयी थी। रूपा तिर्की की मौत के बाद आपत्तिजनक ऑडियो वायरल होने के बाद प्रमोद मिश्रा को बरहरवा से हटा दिया गया था।

ईडी के समक्ष हाजिर नहीं हुआ सूरज, आज चंदन से होनी है पूछताछ

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान मोबाइल फोन पर बातचीत के मामले में ईडी के समन के बावजूद सूरज पंडित रांची जोनल कार्यलय में उपस्थित नहीं हुआ। ईडी ने पंकज मिश्रा के सहयोगी सूरज को समन भेज कर छह दिसम्बर को ईडी कार्यालय के समक्ष हाजिर होने को कहा था, लेकिन सूरज नहीं आया। वहीं, इस मामले में आज चंदन यादव से पूछताछ होनी है। पूर्व में ईडी की जांच में यह बात सामने आयी थी कि पंकज मिश्रा ने सूरज, चंदन व सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए 300 से अधिक फोन कॉल किये।

प्रज्ञा केंद्र में लूटपाट की कोशिश नाकाम

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया महावीर चौक के समीप प्रज्ञा केंद्र में लूटपाट के मकसद से हथियार लेकर घूसे अपराधियों से संचालक भिड़ गये। उसने पिस्टल छीन ली और उसकी धुनाई भी कर दी। हालांकि, दोनों अपराधी किसी सूरत से मौके से भाग निकले। घटना मंगलवार की है। जानकारी के अनुसार लोअर हटिया निवासी संचालक प्रक्षित कुमार नायक मंगलवार की शाम प्रज्ञा केंद्र में बैठे हुए थे। इसी दौरान दो अपराधी उनके केंद्र में घुसे। संचालक और अपराधियों के बीच बकझक हुई। इसी दौरान अपराधियों ने संचालक पर पिस्टल तान दिया और गोली मारने की धमकी दी। यह देखकर संचालक उनसे भिड़ गये। घटना की जानकारी मिलने के बाद हटिया डीएसपी राजा मित्रा, जगन्नाथपुर थानेदार अरविंद कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर से पिस्टल बरामद किया है। पुलिस अपराधियों की तलाश में जुट गयी है।

कोयला उत्पादन में 11.66 प्रतिशत की दर्ज हुई वृद्धि

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत में नवम्बर 2021 में कुल कोयला उत्पादन 67.94 मिलियन टन हुआ था। इसकी तुलना में नवम्बर 2022 में कुल उत्पादन बढ़कर 75.87 मिलियन टन हुआ। इस प्रकार कुल कोयला उत्पादन में 11.66 प्रतिशत की वृद्धि दर्जी की गयी। कोयला मंत्रालय के अद्यतन आंकड़ों के हिसाब से नवम्बर 2022 के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड ने 12.82 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, जबकि सिंगारेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड तथा कंपनी के स्वामित्व वाली खानों/अन्य पंजीकृत खानों में कोयला उत्पादन में क्रमशः 7.8 प्रतिशत व 6.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पेशकार 30 हजार घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मंगलवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी ने कार्रवाई करते हुए मेदनीनगर सदर एसडीएम के पेशकार अशोक कुमार को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पेशकार 30 हजार रुपये घूस ले रहे थे। पलामू एसीबी की टीम ने मंगलवार की पूर्वाहन में सदर एसडीएम कार्यालय में छापामारी की। यहां से पेशकार अशोक कुमार को घूस की राशि 30 हजार लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी पलामू के पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी है कि जिले के चैनपुर प्रखंड के बोडी करसों निवासी मुबारक हुसैन ने एक दिसम्बर को लिखित सूचना दी कि वर्ष 2017 में सदर एसडीएम कोर्ट में जमीन संबंधित मामले में 133 सीआरपीसी का केस जलालुद्दीन ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- पलामू एसीबी की टीम ने इस वर्ष एक दर्जन केस ट्रैप किया पूरा

मुख्यमंत्री ने कृषि ऋण माफी योजना की समीक्षा की, कहा -

किसानों को ऋण माफी योजना का दें लाभ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में मंगलवार को झारखंड कृषि ऋण माफी योजना की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जेकेआरएमवाई के तहत राज्य में 9 लाख 7 हजार 753 पात्र किसानों का ऋण माफी किया जाना था, परंतु विभिन्न बैंकों द्वारा 9 लाख 7 हजार 753 पात्र किसानों के विरुद्ध मात्र 6 लाख 6 हजार किसानों का डाटा ही अपलोड किया जा सका है। इस पर मुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैंकों के साथ जल्द बैठक आयोजित कर कृषि ऋण माफी योजना के वंचित पात्र किसानों की ऋण माफी कार्य को गति दी जाये। किसानों के ऋण माफी से संबंधित समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करें।

पंचायतवार डाटा बनाने का निर्देश

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अधिकारी अभियान चलाकर पात्र किसानों का पंचायतवार डाटाबेस तैयार करायें ताकि झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के अंतर्गत उन्हें ऋण माफी का लाभ उपलब्ध कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वैसे पात्र किसान जिनका ऋण माफी किया जा चुका है उनका डाटा पब्लिक प्लेटफॉर्म पर भी सार्वजनिक करें। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, वित्त विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, कृषि सचिव अबूबकर सिद्दीक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस से लूटी गयी राइफल व भारी मात्रा में कारतूस बरामद

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिला की पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। सीआरपीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के द्वारा हपाद जंगल से पुलिस से लुटा हुआ एक 303 रायफल, मैगजीन लगा हुआ 303 बोर का एक देशी रायफल, 303 इंच का 64 पीस जिंदा और 12 पीस मिस फायर कारतूस तथा जूता बरामद किया है। इसको लेकर बिशुनपुर थाना परिसर में गुमला अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष चंद्र लाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि गुमला जिले में लगातार नक्सलियों के खिलाफ में छापेमारी अभियान चलायी जा रही है। इसी क्रम में चार दिसम्बर की संध्या में पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि नक्सली संगठन भाकपा माओवादी रविन्द्र गंझू के दस्ता सदस्य इंद्रदेव खेरवार अपने एक रिश्तेदार के श्राद्ध कर्म में शामिल होने हापद गांव पहुंचा है। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

चतरा में माओवादियों का तांडव दो जेसीबी मशीन में लगायी आग

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। चतरा जिले के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित कुन्दा थाना क्षेत्र में एक बार फिर प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के माओवादियों ने लंबे समय के बाद अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए जमकर तांडव मचाया है। थाना क्षेत्र के गारो गांव में पिछले 15 दिनों से चल रहे सड़क निर्माण कार्य मे माओवादी दस्ते ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पिंजनी से गारो गांव तक चल रहे सड़क निर्माण कार्य मे लगे दो जेसीबी को आग के हवाले कर दिया। घटना मंगलवार देर शाम की है। जेसीबी मशीन से सड़क मे मिट्टी से फ्लैक भरने का कार्य चल रहा था। बताया जाता है कि माओवादियों ने घटना को अंजाम देने से पूर्व गांव को घेर अपने कब्जे में कर लिया। इसके बाद सड़क के निर्माण में लगे जेसीबी के पास जाकर चालक के साथ मारपीट कर जेसीबी में आग लगा दिया। साथ ही बिना आदेश का कार्य नहीं करने की चेतावनी भी दी। सड़क निर्माण कार्य 21 नवम्बर 2022 को शुरू किया गया था। संवेदक उमाशंकर सिंह व चंदू यादव ने घटना की सूचना पुलिस को दी। माओवादी के इस घटना से क्षेत्र में चल रहे विकास कार्य के संवेदको में बेचैनी बढ़ा दी है, सभी दहशत में हैं। इधर, घटना को लेकर थाना प्रभारी परमानंद मेहरा ने बताया कि गारो गांव में दो जेसीबी को आग लगाने की सूचना मिला है। घटनास्थल पर जाने के बाद ही घटना के बारे में कुछ कहा जा सकता है।

युवा पीढ़ी शौकिया, देखा-देखी में पीने लग रही सिगरेट-शराब

बीस की उम्र तक लग जा रही लत, इससे 50 प्रतिशत को गंवानी पड़ रही है जान

- आरएनएम

नयी दिल्ली। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी व चीन के कई शोध संस्थानों ने मिलकर 5 लाख 12 हजार से ज्यादा लोगों के स्वास्थ्य पर 11 वर्ष तक निगरानी रखते हुए शोध किया। इनमें से लगभग तीन लाख महिलाएं थीं। इनमें से रोज धूम्रपान करनेवाले 74.3 प्रतिशत पुरुष थे। शोध में पाया गया कि इनमें से ज्यातार किशोरावस्था में शौकिया, देखा-देखी, सोहबत में सिगरेट व शराब पीने लगे। जो 20 की उम्र तक पहुंचते आदत बन गयी। जो नशा के स्तर पर पहुंच गयी। बीबी छोड़ देंगे, लेकिन सिगरेट व दारू नहीं छोड़ेंगे वाली घर तोड़ू नौबत आ गयी। इन आदत के चलते इनमें से लगभग 50 प्रतिशत को कई तरह की बीमारियां हो गयी और मौत हो गयी। इस बारे में शोध टीम में शामिल शोधार्थी लिमिंग ली के अनुसार चीन में दो तिहाई पुरुष 20 साल की उम्र से पहले ही सिगरेट के आदी हो जाते हैं। धूम्रपान न छोड़ने पर इनमें से आधे लोगों को इस नशा के कारण जान गंवानी पड़ती है। चीन में स्मोकिंग से हर वर्ष 10 लाख लोगों की मौत होती है।

इसके अनुसार चीन में सिगरेट पीने से हुए रोगों के चलते हर दिन लगभग तीन हजार लोगों की मौत हो रही है। शोध में आया कि जिन लोगों ने जीवन में कभी सिगरेट नहीं पी, उनके मुकाबले धूम्रपान करनेवालों को कोई भी बीमारी होने का खतरा 10 प्रतिशत ज्यादा होता है। इसमें सबसे ज्यादा रिस्क लैरिंक्स (वॉइस बॉक्स या कंठ) कैंसर होने का खतरा 216 प्रतिशत तक होता है। जिनको सिगरेट पीने का नशा हो गया है, लत ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- इस नशे से 56 तरह की बीमारी होने का होता है खतरा

राज्य में अगले 24 घंटे में ठंड बढ़ने के आसार

रांची। रांची समेत पूरे राज्य में अब सर्दी सितमगार साबित होनेवाली है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में अगले 24 घंटों के दौरान ठंड बढ़ने की संभावना जाहिर की गयी है। रात में सर्द तो बढ़ेगी ही, लेकिन अब दिन के दोपहर में भी आपको सर्द हवाओं के झोंकों से सामना करना पड़ेगा। मौसम को लेकर खबर यह भी है कि राजधानी के अलावे आसपास के इलाकों में ठिठुरन भरी ठंड बढ़ सकती है। इधर, मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा है कि अगले दो से तीन दिनों के बाद ठंड से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है, लेकिन राज्य में आनेवाले दिन काफी सर्द होंगे।

आज से संसद का 17 दिवसीय शीतकालीन सत्र

- ब्यूरो

नयी दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसम्बर को शुरू होने से एक दिन पहले छह दिसम्बर को सरकार ने सर्वदलीय बैठक की, जिसमें सभी दलों के नेता शामिल हुए। 17 कार्य दिवस वाला यह सत्र 29 दिसम्बर तक चलनेवाला है। लेकिन यदि हंगामा ज्यादा हुआ तो, पहले भी सत्रावसान हो सकता है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी, डीएमके सांसद टीआर बालू, हरसिमरत कौर बादल (एसएडी) और अधीर रंजन चौधरी (कांग्रेस) सहित कई नेता शामिल हुए। इस बैठक के लिए संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोक सभा व राज्य सभा में सभी दलों के नेताओं को निमंत्रण भेजा था। बैठक में सरकार ने सभी दलों के नेताओं से शीतकालीन सत्र को बिना बाधा संचालित करने के लिए सहयोग मांगी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के लिए राज्यसभा का यह पहला सत्र होगा जिसका सभापति के तौर पर अध्यक्षता करेंगे। राज्यसभा सचिवालय ने सत्र के एक दिन पहले राज्य सभा सांसदों के लिए एक आचार संहिता जारी की है। केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में 16 नये विधेयक पेश करनेवाली है।

- केंद्र सरकार 16 नये विधेयक पेश करेगी
- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अध्यक्षता वाला राज्यसभा का पहला सत्र

ग्रामीण महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए सरकार कृतसंकल्पित

तीन वर्ष में 24,50,924 परिवार को आजीविका से जोड़ने में सफल रही सरकार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वर्ष 2012 से 2019 तक झारखंड के 4,46,551 ग्रामीण परिवार को आजीविका से जोड़ा गया। जबकि दिसम्बर 2019 के बाद से अबतक 24,50,924 ग्रामीण परिवारों को सरकार आजीविका से जोड़ने में सफल रही है। इन तीन वर्षों में सखी मंडल के जरिये ये ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए हैं। सरकार का स्थानीय संसाधनों के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन के लिए प्रयास जारी है। सरकार को उम्मीद है कि राज्य को गरीबी के कुचक्र से बाहर निकालने में सखी मंडल की महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगी। सखी मंडल की महिलाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त कर राज्य व ग्रामीण इलाकों में खुशहाली एवं समृद्धि लायी जा सकेगी। राज्य सरकार इसके लिए प्रयासरत है।

- 2019 के बाद पांच गुना अधिक ग्रामीण परिवार आजीविका से जुड़े
- सात साल में 4,46,551 परिवार को मिली आजीविका

अभिनव सोच का मिला प्रतिफल

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सिर्फ सखी मंडल की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु ही प्रयास नहीं किया, बल्कि फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान जैसी महत्वाकांक्षी योजना भी शुरू की ताकि फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान के जरिये दारू-हड़िया बिक्री एवं निर्माण कार्यों में महिलाओं की भागीदारी घटे और इससे जुड़ी ग्रामीण महिलाओं को इच्छानुसार वैकल्पिक सशक्त आजीविका का अवसर उपलब्ध कराया जा सके। इस अनूठी पहल का प्रतिफल है कि विगत तीन वर्ष में अबतक 24,801 महिलाएं फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान से जुड़कर आज सम्मानजनक आजीविका के जरिये अच्छी आमदनी कर रही हैं। सरकार इस कुप्रथा को समाप्त करने एवं ग्रामीण गरीब परिवारों को सखी मंडल, ग्राम संगठन एवं संकुल संगठन से जोड़कर उनकी वित्तीय जरूरतों को पूरा करते हुए सशक्त आजीविका से जोड़ने हेतु कृतसंकल्पित है।

कोरोना संक्रमण काल में ही शुरू हुए थे प्रयास

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने कोरोना संक्रमण काल के प्रथम चरण से ही प्रयास शुरू कर दिये थे। इस दौरान सरकार ने सखी मंडल की महिलाओं के उत्पाद को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पलाश ब्रांड को लांच किया, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। ग्रामीण उत्पाद को वृहत बाजार उपलब्ध कराया गया। कोरोना संक्रमण काल यानि वर्ष 2020-21 में 16,71,724 ग्रामीण परिवारों को सखी मंडल से जोड़कर आजीविका प्रदान किया गया। वर्ष 2019-20 में 1,35,049, 2021-22 में 5,01,409 एवं वर्ष 2022-23 में अबतक 1,42,742 परिवारों को आजीविका से जोड़ा का चुका है।

न्यूज गैलरी

परमात्मा का अस्तित्व नहीं मिट सकता

सिल्ली। हे आत्माओं अब तो पहचानों जिसे अपने मंदिरों, मस्जिदों और गुरुद्वारों में खोजा, तीर्थ यात्राएं की फिर भी मुझसे दूर रहे। मैं वहीं निराकार परमपिता आप सब आत्माओं को फिर से दुखों से उबारने, सतयुगी भारत बनाने और आप सभी आत्माओं को शांति और सुख का वर्षा देने के लिए पुनः अवतरित हो चुका हूं। अब तो जागो, मुझे पहचानो। बहुतो ने जाना, तुम भी जानो कि मैं ही तुम्हारा आत्मिक पिता निराकार शिव हूं। या तो मान लें कि भगवान है या फिर नहीं है। इससे आप की दुविधा दूर हो जाएगी, क्यों? क्योंकि हमारे मानने न मानने से परमात्मा का अस्तित्व नहीं मिट सकता। वह है तो है। तो उठो एक कदम परमपिता शिव की ओर बढ़ाएं। ओम शांति। विशेष जानकारी के लिए अपने नजदीकी ब्रम्हाकुमारी सेवा केंद्र से लें जहां प्रवेश निःशुल्क है।

मधुमिता ने उपाध्यक्ष से मिलमकर आशीर्वाद लिया

सिल्ली। बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकैडमी सिल्ली की अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज मधुमिता कुमारी ऑल इंडिया विमेंस नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट मथुरा में इंडिविजुअल ब्रांच मेडल जीता था। आज झारखंड राज्य संघ की वरीय उपाध्यक्ष श्रीमती नेहा महतो से मिली और आशीर्वाद लिया, साथ ही साथ सिल्ली में संचालित साझा सेंटर की वर्षा खलखो और कृष चंद्र देव ने भी अध्यक्ष महोदया से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। झारखंड खेल प्राधिकरण की कार्यकारी निदेशक सरोजनी लकड़ा से साझा सेंटर के खिलाड़ी मिले। ज्ञात हो कि साझा सेंटर के तीरंदाजो ने चौथी खेलो इंडिया आर्चरी टूर्नामेंट कोलकाता में कृष चंद्र देव ने कंपाउंड डिवीजन में स्वर्ण पदक और वर्षा खलखो ने इंडियन राउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

गूंज महोत्सव की तैयारी जोरों पर

सिल्ली। गूंज महोत्सव की तैयारी जोरों पर है। विनोद विहारी महतो की पुण्यतिथि 18 दिसंबर को महोत्सव प्रारंभ होगा। सिल्ली स्टेडियम परिसर में महोत्सव के आयोजन को लेकर लाखों रुपए खर्च कर स्टेडियम का रंग रोगन का काम कराया जा रहा है। पिछले वर्ष कोरोना सक्रमण के चलते गूंज नहीं हो पाया था । इस बार गूंज महोत्सव को भव्य बनाने को लेकर कार्य जोरो पर चल रहा है। प्रतिदिन लगभग 50 से अधिक मजदूर कार्य में लगे हुए हैं। स्टेज स्टेडियम के महोत्सव में इस बार जहां पहले दिन कई योजना के शुभारंभ किया जाएगा। गूंज के अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि स्टेडियम मुख्य द्वार पर तोरण द्वार बनाये जा रहे हैं। आयोजन स्थल को सजाने का काम जारी है। वही स्टेज पर मरामती काम चल रहा है इसके अलावा स्टेडियम के आसपास झाड़ियों को हटाने काम भी जोर शोर से चल रहा है । गूंज महोत्सव के संरक्षक सुदेश कुमार महतो ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया व आवश्यक निर्देश दिए। वही गूंज के संयोजक जयपाल सिंह, पूर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहू, ब्रजेश प्रसाद, शिशुपाल महतो, मनोज कोइरी विकास महतो समेत गूंज के सदस्य आयोजन स्थल को भव्य बनाने में जुटे हैं।

विधायक ने किया कासमी एजुकेशनल इंस्टिट्यूट का उद्घाटन

मांडर। मांडर प्रखंड अंतर्गत बेयासी के मदरसा जामिया अरबिया कासिमूल उलूम परिसर में कासमी एजुकेशनल इंस्टिट्यूट का उद्घाटन मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के द्वारा किया गया।विधायक ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया डिजिटल हो गई है, बिना डिजिटल ज्ञान के बच्चों की शिक्षा अधूरी रह जाएगी।बच्चों को अपने संस्कार, संस्कृति, मजहबीएवं ऐतिहासिक ज्ञान,स्कूली शिक्षा के साथ कम्प्यूटर का ज्ञान दिलाना आवश्यक हो गया है। मदरसे में इंस्टिट्यूट खोलने का यह सराहनीय प्रयास है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि अब्दुल्ला अंसारी एवं अन्य उपस्थित थे।

नाबालिग लड़की को पहले अपने प्रेम जाल में फंसाया फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया

गौरव सिंह ने महिला दलाल के हाथ बेच दिया

रांची। बरियातू थाने की पुलिस ने जिन आरोपियों को नाबालिग के अगवा करने के जुर्म में गिरफ्तार किया है उसमें से एक गौरव सिंह उर्फ सूचित कुमार ने नाबालिग लड़की को पहले अपने प्रेम जाल में फंसाया फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया इसके बाद उसे महिला दलाल के हाथ बेच दिया। पुलिस की जांच में इसका खुलासा हुआ। मामले में पुलिस ने नाबालिग के प्रेमी पलामू निवासी गौरव सिंह उर्फ सूचित कुमार के अलावा अजय तिर्की उर्फ प्रिंस को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने नाबालिग को भी बरामद कर लिया है। बताया जा रहा है कि बीते 24 अक्तूबर की रात नाबालिग का अपहरण कर लिया गया था। इस मामले में बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की तफ्तीश की। मोबाइल लोकेशन और गुप्तचरो की मदद से पुलिस ने आरोपी अजय को नामकुम से गिरफ्तार किया। साथ ही नाबालिग को भी उसके घर से बरामद किया। नाबालिग की निशानदेही पर पुलिस ने पलामू से आरोपी गौरव को दबोचा। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस के समक्ष नाबालिग को अगवा और दुष्कर्म करने की बात स्वीकार की है। आरोपियों ने पुलिस के समक्ष दुष्कर्म करने और उसकी बिक्री करने वालों के नाम का भी खुलासा किया है। पुलिस उन आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

फर्जी शादी कर रखा था नामकुम में

चुटिया निवासी अजय तिर्की उर्फ प्रिंस के हाथ महिला ने नाबालिग की बिक्री की थी। बीते 27 अक्तूबर की रात नाबालिग को आरोपी अजय के अलावा उसके दोस्त नवीम क्षेत्री और सेंटू को कचहरी रोड स्थित एक होटल में ले गए। तीनों ने नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद आरोपी अजय नाबालिग को अपने साथ नामकुम ले गया। वहां पर उससे झाड़ू-पोछा काम कराया। पकड़ाने के डर से उसने नाबालिग की मांग में सिंदूर डाल दिया, ताकि आसपास के लोग उसे उसकी पत्नी समझे। बीते 27 नवंबर को पुलिस को नाबालिग लड़की के नामकुम होने की जानकारी मिली।

फेसबुक पर की दोस्ती, फिर किया अगवा : आरोपी गौरव उर्फ सूचित अपर बाजार स्थित आलू-प्याज के प्रतिष्ठान में काम किया करता था। इसी दौरान फेसबुक पर उसकी दोस्ती नाबालिग लड़की से हुई। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। बीते 24 अक्तूबर को नाबालिग को मिलने के लिए पंडरा बुलाया। रात में नाबालिग उससे मिलने के लिए पंडरा पहुंची। पंडरा स्थित एक घर में आरोपी नाबालिग से ले गया, जहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया।

26 अक्तूबर को नाबालिग आरोपी के दुकान पहुंची और काम दिलाने को कहा। इसके बाद आरोपी ने एक महिला को फोन कर बुलाया और नाबालिग को बेच दिया। जान से मारने की धमकी देकर महिला दलाल ने नाबालिग से गलत धंधा कराने लगी। इसी बीच उसे यह पता चला कि महिला ने भी लड़की से गलत धंधा करा रही है। इसके बाद वह पलामू फरार हो गया।

36 घंटे बाद भी राशन घोटाला के मामले में प्राथिमकी दर्ज नहीं

रातू। प्रखंड के झखराटांड़ स्थित निजी गोदाम से 100 बोरा से अधिक चावल घोटाले के मामले में सील खोलने के 36 घंटे बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई। ज्ञात हो कि डीएसओ अल्बर्ट बिलुंग ने 30 नवंबर को जांच करने के बाद निजी गोदाम को सील कर दिया था। डीएसओ ने कहा कि एक दिसंबर को गोदाम की सील खोलकर जांच की जाएगी। इसके बाद पांच दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। पांच दिसंबर को सील खोलने पर पता चला कि गोदाम से 100 बोरा से अधिक चावल गायब था। इसके बाद डीएसओ ने कहा था कि राजधानी में इस तरह का यह पहला मामला है और रातू में माफियाराज कायम है। उन्होंने जांच के बाद निजी गोदाम संचालक सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता के खिलाफ बीएसओ मनोज कुमार को प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया था। लेकिन बीएसओ ने आदेश के दूसरे दिन भी गोदाम संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई।

रातू में जिला परिवहन पदाधिकारी ने चलाया वाहन जांच अभियान

34 वाहनों से वसूला गया 4 लाख का जुर्माना

रातू। थाना क्षेत्र के रिंग रोड दलादिली चौक में जिला परिवहन पदाधिकारी ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण कुमार प्रकाश के नेतृत्व में मंगलवार की सुबह 08:00 बजे से दोपहर 04:00 बजे तक टैक्स डिफॉल्टर्स, ओवरलोडेड, बिना प्रदूषण प्रमाण, बिना परमिट, बिना हेलमेट एवं वाहन संबंधी अन्य कागजातों के अतिरिक्त झारखंड राज्य से बाहर निबंधित वाहन जिनका परिचालन रांची अंतर्गत किया जा रहा है, उनकी जांच की गई।। कई घंटे लगातार चले चेकिंग अभियान में लगभग 124 वाहनों की जांच की गई। जिसमे हाइवा ,407 ,709 ,909 व व्यवसायिक माल वाहक व दो पहिया वाहन शामिल है। कागजातों में वाहनों का डिफाल्टर, ओवरलोडिंग, टैक्स,पॉल्युशन, परमिट आदि की जांच की गई। जिसमें 32 वाहनों से लगभग 4 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

तीन वर्ष में 24,50,924 परिवारों को आजीविका से जोड़ा गया

रांची। वर्ष 2012 से 2019 तक झारखंड के 4,46,551 ग्रामीण परिवारों को आजीविका से जोड़ा गया. जबकि दिसंबर 2019 के बाद से अबतक 24,50,924 ग्रामीण परिवारों को सरकार आजीविका से जोड़ने में सफल रही है. इन तीन वर्षों में सखी मंडल के जरिए ये ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए हैं. सरकार का स्थानीय संसाधनों के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन के लिए प्रयास जारी है,. सरकार को उम्मीद है कि राज्य को गरीबी के कुचक्र से बाहर निकालने में सखी मंडल की महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगी.

भारतीय लोक कल्याण संस्थान के क्रियान्वयन द्वारा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यकम आयोजित

30 लाभार्थी प्रशिक्षण में शामिल होकर उठाया लाभ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड ट्राइबल डेवलोपमेन्ट सोसाइटी के आयोजन से एवं भारतीय लोक कल्याण संस्थान के क्रियान्वयन द्वारा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यकम आसनबेरिया पंचायत भवन, जामताड़ा में किया जा रहा है। मधुमक्खी पालन एवं मधु प्रसंस्करण परियोजना के अंतर्गत लाभार्थियों का प्रशिक्षण जो कि भारतीय लोक कल्याण संस्थान के द्वारा आयोजित किया गया। दिनांक 06.12.2022 दिन मंगलवार को इस परियोजना के अंतर्गत फतेहपुर ब्लॉक के आसनबेरिया ग्राम (10) एवं अंधारो ग्राम (10) और आमशहरी ग्राम (10) कुल 30 लाभार्थी प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण के ग्यारहवें दिन प्रशिक्षण का कार्य मुख्य प्रशिक्षक आकाश कुमार व चन्द्रेस्वर ओझा ने किया। जिसमें देवकिशोर कुमार का विशेष सहयोग रहा। प्रशिक्षण के

ग्यारहवें दिन प्रशिक्षकों ने मधुमक्खी पालन से संबंधित विभिन्न विषयों मुख्यतः विभिन्न मौसम में उत्पादित विभिन्न फसलों अर्थात फसल चक्र को विस्तार पूर्वक बताया गया एवं विभिन्न विषयों को व्यवहारिक व प्रयोगात्मक रूप में अध्ययन कराया गया तथा प्रोजेक्टर लैपटॉप के द्वारा विभिन्न फोटो व वीडियो के माध्यम से आसान व विस्तृत रूप से भी सभी लाभुकों को समझाया गया तथा मधुमक्खी पालन करने को प्रेरित किया गया साथ ही साथ मानसिक व बौद्धिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण के साथ-साथ मनोरंजन के लिए प्रत्येक दिन की भांति आज प्रशिक्षण के ग्यारहवें दिन भी इनडोर गेम का आयोजन किया गया जिसमें आज के विजेता पांचू मोहली रहे जिन्हें उचित सम्मान राशि देकर पुरस्कृत किया गया ।

ग्रामीण रास्ते जर्जर, लोगों की बढ़ी परेशानी

बुढ़मू। बुढ़मू प्रखंड के ओझासाड़म पंचायत के बैगी से रेहड़ा गड़ा, मुरूम जोबे, जावाटाड़ , सखुवा टाड़, एवं जोबरो तक जाने वाला रास्ता कई महीनों से खराब है, पथ पर जगह जगह पर गड्ढा हो गया है, और पथ जर्जर बना हुआ है। इस पथ के दोनों साइड झाड़ियां उग गई है, जिसके कारण गांव के स्कूली बच्चों को स्कूल आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही ग्रामीणों को भी बाजार एवं विभिन्न गांव आने जाने में परेशानी हो रही है। यह पथ पर एक नदी है, जिस पर आज तक पुल नहीं बना है, जिसके कारण ग्रामीण नदी के पानी में चल कर पार होते हैं , और बरसात में ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, विशेषकर पुल नहीं रहने के कारण बरसात में स्कूली बच्चों को स्कूल आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस पथ पर आज तक किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके कारण आज तक पथ को नहीं बनाया गया है , और ना ही पथ के नदी में पुल बनाया गया है।

झारखण्ड सरकार,
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग,
(समेति झारखण्ड)

साक्षात्कार स्थगन की सूचना

एस0एम0ए0ई0/आत्मा कार्यक्रम अंतर्गत समेति झारखण्ड के उप निदेशक/संकाय (Agriculture & Allied एवं Horticulture/Post Harvest Technology) पद पर संविदा आधारित चयन हेतु प्रकाशित विज्ञापन संख्या PR 283722 (Agriculture)22-23(D) द्वारा दिनांक 06.12.2022 को साक्षात्कार की तिथि निर्धारित की गई थी जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया जाता है। साक्षात्कार हेतु नई तिथि की सूचना का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों एवं समेति के वेबसाईट www.sameti.org पर किया जाएगा।

ह0/–
निदेशक समेति,
झारखण्ड, राँची।

PR 284373 Agriculture(22-23)#D

बाबा साहब के द्वारा रचित संविधान में कल्याणकारी राज की भावना समाप्त कर दी गई है : राजेश गुप्ता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अनुबंध, आउटसोर्सिंग, लेटरल एंट्री से सरकारी पदों का भारा जाना संविधान के विरुद्ध है। संविधान में देश को कल्याणकारी राज माना गया है। सरकारी पदों पर एक छोटे से कर्मचारी को भी अच्छा वेतन दिया जाता है ताकि वह अपने बच्चों का शिक्षा-दीक्षा, इलाज व घर मकान ढंग से बना कर रहे। लेकिन सरकारें अब कारपोरेट सेक्टर में कार्यरत कर्मचारियों के कम से कम वेतन देने की परिपाटी जैसा व्यवहार आउटसोर्सिंग, अनुबंध जैसे नीति लाकर जनता से कर रही है। उपरोक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 67 वीं महापरिनिर्वाण दिवस पर डोरंडा स्थित बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात कही। प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि बाबा साहब के द्वारा रचित संविधान में कल्याणकारी राज की भावना समाप्त कर दी गई है इसका कारण है सरकारी संस्थान में अनुबंध, आउटसोर्सिंग में काम करने वाले

कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दीया जाना है. जिससे उनकी हालात बहुत ही पतली हो गई है वह ना ढंग से पौष्टिक भोजन ना अच्छा इलाज और ना ही घर मकान बना पा रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में संविधान में कल्याणकारी राज की भावना धीरे-धीरे समाप्त की जा रही है लेटरल एंट्री के माध्यम से बड़े बड़े अधिकारियों का चयन करना भी संविधान विरुद्ध है. बाबा साहब के मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद विद्वान अधिवक्ता योगेंद्र प्रसाद जी ने संविधान के प्रस्तावना पाठ कराई गई. उक्त अवसर पर रामावतार कश्यप सीबी बलमूचू अधिवक्ता अब्दुल कलाम रसीदी,योगेंद्र प्रसाद, राजेंद्र राम रविदास, चंद्रशेखर गुप्ता, पंकज रवि , अभिराज रंजन ,भोलानाथ रजक, रमेश पासवान, रोहित सहित कई लोग उपस्थित थे.

रिम्स के मरीजों को जल्द मिलेगा नया रैन बसेरा

रांची। रिम्स में आने वाले मरीजों के परिजनों को रहने के लिए जल्द ही नया विश्राम गृह मिलने वाला है। रिम्स परिसर में पावर ग्रीड के सहयोग से 310 से अधिक बेड का विश्राम गृह बनाया जा रहा है। निर्माण एनटीपीसी पावर ग्रीड, सीएसआर फंड से हो रहा है। लगभग 95 फीसदी निमार्ण कार्य पूरा हो चुका है। शुभारंभ 14 जुलाई 2019 को हुआ था। पांच मंजिला विश्राम गृह के हर एक कमरे में 6 से 8 बेड होंगे। साथ ही सामान रखने के लिए अलमारी बनाया गया है। इसके हर फ्लोर में चार वॉशरूम होंगे। वहीं, दिव्यांगों के लिए अलग वॉशरूम की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा ग्राउंड फ्लोर में वेटिंग एरिया, कैफेटेरिया और कैंटिन की सुविधा मरीजों के परिजनों को मिलेगी।

कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग

अतिअल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति

एतद् द्वारा Formulated and Extruded floating Feed , 0.5- 1.0 mm floating feed, 1.1-1.5mm, floating feed 1.6-2.0 mm floating feed, 3.0 mm floating feed , 4.0 mm floating feed के निर्माता अथवा अधिकृत बिक्रेता को सूचित किया जाता है कि डी0एम0एफ0टी0 योजना अंतर्गत निर्मित केज एवं अन्य योजना में मत्स्य पालन हेतु फ्लोटिंग फीड का आपूर्ति केज लाभुक को किया जाना है इस हेतु कार्यालय द्वारा मत्स्य आहार का दर निर्धारण एवं आपूर्तिकर्ता को सूचीबद्ध किया जाना है। इच्छा की अभिव्यक्ति मुहरबंद लिफाफे में दिनांक 20.12.2022 के पूर्वाहन् 11:30 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, हजारीबाग में स्वीकार किये जायेंगें एवं उसी दिन जिला स्तरीय कमिटि के समक्ष मध्यान् 12:00 बजे इच्छा की अभिव्यक्ति उप विकास आयुक्त–सह–अध्यक्ष, हजारीबाग की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्ते www.hazaribag.nic.in, http://jharkhandfisheries.org एवं जिला मत्स्य कार्यालय, हजारीबाग के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग

PR 284293 Fish(22-23)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला

"अति अल्पकालीन निविदा आमत्रंण सूचना"
संख्या –26/2022–23

1. विभाग का नाम :- भवन निर्माण विभाग।
2. विज्ञापनदाता का पद नाम :- कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :- दिनांक 14.12.2022 को अपराह्ण 1:00 बजे तक।
4. मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :- दिनांक 15.12.2022 को अपराह्ण 3:00 बजे तक।
5. मुहरबंद निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- दिनांक 15.12.2022 को अपराह्ण 3:30 बजे से।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :- 1. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन अंचल संख्या–02, राँची।
   2. कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, गुमला।
   3. सहायक अभियंता का कार्यालय, भवन अवर प्रमंडल सं.–01, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :- कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गुमला।
8. कार्य की विवरणी :–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	Constriction of Boundary wall /Main Gate for New SDO Office Gumla for the year 2022-23	2299900.00	46000.00	5000.00	2 Months
2.	Constriction & Concertina Fencing of Boundary wall (South Side) in Vikash Colony Gumla Jharkhand for the year 2022-23	1935530.00	38800.00	5000.00	2 Months
3.	Constriction & Concertina Fencing of Boundary wall (North/West Side) in Vikash Colony Gumla Jharkhand for the year 2022-23	2084400.00	41700.00	5000.00	2 Months
4.	Renovation of Boundary wall in District Gavvya Office Gumla for the year 2022-23	758300.00	15200.00	1250.00	2 Months
5.	Construction of Boundary wall / Santri Post in Campus of PDJ Residence Gumla Jharkhand for the year 2022-23	1290900.00	25900.00	2500.00	2 Months

नोट :- निविदा की शर्त www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल,गुमला।

PR.NO.284381 Building(22-23):D

बीएयू में निःशुल्क दंत रोग जांच शिविर का आयोजन

पदाधिकारी, कर्मचारी व छात्रों का सघन जांचकर उचित परामर्श दिए गए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अस्पताल में निःशुल्क दंत रोग जांच शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। दंत रोग, मुंह, मुंह के अंदर होने वाली बीमारियां, मसूड़ों से रक्तस्राव पायरिया मुंह से गंध आना, दांतों को सड़ने गलने के बीमारियों से संबंधित रोगों का निःशुल्क जांच शिविर का उद्घाटन बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ओंकार नाथ सिंह के कर कमलों द्वारा किया गया। कुलपति महोदय ने अपने उद्घाटन संबोधन में बताया कि दांत मसूड़े और मुंह का विशेष ध्यान दें इसे स्वच्छ और साफ रखें कम से कम 2 बार नित्य ब्रश करें हर खाने के बाद अच्छी तरह कुली कर ले और कुछ भी परेशानी हो तो दांतो के डॉक्टर से परामर्श लेना ना भूलें। इस शिविर का कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उमाशंकर वर्मा के द्वारा

आयोजित किया गया था। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अस्पताल एवं ओम डेंटल एंड मैक्सिलोफेशियल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, बरियातू रोड, रांची के संयुक्त तत्वाधान में आयोजन किया गया। इस शिविर में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अस्पताल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर यू एस वर्मा, मुमताज आलम, कौशल्या देवी, सरस्वती कुजुर, असुंता प्यारी एक्का, डॉ. गीता, किशोर एवं ओम डेंटल क्लीनिक के सीनियर डॉक्टर डॉ सौरभ मलिलक, डॉ. पूजा सिंह, डॉक्टर ओम, एवं सहायक रननजय कुमार लाल एवं गंधारी बेसरा ने 55 पदाधिकारियों कर्मचारियों छात्रों एवं आकस्मिक कर्मचारियों का सघन जांच किए तथा उचित परामर्श दिए।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है

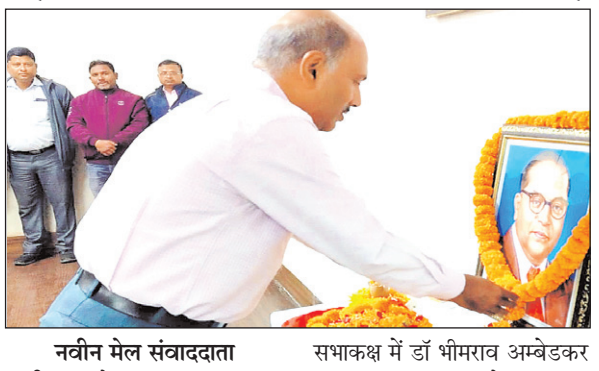

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची रेल मंडल पर भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। हर वर्ष 06 दिसंबर को भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर मंगलवार को भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर के 66वें पुण्यतिथि पर रांची रेल मंडल कार्यालय के सभाकक्ष में डॉ भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर पर मंडल रेल प्रबंधक प्रदीप गुप्ता , अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) श्री सतीश कुमार एवं उपस्थित सभी लोगों द्वारा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। साथ ही कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा किए गए महान कार्यों एवं देश को प्रगतिशील बनाने के लिए संविधान निर्माण में उनके व्यापक योगदान का उल्लेख किया गया।

न्यूज गैलरी

खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 10 दिसम्बर तक

रांची। झारखंड जिम्नास्टिक इस चयन ट्रायल में झारखंड में जन्म लिये खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं, साथ ही साथ आधार कार्ड पर उनका पता झारखंड का ही होना चाहिए। मंगलवार की बैठक में इस तरह की बात कही गयी। खिलाड़ियों के द्वारा चयन ट्रायल में अपने आधार कार्ड की मूल प्रति, (छाया प्रति सहित) तथा सरकारी संस्थानों से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, यथा- मैट्रिक का मूल प्रमाण पत्र, अथवा नगर निगम द्वारा निर्गत जन्म प्रमाणपत्र (छाया प्रति सहित) प्रस्तुत करने पर ही भाग ले सकेंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए 10 दिसम्बर तक रिपोर्ट झारखंड जिम्नास्टिक संघ के कार्यकारी सचिव राजीव रंजन मो ना० +917004150442 प्रशासनिक सचिव दीपक गुप्ता 6205523640 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुसूचित जाति समन्वय समिति ने बाबा अंबेडकर का 66वां परिनिर्वाण दिवस मनाया

रांची। मंगलवार को अनुसूचित जाति समन्वय समिति ने भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 66वां परिनिर्वाण दिवस अंबेडकर चौक डोरंडा में उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र रजक एवं संचालन राम लगन राम ने किया। मौके पर उपस्थित लोगों ने बाबासाहेब के विचारों एवं उनके द्वारा किया गया संघर्ष तथा कार्यों पर विचार रखा। उपेंद्र कुमार रजक, राम लगन राम, विजय राम, विकास रवि, राजेश रोशन, रंधिर रजक ने कहा कि बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन सामाजिक समरसता एवं समाज में राजनीतिक आर्थिक और लोकतंत्र के स्थापना के लिए लगा दिया अपने देश के लिए पवित्र संविधान बाबासाहेब की अनमोल देन है लेकिन आज आजादी के 73 वर्ष बाद भी बाबासाहेब के विचारों एवं संविधान को पूर्णता लागू नहीं किया गया। आज भी संविधान को तार-तार किया जा रहा है, जिन शोषित वंचित को संविधान में विशेष अधिकारों प्रावधान दिया गया था वह आज भी अधूरा है। श्रद्धांजलि सभा में अक्षय राम, नीरज पासवान, अधिवक्ता भोला रजक, योगेंद्र प्रसाद, मोहन राम, श्याम नंदन प्रसाद, रणधीर रजक,संतोष रवि, संतोष रजक, नारायण नायक, संजय रविदास, इंद्रदेव राम, मधु राम, विजय राम, किशोर नायक, राजेश राम, शंकर करमाली, अधिवक्ता राजेंद्र राम आदि मौजूद थे।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर को सीएम ने श्रद्धांजलि अर्पित की

रांची । समाज को संविधान रूपी ग्रंथ देने वाले महान संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें याद कर नमन किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड में बेरोजगारी दर 14.3 प्रतिशत, देश में छठा स्थान : सीएमआइई

रांची। देश में बेरोजगारी दर को लेकर सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआइई) ने बड़ा दावा किया है . सीएमआइई के आंकड़ों के मुताबिक देश में बेरोजगारी दर नवंबर में बढ़ कर 8.00 प्रतिशत पहुंच गयी है. अक्टूबर में यह आंकड़ा 7.77 प्रतिशत था. आर्थिक शोध संस्थान सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीएमआईई) के मुताबिक शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी बढ़ी है. अक्टूबर में शहरी क्षेत्र में जहां बेरोजगारी दर अक्टूबर में 7.21 से बढ़ कर 8.96 प्रतिशत हो गयी है, जबकि ग्रामीण इलाकों में सुधार हुआ है. यहां अक्टूबर में बेरोजगारी दर 8.04 प्रतिशत से घट कर 7.55 प्रतिशत पहुंच गयी है. देश में सबसे अधिक हरियाणा में (30.06 प्रतिशत), दूसरे स्थान पर राजस्थान में (24.05 प्रतिशत), तीसरे स्थान पर जम्मू कश्मीर में (23.09 प्रतिशत), चौथे स्थान पर बिहार में (17.03 प्रतिशत), पांचवें स्थान पर त्रिपुरा में (14.05 प्रतिशत) जबकि छठे स्थान पर झारखंड में (14.03 प्रतिशत) बेरोजगारी है. वहीं छत्तीसगढ़ में सबसे कम (00.01 प्रतिशत) है. इसके अलावे उत्तराखंड में (01.02 प्रतिशत), ओड़िशा में (01.06 प्रतिशत) और कर्नाटका में (01.08 प्रतिशत) है.

बीएयू में डॉ. अम्बेडकर का 67 वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

जीवन में बाबासाहेब जैसे समान अनुशासन प्रिय का होना जरूरी : डॉ. ओंकार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को डॉ. अम्बेडकर का 67 वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। मौके पर मौजूद सभी लोगों ने कुलपति के नेतृत्व में बाबासाहेब के आदम चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रध्दा सुमन अर्पित किये। समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने हमें पहले और अंततः भारतीय होने की सीख दी। उन्होंने भारतीय समाज के सामने अपनी बातों को स्पष्ट तरीके से रखा, अपनी विचारों पर अडिग रहें, जीवन-भर संघर्ष किया और पुरे देश को भारतीय संविधान की अनुपम भेंट दी। वे भारतीय समाज के एक ऐसे महामानव थे, जिन्होंने जीवनभर अनुशासन कभी नहीं तोड़ा। अनुशासन को जीवन में सर्वोपरि माना और जीवनपर्यंत अनुशासन प्रिय रहें। आज के बच्चों एवं छात्रों को डॉ. अम्बेडकर के विचारों से प्रेरणा लेने और जीवन में सफल होने के लिए उनके समान अनुशासन प्रिय होना जरुरी है। कुलपति ने कहा कि भारतीय संविधान के मुल चरित्र को नहीं बदला जा सकता। हमें छोटी-छोटी बातों पर उद्वेलित होने से बचना चाहिए। दुसरों का आदर और सम्मान करना चाहिए। जीवन में भारतीय संविधान के प्रति पुरी तरह आस्था ही डॉ. भीमराव अम्बेडकर को हमारी सच्ची श्रध्दांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि डीन एग्रीकल्चर डॉ. एसके पाल ने डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा भारतीय महिलाओं के अधिकारों एवं सुरक्षा के लिए कठिन संघर्ष पर चर्चा की। भारतीय संस्थानों की सेवा और शिक्षण संस्थानों में अधिकाधिक महिलाओं की भागीदारी को इसका प्रतिफल कहा। डीन वेटनरी डॉ. सुशील प्रसाद ने बाबासाहेब जैसी महान विभूति का भारत देश में पैदा होना बड़े सौभाग्य का विषय बताया। डीन फॉरेस्ट्री डॉ एमएस मल्लिक ने भारत में समता मूलक समाज की स्थापना को आगे बढ़ाने में योगदान की चर्चा की।

खुशहाल भारत के निर्माण में बाबा साहेब की अहम भूमिका

कुल सचिव डॉ. नरेंद्र कुदादा ने खुशहाल भारत के निर्माण में बाबा साहेब के आदर्शो एवं मार्गदर्शन के अनुसरण पर बल दिया। उन्हों ने कहा कि खुशहाल भारत बनाने में बाबा साहब की अहम भूमिका रही है। डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ. जगरनाथ उराँव ने महानतम व्यक्तित्व का स्वामी बताया, जिन्होंने जीवनभर भारतीय समाज के उत्थान के लिए संघर्ष किया। रांची विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधि द्वारिका दास ने बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने से भारतीय समाज के उत्थान एवं गतिशील होने की बात कही। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर को पुरे भारतीय समाज का मसीहा बताया। डॉ. अभिषेक कुमार ने डॉ. अम्बेडकर के बौद्धिक ईमानदारी पर प्रकाश डाला। मौके पर विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा डॉ. अम्बेडकर की जीवनी पर भाषण प्रस्तुत किया गया। मनीष कुमार कुशवाहा ने डॉ. अम्बेडकर को दलित समाज का महानम व्यक्तित्व बताया। साना आयसा ने भारतीय समाज के उत्थान में योगदान को याद करने का दिवस तथा साल्वी ऐशर्वया ने असाधारण व्यक्तित्व का महान विभूति बताया। स्वागत भाषण में कार्यक्रम संयोजक डॉ सोहन राम ने डॉ. अम्बेडकर के योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने देश में न्यायपालिका, कार्यपालिका एवं विधायिका को संविधान समर्पित कर भारत के प्रजातंत्र को मजबुती दी।

तीन वर्ष में 24,50,924 परिवारों को आजीविका से जोड़ा गया

रांची। वर्ष 2012 से 2019 तक झारखंड के 4,46,551 ग्रामीण परिवारों को आजीविका से जोड़ा गया. जबकि दिसंबर 2019 के बाद से अबतक 24,50,924 ग्रामीण परिवारों को सरकार आजीविका से जोड़ने में सफल रही है. इन तीन वर्षों में सखी मंडल के जरिए ये ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए हैं. सरकार का स्थानीय संसाधनों के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन के लिए प्रयास जारी है,. सरकार को उम्मीद है कि राज्य को गरीबी के कुचक्र से बाहर निकालने में सखी मंडल की महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगी. सखी मंडल की महिलाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त कर राज्य व ग्रामीण इलाकों में खुशहाली एवं समृद्धि लायी जा सकेगी.

श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर हनुमान चालीसा पाठ संपन्न

श्री हनुमान जी महाराज की जयकारों से श्याम मंदिर गूंज रहा था

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जय हनुमान ज्ञान गुण सागर जय कपीस तिहुं लोक उजागर राम दूत अतुलित बल धामा अंजनि पुत्र पवनसुत नामा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को श्री हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ में श्री हनुमान जी महाराज की जयकारों से गूंज रहा था। श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आज संध्या 27 वां श्री सुंदर कांड श्री हनुमान चालीसा पाठ समारोह का आयोजन भव्य रुप से भक्ति व उल्लास के साथ संपन्न हुआ। श्री श्याम मित्र मंडल के महामंत्री श्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर प्रत्येक मंगलवार को श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ होता है । इसी श्रंखला में आज मंडल के वरिष्ठ सदस्य श्री रतन शर्मा ने परिवार संघ श्री हनुमान जी महाराज की अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा गुड़ चना केला फल का प्रसाद अर्पित कर सुगंधित इत्र चढ़ाकर अपनी मनोकामना का निवेदन किया। मंडल के उप मंत्री श्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान संपन्न करवाया। प्रसिद्ध पाठ वाचक श्री मनीष सारस्वत श्री ओम शर्मा व अन्य ने साज बाज के साथ श्री गणेश स्तुति करके श्री हनुमान चालीसा का पाठ प्रारंभ करके उपस्थित सैकड़ों भक्त जनों से श्री सुंदरकांड पाठ का संगीतमय पाठ करवाया। श्री सुंदरकांड हनुमान चालीसा का पाठ किया गया महाबली बजरंगबली की महाआरती तथा प्रसाद वितरण समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर सुरेश सरावगी विश्वनाथ नारसरिया श्रवण ढानढनिया गौरव अग्रवाल मोनू अनिल नारनौल राजकुमार पप्पू रतन शर्मा कमल लोहिया संजय सराफ अरुण शर्मा अरविंद सोमानी रौनक पोद्दार अन्य ने व्यवस्था व प्रसाद वितरण में सहयोग किया। खाटू नरेश का विशेष श्रृंगार श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार 8 दिसंबर को प्रातः 8:45 बजे से श्री शालिग्राम पूजन व श्री सत्यनारायण कथा का आयोजन होगा।

शनिवार को श्री श्याम भंडारा

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार 10 दिसंबर को 40 वा श्री श्याम भंडारा संध्या 5:00 बजे से होगा। श्री मोहनलाल खुटेटा परिवार के साथ भंडारे की सेवा निवेदित करेंगे। उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू में दी।

मारवाड़ी सम्मेलन में भावी प्रकल्पों एवं संकल्पों पर विस्तृत चर्चा की गई

प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने पूर्व अध्यक्षों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल ने अपने पदाधिकारियों के साथ अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विनय कुमार सरावगी एवं निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल के आवास में पहुंचकर उन्हें पुष्पगुच्छ, संकल्प स्मारिका एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा आशीर्वाद लेते हुए समाज के व्यापक हित में द्रुत गति से काम करने का संकल्प दोहराया। श्री सरावगी एवं श्री अग्रवाल ने विश्वास जताया कि आपके 2 वर्षों के कार्यकाल में आपके कुशल नेतृत्व में प्रांतीय सम्मेलन को नई दिशा देने में समर्थ होंगे। उन्होंने कहा कि संगठन, समाज सुधार, समाज विकास, राष्ट्रीय एकता, समरसता एवं जन सेवा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य करेंगे। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल ने आग्रह किया है कि आरोग्य भवन में एक बड़ा भूखंड उपलब्ध होने से मारवाड़ी सम्मेलन का भवन, मारवाड़ी युवा मंच एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन का कार्यालय तथा बालिकाओं के लिए छात्रावास, पुस्तकालय, चिकित्सालय तथा अन्य जन सेवा के कार्य हो सके। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल ने कहा कि आपके मार्गदर्शन और सहयोग से हम सभी भावी प्रकल्पों एवं संकल्प में 150 शाखाओं के साथ संगठन विस्तार करते हुए सदस्यता संख्या दस हजार तक करने, सुदृढ़ सशक्त एवं प्रभावशाली समाजिक पंचायत का गठन करना, झारखंड के जनजातीय क्षेत्रों में खेलकूद को प्रोत्साहन देने हेतु जिले मे ऐसे प्रतिभाओं की तलाश करके उन्हें सहयोग प्रदान करना, सभी जिलों एवं अनुमंडलो में स्थित मुक्तिधाम का आधुनिकरण एवं निर्माण कराना, सामाजिक नियमों का अनुपालन करने एवं आदर्श प्रस्तुत करने वालों को सम्मानित किया जाना, राजनीतिक में आने के लिए समाज के युवाओं को प्रोत्साहन देना, आदि शामिल है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में डॉ. बाबा भीमराव अम्बेदकर की पुण्यतिथि मनाई गई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मंगलवार को झारखंड़ प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में भारत के संविधान निमार्ता महामना बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेदकर की पुण्यतिथि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, रांची में मनाई गयी। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यापर्ण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में कहा कि डा. भीमराव अम्बेदकर अपने जीवन पर्यन्त संघर्ष से भारत की आत्मा कहे जाने वाले दलितों एवं पिछड़ी जाति को हजारों वर्षों के सामाजिक शोषण से मुक्त कराया तथा उन्होंने भारत के संविधान में जो बातें उल्लेखित की है उनसे हम भारतीय खुली हवा में सांसे ले रहें हैं, संविधान निमार्ता ने हमें ऐसा अधिकार दिया है कि हम भारतीय अपनी भावना निःसंकोच एक दूसरे से व्यक्त कर सकने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि हमें भी उनके बताये हुए मार्गों का अनुपालन करें तभी हम अपने संविधान एवं अपने देश तथा अपने अधिकारों की रक्षा कर सकेंगे। ड़ा अम्बेदकर ने देश से छूआ-छूत, उँच-नीच को जड़ से समाप्त करने का प्रण ले रखा था। उनका मानना था कि देश में जितनी भी बुराईयां हैं ये सभी इंसान ने ही बनाया है भगवान ने नहीं इसे वे समाप्त करके ही रहेंगे। वक्ताओं ने कहा कि ड़ा0 अम्बेदकर सच्चे देश भक्त, समाज सुधारक के रूप हमेशा याद किये जाते रहेंगे। समाज में वह एक कुशल आदर्श एवं अमिट छाप छोड़ गये हैं जिसे हमें उनके आदर्षो को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

श्रमिक संघ ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय में दिया धरना

मजदूर हितों के खिलाफ अधिकारियों के साजिश का पर्दाफाश करना जरूरी है : अजय राय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पावर वर्कर्स यूनियन के निवेदन पर मंगलवार को झारखंड ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय में आयोजित धरना में शामिल होते हुए झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि निगम में बैठे हुए कुछ पदाधिकारी मजदूर हितों के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश रचे हुए हैं जिस का पदार्फाश करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक और अधिकारियों के ग्रेड पे का लाभ लेने में निगम के अधिकारी प्रमुखता दिखाते हुए निर्णय ले लेते हैं वही जब कर्मचारियों को महज 300 रुपये बढ़ाने की बात आती है तो वह वित्तीय बोझ का बहाना बनाकर उनकी अनदेखी कर रहे हैं। अजय राय ने कहा कि एक और समय बाद प्रमोशन की बात होती है मगर यहां कर्मचारी जो पूर्व में हाईली स्किल्ड में होते हुए थर्ड ग्रेड में जिनकी नियुक्ति होती हैं आज उनका ग्रेड चेंज कर फोर्थ ग्रेड कर दिया जा रहा है जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। वही अजय राय ने निगम को एजेंसी प्रथा खत्म कर पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की अन्यथा इसके खिलाफ उग्र आंदोलन चलाकर पूरे राज्य को ब्लैकआउट करने की भी धमकी दे डाली। उन्होंने झारखंड पावर वर्कर्स यूनियन के आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर श्रमिक संघ उनके आंदोलन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

7 दिसम्बर

संदेश

आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस है। इस शुभ अवसर पर मैं भारतीय सेना के सभी कार्यरत तथा अवकाश प्राप्त सैनिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

प्रत्येक वर्ष 7 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाते हैं। इस दिन हम अपने देश की सशस्त्र सेना के प्रति सम्मान एवं एकजुटता प्रदर्शित कर उनका मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें आश्वासन दिलाते हैं कि हम सभी भारतवासी उनके साथ हैं, जिनकी दिलेरी, बहादुरी, सतर्कता व चौकसी के कारण ही देश की सीमाएं एवं हम सभी देशवासी सुरक्षित हैं।

हमारे देश की सशस्त्र सेना निरंतर सतर्क रहकर देश की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता की रक्षा में सतत् सेवारत रहती है। चाहे युद्ध का समय हो या शांति काल, हमारी सशस्त्र सेना ने अपने कर्तव्य, साहस, समर्पण तथा निष्ठा से राष्ट्र को सदैव गौरवान्वित किया है। हम सभी देशवासी अपने देश के महान वीर सैनिकों के प्रति सदैव ऋणी रहेंगे।

हम सभी नागरिकों का कर्त्तव्य है कि हम अपनी क्षमता अनुसार "सशस्त्र झंडा दिवस कोष" में योगदान देकर, उन वीर सैनिकों, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है, के प्रति अपना आभार प्रकट करें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि झारखंड के निवासी अपने गौरवमयी परंपरा को दृष्टि में रखते हुए झंडा दिवस के अवसर पर उदारतापूर्वक दान देकर सशस्त्र बलों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता एवं असीम प्यार अभिव्यक्त करने में अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

जय हिन्द !

रमेश बैस
राज्यपाल, झारखण्ड

हम प्रत्येक वर्ष 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाते है। इस अवसर पर हम उन बहादुर सैनिकों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट करते है, जिन्होंने विगत युद्धों तथा आतंकवाद के खिलाफ वीरतापूर्वक लड़ते हुए देश के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी या निःशक्त हो गये।

राष्ट्र को अपनी सशस्त्र सेना पर गर्व है। बाहरी आक्रमण से भारतीय सेना ने देश की रक्षा करने तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम सबका नैतिक कर्तव्य है कि इन बहादुर सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास हेतु प्रयास करें। इसके लिए राज्य में **"सैनिक कल्याण कोष"** का गठन किया गया है। राज्य सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा चलाये जा रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों में इस राशि का उपयोग किया जाता है जिससे वीरांगना विधवाओं, निःशक्त सैनिकों और उनके आश्रितों तथा सेवारत कर्मियों को लाभ मिलता है। हम सभी को इस कोष में उदारतापूर्वक दान देना चाहिए।

मैं, झारखंड की जनता से अपील करता हूँ कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस के शुभ अवसर पर शहीद सैनिकों, निःशक्त जवानों एवं आश्रितों के कल्याणार्थ गठित सैनिक कोष में उदारतापूर्वक दान दें।

हम सबों का सहयोग प्रतीक रूप में अपनी सशस्त्र सेना के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रकटीकरण होगा। यह अंशदान हमारे सैनिकों का मनोबल उँचा करेगा एवं देशवासियों के सम्मुख एक अनुकरणीय उदाहरण बनेगा।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR No. 284070 (Home) 2022-23

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, राज्य सैनिक कल्याण निदेशालय, झारखण्ड सरकार

न्यूज गैलरी

ओमनी कार व बाइक में टक्कर, बाइक चालक घायल

भंडरा / लोहरदगा। लोहरदगा भंडरा मुख्यपथ में पीएचडी कार्यालय के समीप मारुति ओमनी नम्बर जेएच 01 एई 4354 और पल्सर बाइक नम्बर जेएच 08 जी 5003 की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक चालक घायल हो गया स्थानीय लोगो ने घायल को भंडरा सामुदायिक अस्पताल भेज दिया जहा डॉक्टर द्वारा इलाज किया जा रहा है। मिली जानकारी अनुसार सदर थाना क्षेत्र के इरगांव निवासी सुरेन्द्र उराँव के 22 वर्षीय पुत्र विकास उराँव भंडरा साप्ताहिक बाजार आया था वह बाजार से निकल कर बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए पेट्रोल टंकी जा रहा था उसी दौरान भंडरा पीएचडी कार्यालय के समीप लोहरदगा की ओर से आ रही ओमनी कार ने टक्कर मार दिया जिसमें बाइक चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। इधर भंडरा पुलिस ने गाड़ी को जप्त कर थाना लाया।

प्रांतीय खेलकूद की तैयारी अंतिम चरण में

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में आगामी 10 से 12 दिसंबर 2022 तक होने वाले 33 वीं प्रांतीय खेलकूद की तैयारी अंतिम चरण में है। व्यवस्था के निमित्त आवंटित सभी विभागों के प्रमुख आचार्य बंधु - भगनी ने समूहश: बैठक करके अपने विभाग के कार्य को सर्वोत्तम रूप देने की चिंता की और योजना बनाई। प्रमुख विभागों में स्वागत, आवास, भोजन, प्रचार प्रसार एवं खेल परिसर की व्यवस्था संबंधी विशेष विचार विमर्श किया गया। इस व्यवस्था बैठक की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास ने कहा कि पूर्व योजना पर आधारित व्यवस्था के क्रियान्वयन की सफलता निश्चित एवं प्रशंसनीय होती है। सभी विभाग प्रमुख आचार्य बंधु- भगिनी द्वारा अपने दायित्व का चिंतन वह परिश्रम अत्यंत सराहनीय है।

फिर फायरिंग की आवाज से दहला पोडहा डीपाटोली गांव

भंडरा / लोहरदगा। भंडरा और सिसई थाना के सीमांत में स्थित पोडहा डीपाटोली गांव में विगत रात अपराधियों ने फायरिंग कर गांव में पुन: दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। सौ एकड़ से अधिक जमीन के विवाद को लेकर अबतक यहां दो लोगों को जान जा चुकी है। इस घटना को भी लोग जमीन विवाद से जोड़ कर देख रहे हैं। करीब पांच साल पहले गांव के सौ एकड़ से अधिक विवादित जमीन को लेकर गांव के लंगो पहान की हत्या हुई थी। इसके बाद समीप के गांव महुवाटोली के बीरबल उरांव की हत्या हुई थी। यही कारण है कि गोली की आवाज से गांव के लोग दहशत में हैं। विगत रात करीब दस बजे डीपाटोली में सुखदेव उरांव के घर के समीप अपराधियों ने चार गोलियां चलाई। सूत्रों के मुताबिक अपराधियों ने सुखदेव उरांव का दरवाजा भी खुलवाने का प्रयास किया। दरवाजा नहीं खुलने पर अपराधियों ने फायरिंग करते फरार हो गये। बताया जाता है कि अपराधी दो बाईक से आये थे। फायरिंग कर इनमें से एक बाईक सीमांत के गांव सिसई थाना क्षेत्र के महुवाटोली की ओर और दूसरा बाईक लठदाग की ओर चली गई। थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि घटना स्थल से चार खाली खोखा और पिस्टल का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस मामले के जांच पड़ताल में जुटी है। खबर लिखे जाने तक किसी ने शिकायत का आवेदन थाना में नहीं दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत मिलने पर केस दर्ज किया जायेगा।

बोलबा के मालसाड़ा में जंगली हाथियों ने चार घरों को किया ध्वस्त

बोलबा। प्रखंड के मालसाड़ा अंतर्गत लेटाबेडा जोगिया टोली में बीती रात जंगली हाथियों द्वारा 8-10 की झुंड में आकर जोसेफ डुंगडुंग का मकान को दो जगह दिवाल को ध्वस्त कर धान, चावल एवं आंगन में लगे राहड की खेती को बर्वाद कर दिया। वही अलविनुस बिलुंग के घर को पुरी तरह ध्वस्त कर धान, चावल,सकरकन्दा, घर में रखे अन्य सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। के अलावा अन्य दो घरों को भी तोड़ा। मौके पर समसेरा मुखिया सुरजन बडाईक व बिनोद बडाईक मालसाडा मुखिया पिडीत लोगों व घटना स्थल पर पहुंच कर जायजा लिया व जल्द वन विभाग से मुआवजा दिलाने की बात कह कर सबों के लिए आवेदन लिखा।साथ ही हाथी भगाने की प्राथमिक घरेलू उपचार को भी ग्रामीणों के बीच साझा किया इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि हाथी काफी दिनों के बाद आया हमलोग ठंड के कारण रात जगी नहीं कर रहे थे। परंतु एक बार फिर से हाथियों का आगमन से पहले जागने पर मजबूर कर दिया है उन्होंने वन विभाग से हाथी भगाने वाला टार्च,मशाल,तेल व अन्य संबंधित सामग्री की मांग की है।

एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय बानो में हुआ यू डायस प्रशिक्षण

बानो। एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय बानो में यूडायस का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रधान शिक्षक उपस्थित थे। प्रशिक्षण प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बिनीता टोप्पो बानो की अध्यक्षता में मनोज महतो एवम घनश्याम महतो के द्वारा शिक्षको को यू डायस का प्रशिक्षण दिया गया मौके पर स्मित कुमार सोनी, अंटोनी एक्का मणिशंकर कर्ण, मधूरा सुरीन, संध्या सिंह एवं सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

देवनदी पुलिया के समीप देर रात सड़क हादसे में घायल की सदर अस्पताल में हुई मौत

कोलेबिरा। कोलेबिरा देव नदी के समीप बीती रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 22 वर्षीय कालोटोली निवासी लालचंद महतो की सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार लालचंद किसी काम से आ रहा था इसी दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आकर घायल हो गया। इधर घायल अवस्था में पड़ा रहा जिस पर गश्ती पुलिस की नजर पड़ी जिन्होंने घायल को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा में भर्ती कराया जहां पर उसकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस द्वारा सदर अस्पताल सिमडेगा भेजा इधर सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में सिर एवं छाती में अत्यधिक चोट लगने की वजह से डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया।वही बताया गया कि मृतक कि 1 वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी इधर घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

टीबी मरीजों के इलाज के लिए की जा रही है पहल, जिला प्रशासन हर मोड़ पर कर रहा है सहयोग

टीबी मरीजों की सेवा करना सभी लोगों का दायित्व : डीसी

- बसिया प्रखंड अंतर्गत अंचल कार्यालय परिसर में उपायुक्त के हाथों 46 टीबी मरीजों के बीच पोषण किट का किया गया वितरण

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। उपायुक्त सुशांत गौरव के निदेर्शानुसार बसिया प्रखंड के अनुमंडल पदाधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारियों के पहल से प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निश्रय मित्र के सहयोग से बसिया के सभी उपचारित 46 टी बी मरीजों को पोषण किट सामग्री का मंगलवार को बसिया अंचल कार्यालय परिसर में उपायुक्त के हाथों वितरण किया गया। साथ ही सभी निक्षय मित्रों को उपायुक्त ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उपायुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि टीवी मरीजों की सेवा करना सभी लोगों का दायित्व है। उनके जरूरत की चीजों की मुहैया कराना सामाजिक परोपकार है। डीसी ने कहा कि टीवी मरीजों को प्रधानमंत्री निश्चय मित्र पोषण योजना का लाभ मिले इसके लिए उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर बीडीओ, सीओ सहित सभी पदाधिकारियों को निर्देशित कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले से टीवी उन्मूलन हो इस दिशा में जिला प्रशासन लगातार प्रयास कर रही है। प्रखंड के वरीय पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं समाज सेवियों ने टीबी मरीजों को लिया गोद, गोद लेने वाले व्यक्ति बने निक्षय मित्र गुमला जिले के बसिया प्रखंड मुख्यालय में आज प्रधानमंत्री टीवी मुक्त अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित कर टीबी रोगियों के बीच पोषण कीट सामग्री का वितरण किया गया। इस अभियान में प्रखंड के पदाधिकारियों कर्मचारियों और समाजसेवियों ने टीवी मरीज को गोद लेकर उनके इलाज व उनके स्वास्थ्य की उन्नति के लिए सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई। टीबी मरीजों को गोद लेने वाले व्यक्तियों को निक्षय मित्र की उपाधि दी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी बसिया ने भी 5 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण युक्त भोजन उपलब्ध कराने का नेक कार्य कर रहें है। जनभागीदारी से किसी भी असाध्य व मुश्किल काम को आसान किया जा सकता है, प्रखंड के अधिकारियों ने दिया मिशाल बसिया के एसडीओ संजय पीएम कुजूर प्रखंड विकास पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता थाना प्रभारी छोटु उरांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बसिया कॉलेज के प्राचार्य केदारनाथ दास सहित अनेक पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने टीम बनाक एक मिसाल पेश की है कि जनभागीदारी से किस तरह असाध्य व मुश्किल काम को आसान किया जा सकता है। उपायुक्त ने कहा कि बसिया की टीम ने पूरे राज्य के लिए एक मिशाल पेश किया है। कार्यक्रम में उपस्थित उपायुक्त सुशांत गौरव ने सभी लोगों को शुभकामनाएं व बधाई दी। उपायुक्त ने कहा कि बसिया की टीम ने पूरे राज्य के लिए एक मिशाल पेश किया है। उपायुक्त ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर 46 टीवी मरीजों को राहत सामग्रियों के साथ साथ पोषण कीट एवं कंबल का वितरण किया। मौके पर उन्होंने कहा कि यह एक बढ़िया संदेश देता है कि पदाधिकारी किस तरह आम नागरिकों के लिए मददगार हो सकते हैं और इस जानलेवा बीमारी से बचने के लिए आगे बढ़कर सहायता प्रदान कर सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि सरकार टीबी मरीजों के इलाज के लिए प्रति माह 500 रुपए पोषण आहार हेतु देती है, इसके अलावा टीबी के मरीजों का मुफ्त में इलाज एवं दवा भी दिया जाता है। ठीक हुए टीबी मरीजों का समय समय पर मॉनिटर करते हुए उनके वर्तमान स्थिति पर भी नजर रखी जाती है। अतः आवश्यक है जनता को जागरूक होने की।

एसडीओ बसिया ने की घोषणा

कार्यक्रम के दौरान एसडीओ बसिया संजय पीएम कुजूर ने घोषणा की कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन जल्द ही पालकोट एवं कामडार प्रखंड में भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के मार्गदर्शन से इस प्रकार के कार्यक्रम को धरातल पर लाना संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि बसिया अनुमंडल क्षेत्र में पड़ने वाले सभी प्रखंडों में इस प्रकार के कार्यक्रम जल्द ही प्रारंभ करते हुए टीबी मरीजों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

बसिया बीडीओ कर रहें हैं कई प्रकार की पहल

बसिया प्रखंड विकास पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि बसिया में वर्तमान में 46 उपचारित टीबी मरीज है जिनका सरकार द्वारा मुफ्त में इलाज किया जा रहा है। इन सभी मरीजों को पौष्टिक आहार भी मिले इसके तहत एक वॉट्सएप ग्रुप 'टीबी मरीजों को गोद ले' के नाम से बनाया गया, कुछ ही दिनों में 29 लोगों ने जिनमें से कुछ सरकारी पदाधिकारी/कर्मी एवं कुछ स्वयं सेवियों ने सभी टीबी मरीजों को गोद लिया है। 6 माह तक प्रति माह इन निक्षय मित्रों द्वारा टीबी मरीजों को पोषण किट दिया जाएगा। इस अवसर पर उपायुक्त के अलावा अनुमंडल पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर, बसिया बीडीओ, सीओ, जिला यक्षमा पदाधिकारी डॉ गणेश गणेश राम, डीपीएस उदय प्रताप ओहदार एसटीएलएस पवन कुमार, निश्चय डाटा एंट्री ऑपरेटर मुकेश कुमार सिंह, एसटीएस ए एक्का, एसटीएस अमित प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

टीबी चैंपियन भी कर रहें हैं मरीजों को जागरूक

टीबी विजेता महिला सदस्य ने कहा कि 2019में मुझे भी टीबी हुआ तब यह सुविधा नहीं मिल रही थी। सरकार द्वारा मुफ्त में इलाज, दवा एवं प्रति माह पांच सौ रुपए पौष्टिक आहार खरीदने के लिए प्राप्त होते थे। अब रोगमुक्त होने के बाद मैं टीबी रोगियों की मदद के लिए काम करती हूं।

उपायुक्त ने किया प्रखंड कार्यालय एवं निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण

बसिया के कार्यक्रम के पश्चात उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय परिसर एवं निमार्णाधीन इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान छोटी छोटी कमियों को देखते हुए उपायुक्त ने उसमें सुधार करने का निर्देश दिया। साथ ही आवश्यक मरम्मती एवं नए निर्माण कार्यों हेतु योजना बना कर प्रस्ताव की मांग की। उन्होंने पुराने भवनों की मरम्मती तथा रंगरोगन करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने 26 जनवरी से पुर्व इंडोर स्टेडियम के निर्माण कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसडीओ बसिया संजय पीएम कुजुर, बीडीओ बसिया , सीओ बसिया के अलावा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

होमगार्ड स्थापना दिवस के दिन होमगार्डो ने काला-बिल्ला लगाकर किया प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। होमगार्ड स्थापना दिवस के दिन झारखंड राज्य के होमगार्ड जवान अपनी दो सुत्री मांगो के समर्थन में एवं झारखंड सरकार के वादाखिलाफी के विरुद्ध काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी किया। जवानों ने बताया प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पुर्व माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सौहराई भवन हरमू मे संविदा संवाद के दौरान झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमण्डल के साथ वार्ता के दौरान कहा था कि उनकी सरकार बनने पर वे होमगार्ड जवानो को समान कार्य का समान वेतन का लाभ के साथ साथ सभी होमगार्ड जवानो कि ड्यूटी नियमित कर देंगे। परंतु जब मुख्यमंत्री ने अपने वादे के अनुरूप होमगार्ड जवान कि मांग पुरी नही किए तो विगत लगभग 2 वर्षो पुर्व झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले होमगार्ड जवान ने विधानसभा के समक्ष 35 दिनो तक धरना दिया था। इस धरना के दौरान झारखंड सरकार के प्रतिनिधि कि वार्ता झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि के साथ हुई थी। वार्ता के दौरान झारखंड सरकार के प्रतिनिधि ने दो माह मे मांग पुरी करने का आश्वासन दिया था` परंतु अब तक मांग पुरी नही कि गयी` जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं झारखंड उच्च न्यायालय ने होमगार्ड जवानो को समान कार्य का समान वेतन का लाभ देने का आदेश दिया है।

छात्र-छात्राओं के बीच लोकप्रिय रहे मॉडल विद्यालय के शिक्षक गौतम कुमार का निधन

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो के अंग्रेजी माध्यम के मॉडल स्कूल के विज्ञान के शिक्षक गौतम कुमार के निधन से सम्पूर्ण बेड़ो प्रखंड सहित शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अपने छात्र-छात्राओं के बीच काफी लोकप्रिय रहे गौतम कुमार का उनके निवास स्थल रांची के मंगल विहार तिरिल आश्रम न्यू बैंक कॉलोनी कोकर में मंगलवार को अपराह्न लगभग 3:00 बजे ब्रेन कैंसर की लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन जानकारी मिलते ही शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। गौतम कुमार बेड़ो के मॉडल स्कूल में साइंस के शिक्षक थे जो बच्चों में काफी लोकप्रिय थे। बच्चों को हमेशा प्रोत्साहित करते रहते थे। बेड़ो के पूर्व वे लापुंग के मॉडल विद्यालय में पदस्थापित थे। उन्होंने अपने पीछे अपने पिता गंगा प्रसाद साह, माता भारती देवी समेत अपने भाईयों क्रमशः मिथलेश कुमार,अवधेश प्रसाद, सुमन कुमार व रंजन कुमार समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को हरमू मुक्ति धाम में किया जाएगा। उनके निधन की खबर मिलते ही छात्र-छात्राओं की आंखों में आंसू छा गए। उनके निधन पर अजप्टा के प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र चौबे, प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय बेड़ो के प्राचार्य करम सिंह महतो, पूर्व प्राचार्य उमा चरण प्रसाद, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवशंकर कुमार, प्रभारी प्रधानाध्यापक भिनसेन्ट सोरेंग ,पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापिका उषा सिंह, बसंत कुमार सिंह, पारा शिक्षक अरुण कुमार साहू, सहायक शिक्षिका रेखा रानी, निर्मला मिंज, पूनम गुड़िया, राखी जयसवाल सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने उनके निधन पर शोक संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना किया। उधर दर्जनों छात्र छात्राओं ने भी अपनी संवेदनाएं प्रकट की है।

बांसजोर कोम्बाकेरा में झारखंड पार्टी की हुई बैठक दर्जनों लोगों ने कांग्रेस छोड़ झापा का थामा दामन

नवीन मेल संवाददाता

बांसजोर। प्रखंड के कोम्बाकेरा में झारखंड पार्टी की संगठन मजबूती को लेकर बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता युवा जिलाध्यक्ष सन्देश एक्का के द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने पार्टी की नीति सिद्धांत एवं संगठन की मजबूती को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की शादी और उनका इस क्षेत्र का संपूर्ण विकास के लिए झारखंड पार्टी पूर्व की तरह प्रतिबद्ध है और आने वाले दिनों में पार्टी जमीनी स्तर पर लगातार काम करते हुए जनमानस के जन भावनाओं का ख्याल रखते हुए कार्य करें। इधर पार्टी के नीति सिद्धांतों से प्रभावित होकर दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने झारखंड पार्टी का दामन थामा । इस मौके पर संदेश एक्का द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलवाई एवं पार्टी में उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा झारखंड पार्टी के नीति सिद्धांतों से प्रभावित होकर जितने लोगों ने पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया है वह कांग्रेस के नीति सिद्धांतों को जान चुके थे और कांग्रेस की झूठी राजनीति का मोह त्याग करते हुए झारखंड पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामना दी तथा पार्टी बढ़ाने में सभी कार्यकर्ताओं को बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए अपील किया। साथ ही उन्होंने ने कहा कि जनता की सेवा देता बनकर नहीं बल्कि बेटा बनकर करूंगा। इस दौरान पंचायत समिति का गठन किया जिसमें अध्यक्ष विक्रम कंडुलना, उपाध्यक्ष नंदू सिंह सचिव करमला देवी, उप सचिव कुलदीप बिलुंग, कोषाध्यक्ष वीणा देवी कार्यकारिणी सदस्य आदम लकड़ा सहित अन्य लोगों को बनाया गया।

बोलबा प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय अस्पताल में हुआ महिला बंध्याकरण कैंप

नवीन मेल संवाददाता

बोलबा। बोलबा प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय अस्पताल में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत महिला बंध्याकरण कैम्प का आयोजन किया गया। इस मौके पर बोलबा प्रखंड के विभिन्न पंचायत के गांव से सहिया साथियों द्वारा आए 25 महिलाओं को ज्योति संस्थान के द्वारा डॉक्टर मणिरत्नम के द्वारा बंध्याकरण का ऑपरेशन किया गया गया। इस मौके पर डॉ दिलीप कुमार मेहरा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर मणि रत्नम ज्योति फाउंडेशन डॉक्टर देबातोष भूटिया, डॉक्टर दानिश मोहम्मद दानिश, एमपीडब्ल्यू डॉन प्रभात, एमपीडब्ल्यू इरफान एक्का, विनय एक्का, बीपीएम रोबोट सुरीन, विजय बड़ाईक चिरंजीवी साह, विभिन्न गांवों से आए सहिया साथी एवं अन्य लोग मौजूद थे।

डीपीएस रांची का वार्षिक खेलकूद महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार कक्षावर्ग दिया गया जो निम्नवत है:-

कक्षा	बालक वर्ग	हाउस	बालिका वर्ग	हाउस
V	एल्विन सुजेश मिंज	सतलज	मान्या	गंगा
VI	एलेक्स तिर्की	झेलम	रिया तिकी	जमुना
VII	प्रिंस शालो शॉय	चेनाब	विदिशा ओराओं	सतलज
VIII	ओमकार श्रेयशा रूद्र साही	सतलज चेनाब	लिपिका सिंह	रावी
IX –X	राज तिर्की	सतलज	दीप शोवा कुजूर	झेलम
XI – XII	आयुष ओराओं	सतलज	शुभानसिह शेखर	जमुना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची के विद्यार्थियों ने सच्ची खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को वार्षिक खेलकूद महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली पब्लिक सोसाइटी, नई दिल्ली के चेयरमैन पद्म भूषण श्री वी. के. शुंगलू थे।इस अवसर पर श्रीमती प्रवीण माला हेमरोम (सेल यूनिट्स, रांची की सीजीएम (पी एंड ए) एवं प्रो वी.सी, डी.पी.एस. रांची) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कार्यक्रम की पारंपरिक शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गान की प्रस्तुति के साथ हुई। विद्यालय के प्राचार्य डॉ राम सिंह ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। उन्होंने गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। इस कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से क्क तक के विद्यार्थियों ने सच्ची खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओ में अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने गौरव का प्रतीक विद्यालय के झंडे को फहराया एवं इसके बाद सभी छह सदनों (सतलज, चेनाब, जमुना, झेलम, रावी और गंगा) के विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स ने शानदार कदमताल करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने खेलकूद के प्रति निष्ठा, सहयोग एवं खेल भावना से हिस्सा लेने की शपथ ली। इसके बाद मुख्य अतिथि ने मशाल जलाकर स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ किया। इसके बाद बैंड ने सुमधुर प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया ।इसके बाद कक्षा श्कसे कके विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न मनमोहक नृत्यों और योग की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को अभिभूत कर दिया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर, 3000 मीटर, 4100 रिले आदि का आयोजन किया गया। प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों ने भी रोचक खेलकूद प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। विजयी प्रतिभागियों को विशिष्ट अतिथियों द्वारा मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया।

1) अधिकतम अंक अर्जित करने वाला हाउस- झेलम (293 अंक) विजेता हाउस घोषित

2) सर्वश्रेष्ठ हाउस (मार्च पास्ट) - झेलम हाउस

3) सर्वश्रेष्ठ हाउस (मार्च पास्ट) प्राइमरी विंग - चेनाब हाउस

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद्म भूषण श्री वी.के.शुंगलू ने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को धैर्य एवं संकल्प की दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्य को पाने के लिए के लिए प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। श्रीमती प्रवीण माला हेमरोम (गेस्ट ऑफ हॉनर) ने भी बच्चों खेल प्रतियोगिताओं में सक्रियता से हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माननीय प्राचार्य डॉ राम सिंह ने कहा, खेल गतिविधियों से विद्यार्थियों में खेल भावना, समय प्रबंधन, प्रतियोगिता के साथ- साथ अनुशासन का भी विकास होता है। निः संदेह ये सारे विशिष्ट गुण उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। अतः विद्यालय के विद्यार्थियों को सदैव इस बात के लिए प्रेरित किया जाता है कि वे विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें। ये डी.पी.एस., राँची के विद्यार्थियों की उत्कृष्ट विशेषता है कि वे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाओं जैसे खेल - कूद प्रतियोगिताओं में भी अव्वल रहते हैं।

हाइवे बजाज मोटरसाइकिल शोरूम में नये मॉडल की दो बाइक का एसडीओ ने किया विमोचन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। बजाज मोटरसाईकिल शो रूम हाईवे बजाज में मंगलवार को बजाज मोटरसाईकिल की दो नई मॉडल की लांचिंग की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी महेन्द्र कुमार,जिला पंचायती राज पदाधिकारी शहजाद परवेज और कंपनी के एएसएम स्वाधीन मिश्रा ने नई मॉडल पी 150 की लांचिग की। मौके पर एसडीओ ने कहा कि बजाज कंपनी आये दिन नई नई मॉडल निकाल रही है। जिससे इस कंवनी के प्रति लोगों का रूझान बढ रहा है। उन्होंने कहा कि नई मॉडल की बाईक लोगों को पसंद आएगी। उन्होंने शोरूम संचालक को बधाई दी। डीपीआरओ परवेज ने कहा कि बाईक बिक्री करते समय ग्राहकों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे अवश्य जानकारी दें ताकि सड़क दुर्घटनाओ में कमी लाया जा सके। एरिया सेल्स मैनेजर मिश्रा ने बताया कि यह बाईक लोगो को खूब पसंद आ रही है। उन्होंने बाईक के गुणवताओ के बारे बताया। इससे पूर्व आगंतुकों का स्वागत शोरूम संचालक अतहर मुसैफ ने बुके देकर किया। मौके पर केक काटकर खुशी मनाई गई। मौके पर नवाजिश अफनान, दुर्योधनसिंह, बासिफ,कमरान, मोगान,दीपक, राकेश, अदनान, अनूज, अनमोल, जावेद, एनोस, कासिफ सहित कई लोग मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

गोदाम का निरीक्षण किया, टैक्स जमा करने का निर्देश

कोडरमा। नगर पंचायत कोडरमा क्षेत्रांतर्गत बाघीटांड, वार्ड सं. 2 में स्थित गोदाम का निरीक्षण कार्यालय नगर पंचायत कोडरमा के नगर प्रबंधक एवं पीएमयू सदस्य सूडा रांची के द्वारा किया गया। इस निरीक्षण के दौरान संबंधित गोदाम के धमेन्द्र कुमार, प्रबंधक को निर्देश दिया गया कि उक्त गोदाम का टैक्स निर्धारण कराकर दो दिनो के अंदर होल्डिंग टैक्स जमा करना सुनिश्चित करें। होल्डिंग टैक्स जमा नही करने की स्थिति में उक्त गोदाम को झारखंड नगर पालिका अधिनियम 2011 के तहत सील किया जायेगा तथा होल्डिंग टैक्स राशि की वसूली की जायेगी। इस तरह का जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा जिसमें होल्डिंग टैक्स तथा ट्रेड लाईसेन्स का जॉच किया जायेगा तथा होल्डिंग टैक्स या ट्रेड लाईसेन्स जमा नही पाये जाने पर उचित कार्रवाई की जायेगी। सम्पूर्ण जांच अभियान में नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड रांची के सुरज उरांव, प्रशिक्षु कार्यपालक पदाधिकारी, राजकुमार वर्मा, नगर प्रबंधक, हरि सोरेन, कनीय अभियंता, पीएमयू टीम के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे।

सीएचसी में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन

बरकट्ठा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला पदाधिकारी मैमूर सुल्तान शामिल थे। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने बताया कि राज्य में मलेरिया एवं अन्य वैक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय वैक्टर जनित नियंत्रण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। साथ ही कहा कि अपने घरो में सभी जगह साफ सफाई का पूर्ण ध्यान रखें और गंदगी नहीं फैलाएं ।कहा कि मलेरिया से बचाव के लिए मच्छर दानी का हमेशा प्रयोग करें। कार्यक्रम में बीपीएम रंजीत कुमार,लेखपाल भावेश कुमार, प्रकाश कुमार, समेत दर्जनों एएनएम व सहिया दीदी उपस्थित थे।

अहिबरण वंशज ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष नारायण वर्णवाल का किया स्वागत

झुमरीतिलैया। शहर के मोदी सेवा सदन में मंगलवार को अहिबरण वंशज मोदी वर्णवाल समाज की बैठक हुई। अध्यक्षता अध्यक्ष सूर्यदेव मोदी ने की। बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप मे कॉग्रेस जिला अध्यक्ष नारायण वर्णवाल उपस्थित थे। इसके बाद समाज की ओर से नवमनोनीत कांग्रेस कोडरमा जिला अध्यक्ष नारायण वर्णवाल को अंग वस्त्र देकर, माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। अध्यक्ष सूर्यदेव मोदी ने कहा कि यह मोदी वर्णवाल समाज के लिए बहुत ही खुशी की बात है। हमलोग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। जिला अध्यक्ष रामेश्वर मोदी ने कहा कि अहिबरण वंशज के द्वारा गरीबों और असहाय लोगों के बीच बहुत जल्द कंबल का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ बीएनपी वर्णवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवनारायण मोदी, युवा अध्यक्ष अजय वर्णवाल, निवर्तमान वार्ड पार्षद बालगोविंद मोदी, योगी सुषमा सुमन, योगी प्रदीप सुमन, मुरली कुमार, साहिल मोदी, वरुण मोदी, सकलदेव कुमार, दीप प्रकाश, चंदन वर्णवाल, विक्की कुमार, राहुल कुमार, दिलीप वर्णवाल, विकास कुमार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट में गौरियाकरमा की टीम बनी चैंपियन

बरही। सोमवार को प्रखंड मैदान में खेले गए मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में गौरियाकरमा पंचायत की टीम चैंपियन बनकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। जानकारी के अनुसार टूर्नामेंट में प्रखंड के 20 पंचायतो से मात्र 13 टीमों ने हिस्सा लिया। इस मैच में करसो, बेंदगी, दुलमहा, कोनरा, विजैया के नही पहुचने से क्रमशः खोड़ाहर, रसोईया धमना, करियातपुर, बसरिया और डपोक को वॉक ओवर का लाभ दिया गया। गौरियाकरमा की टीम बरही पश्चिमी को और कोल्हूआकला की टीम रसोईया धमना को हरा कर फाइनल में स्थान बनाया। जिसमें गौरियाकरमा की टीम ने कोल्हूआकला को 1-0 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। विजेता और उपविजेता टीम को प्रमुख मनोज रजक, बीडीओ सी आर इंदिवर, विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू, बीएसए संरक्षक अब्दुल मनान वारसी आदि ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मौके पर कई समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

विश्व मृदा दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बरही। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गौरियाकरमा के द्वारा सोमवार को विश्व मृदा दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विशेष कार्य अधिकारी डॉ विशाल नाथ पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। अध्यक्षीय भाषण में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के छात्राओ एवं संस्थान के वैज्ञानिको को संबोधित करते हुए श्री पांडेय ने कहा कि अगर खुद स्वस्थ्य रहना है तो मृदा दोहन और क्षरण को रोकना होगा। इसके लिए आवश्यकतानुसार ही खाद एव उर्वक का प्रयोग करनी होगी। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ मनोज चौधरी ने उर्वरकों के उचित उपयोग तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को विस्तार से बताया। मौके पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच डॉ प्रीति सिंह एवं डॉ दीपक कुमार गुप्ता के सहयोग से मृदा स्वस्थ्य संबंधित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

उपायुक्त ने की जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

सीसीएल सहित सभी एजेंसियों के क्षेत्र में कहीं पर भी अवैध खनन ना हो : माधवी मिश्रा

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। अवैध खनन के विरुद्ध हो रहे कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे ने खनन टास्क फोर्स की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में हुए कार्यों की समीक्षा की। अवैध खनिजों के परिवहन, अवैध मुहानों से हो रहे खनन आदि के विरुद्ध हो रहे कार्यों कि थानावार समीक्षा के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को नियमित रूप से जांच अभियान चलाने वह किसी भी तरह के अवैध खनन पर रोक लगाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने खास तौर पर बड़ी संख्या में साइकिल/मोटरसाइकिल से हो रहे कोयले के परिवहन के विरुद्ध योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने व साइकिल जब्त करने के उपरांत खनन

स्थल तक पहुंचकर संबंधित सभी लोगों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सीसीएल सहित सभी एजेंसियों के प्रतिनिधियों को उनके क्षेत्र में कहीं पर भी अवैध खनन ना होने देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके लिए उपायुक्त ने पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों, एंट्री-एग्जिट प्वाइंट की मॉनिटरिंग करने व अन्य उपबंध करने के संबंध में कई निर्देश दिए वही उपायुक्त ने सभी को नियमित रूप से अवैध मुहानों की पहचान कर उन्हें अच्छे तरीके से बंद करने का निर्देश दिया। अवैध रूप से हो रहे खनिजों के परिवहन संबंधित मामलों को लेकर उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। मौके पर उन्होंने नियमित रूप से जांच अभियान चलाकर अवैध खनिजों के परिवहन, ओवरलोडेड वाहनों आदि की जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अवैध रूप से हो रहे बालू के उठाव पर रोक लगाने के उद्देश्य से तैयार किए जा रहे डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट के तहत अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को उनके उनके क्षेत्रों में बालू घाटों से संबंधित स्थलों का निरीक्षण कर डीएसआर संबंधित प्रतिवेदन जल्द से जल्द जिला खनन कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने रेलवे के अधिकारियों को बिना परिवहन चालान के किसी भी तरह से खनिजों का परिवहन रेलवे साइडिंग से नहीं होने देने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे ईट भट्ठों , वन क्षेत्रों में अवैध खनन पर रोक लगाने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, जिला खनन पदाधिकारी, विभिन्न परियोजना के महाप्रबंधकों, अंचल अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

जलजमाव की समस्या को लेकर पंसस ने उठायी आवाज कहा- गंदगी के कारण ही डेंगू मरीजों की संख्या बढ़ी

बरही। प्रखंड के पश्चिमी पंचायत के अफीम कोठी, मल्लाह टोली, कलाली रोड आदि क्षेत्रों के विभिन्न स्थानों पर नालियों की पानी से जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। जिसमें कूड़े, कचरे के जमा होने से पूरा क्षेत्र दुर्गन्धित हो रहा है। इसे लेकर स्थानीय पंचायत समिति सदस्य जीतू ठाकुर ने समस्या के समाधान हेतु बीडीओ से अति शीघ्र नाली निर्माण करवाने की मांग किया है। उन्होंने बताया कि गंदगी के कारण उठाया टीवी, हैजा, डेंगू, मलेरिया इत्यादि जैसे गंभीर रोगों की संभावनाए बनी रहती है। उन्होंने यह भी बताया कि यही कारण है कि इस पंचायतने अफीम कोठी में टीबी और डेंगू मरीजों की संख्या अधिक है।

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में सड़क दुर्घटना में विष्णुगढ़ के छात्र की मौत

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ के मड़मो गांव निवासी छात्र देवचंद मिर्धा (15) पिता मंगर तुरी की मौत पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में सड़क दुर्घटना में हो गई। सोमवार की शाम को मृतक का शव पैतृक गांव पहुंचा। शव पहुंचते हीं परिजनों की करुण चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। बताया जाता है कि मृतक छात्र के चाचा ट्रक चालक हैं। कुछ दिन पूर्व उनके चाचा ट्रक लेकर घर आये थे। छात्र देवचंद भी अपने चाचा के साथ कुछ दिन साथ घूमने फिरने के इरादे से ट्रक पर सवार होकर चला गया। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में ट्रक रुकने पर वह पैदल हाइवे क्रॉस कर रहा था। इसी दौरान एक एसयूवी की चपेट में आने से गंभीर चोट लगने की वजह से उनकी मौत हो गई। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के उपरांत परिजनों को शव सुपुर्द कर दिया। शव पहुंचने की जानकारी पाकर मंगलवार को बगोदर के पूर्व विधायक नागेंद्र महतो कार्यकर्ताओं के साथ मृतक के घर पहुंचे और घटना पर दुःख जताते हुए परिजनों को सांत्वना दी। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि अजय मिर्धा, पंसस बहाराम हांसदा, सांसद प्रतिनिधि सुखदेव महतो, अरविंद कुमार, घनश्याम महतो, कैलाश महतो, अर्जुन महतो, रामानंद सिंह, मुकेश सिंह, विजय महतो, शनिचर सोरेन समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

बेड़ो कला उप स्वास्थ्य केंद्र में सास-बहू व पति सम्मेलन का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के बेड़ोकला उप स्वास्थ्य केंद्र में सास बहू व पति सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम एएनएम बबीता कुमारी की अध्यक्षता में की गई ।वहीं कार्यक्रम में बीटीटी नरोत्तम कुमार, प्रकाश पंडित,सहिया साथी उर्मिला देवी उपस्थित रहे। मौके पर बबीता कुमारी ने 'छोटा परिवार सुखी परिवार' के बारे में विस्तार पूर्वक बताया । साथ ही चार गांठ के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए उन्होंने कहा कि सही उम्र में शादी करना, शादी के 2 साल के बाद पहला बच्चा,दो बच्चे के बीच 3 साल का अंतराल, दो बच्चों के जन्म में अंतराल होना चाहिए। वही वक्ताओं ने मुख्य रूप से परिवार नियोजन विधियों के बारे में बताया । स्थाई विधि और अस्थाई विधि के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। स्थाई विधि में महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी के बारे में बताया गया तथा अस्थाई विधि में परिवार नियोजन का साधन सहिया द्वारा घर-घर जाकर लाभार्थी को दिया जा रहा है। बबीता कुमारी ने कॉपर टी के बारे व इंजेक्शन के बारे में भी बताया ताकि परिवार नियोजन सही तरीके से किया जा सके। इस कार्यक्रम में सहिया चिंता देवी, सोनी देवी, समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

अदाणी फाउंडेशन ने महुगाई कला में लगाया नि:शुल्क हेल्थ चेकअप कैंप

43 ग्रामीणों को नि:शुल्क दी गयी दवाइयां डॉक्टर ने दिये स्वास्थ्य संबंधी कई परामर्श

नवीन मेल संवाददाता

बड़कागांव(हजारीबाग)। गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन ने मंगलवार को महुगाई कला पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में नि:शुल्क हेल्थ चेक-अप कैंप का आयोजन किया। अपने सीएसआर (कॉपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) कार्यक्रम के तहत आयोजित इस कैंप में 43 ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस अवसर पर हजारीबाग के जेनरल फिजिशियन डॉ आरके रंजन के नेतृत्व में पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम ने ग्रामीणों को कई तरह की चिकित्सकीय सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की। सुबह 11:00 बजे से दिन भर चले इस कैंप में महिलाएं, ग्रामीण और बुजुर्गों के स्वास्थ्य की जांच की गयी। कैंप में कई महिलाएं भी अपने बच्चों के साथ आई हुई थीं। अदाणी

फाउंडेशन की ओर से लगाए गए इस मेडिकल चेक अप कैंप में ग्रामीणों ने खुद से आगे आकर अपने स्वास्थ संबंधी चीजों की जानकारी डॉक्टर को दी और उनसे आवश्यक परामर्श लिया। इस दौरान डॉक्टर ने ग्रामीणों के ब्लड प्रेशर, वजन, धड़कन और नब्ज की जांच की और उनके सामान्य शारीरिक फिटनेस की जानकारी ली। कई ग्रामीणों ने डॉक्टर से अपने आंखों की समस्याएं, तनाव, डायबिटीज, कमजोरी, बॉडी पेन, कफ, कोल्ड, फीवर, त्वचा संबंधित बीमारियां और बैक पेन आदि की शिकायत की। कैंप में डॉक्टर ने दवाओं के साथ सभी ग्रामीणों को आवश्यक सलाह देते हुए उनका अक्षरशः अनुपालन करने का निर्देश दिया। डॉक्टर ने यह भी कहा कि ठंड के मौसम में लोग अपने साथ-साथ बच्चों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सर्दी, खांसी और जुकाम जैसे तरह-तरह के वायरल और दूसरी बीमारियों से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है।

विशेष मतदाता परीक्षण शिविर में कुल 750 लोगों ने किया आवेदन

बरही। स्विप के तहत मंगलवार को लगाए गए विशेष शिविर में कुल 750 लोगों ने विभिन्न पत्रों के माध्यम से आवेदन किया। जानकारी देते हुए जेपीएस सांवना मांझी ने बताया कि मतदाता पुनरीक्षण का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत मतदाता सूची को आधार से जोड़ने, मतदाता सूची में त्रुटियों का सुधार, मृत और स्थानांतरित मतदाताओं का मतदाता सूची से नाम हटाना के साथ नए मतदाताओं को जोड़ने का काम किया जा रहा है । इसके तहत अनुमंडल अधिकारी के निर्देशानुसार मंगलवार को बूथ स्तर पर लगाए गए विशेष शिविर में 689 ने प्रपत्र 6, 35 ने प्रपत्र 6 और 26 लोगो ने प्रपत्र 8 के लिए आवेदन किया है।

विस की जर्जर सड़कों की मरम्मती को लेकर विधायक ने ग्रामीण विभाग को दिया पत्र

बरही। स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला ने मंगलवार को झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास (ग्रामीण कार्य मामले) विभाग के सचिव अजय कुमार सिंह से मुलाकात किया । उन्होंने सचिव से विधानसभा के विभिन्न जर्जर पत्रों की चर्चा करते हुए उसे प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत की एवं जीर्णोद्धार संबंधित अनुशंसा पत्र सौंपी । सौपे अनुशंसा पत्र के अनुसार 13 नए पथों के निर्माण और 10 पथों का जीर्णोद्धार की मांग की गई है । इसके साथ ही उन्होंने महराजगंज बाजार से खरौवां होते हुए रुपीन तक प्रधानमंत्री सड़क योजना से हो रहे निर्माण कार्य के गुणवंत्ता की भी जांच करने का मांग किया है । उन्होंने सचिव को बताया कि निर्माण कार्य में अनियमितता को लेकर पिछले कई दिनों से ग्रामीणों की उन्हें शिकायत मिली रही थी।

ट्रक-बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो भाइयों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ गोमियां रोड में गझंडी के पास मंगलवार को ट्रक तथा बाइक के बीच सीधी टक्कर में बाइकसवार दो युवकों की मौत हो गई। जिसमें एक बाइकसवार की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई जबकि बाइक पर सवार एक अन्य युवक के घायल होने के बाद इलाज के लिए विष्णुगढ़ सीएचसी ले जाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया। दोनों युवक आपस में ममेरे-फुफेरे भाई थे। मृतक की पहचान बगोदर थाना अंतर्गत अड़वारा पंचायत के लुकुइया गांव निवासी जागेश्वर महतो (26) पिता बुधन महतो तथा बगोदर के तिरला निवासी सुरेश कुमार पिता भीम महतो के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बाइक (जेएच11जेड 9374) से दोनों युवक किसी काम से विष्णुगढ़ होते हुए तेनुघाट जा रहे थे। इस दौरान गोमियां की ओर से कोयला लेकर आ रही ट्रक (जेएच02एएफ 3521) से बाइक की सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना का कारण घुमावदार मोड़ में वाहनों का तेज गति से परिचालन होना बताया जाता है। जानकारी मिलते ही विष्णुगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक, दुर्घटनाग्रस्त बाइक तथा मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा। जिसकी विष्णुगढ़ पहुंचने से पहले रास्ते में ही मौत हो गई। इधर, सूचना पाकर मृतक के परिजन विष्णुगढ़ सीएचसी पहुंचे। शव देखकर परिजनों की करुण चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। बगोदर विधायक बिनोद सिंह भी विष्णुगढ़ थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को आश्रितों के मुआवजा के लिए न्यायसंगत प्रक्रिया के बाबत आवश्यक निर्देश दिए।

महिला अधिकारी के नेतृत्व में पहली बार लगा सुदूरवर्ती क्षेत्र धोबघट में मतदाता जागरूकता शिविर

नवीन मेल संवाददाता

बरही। बीडीओ क्रिस्टीना रिचा इंदिवर के निर्देशन व अगुवाई में अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्र धोबघट जैसे दुर्गम और सुदूरवर्ती क्षेत्र में पहली बार प्रखंड की टीम पहुंचकर विशेष शिविर लगाने का काम किया। शिविर के माध्यम से स्वीप कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। जिसके तहत 44 मतदाताओं को जोड़ने हेतु प्रपत्र भरवाए गए। इसके साथ ही 10 लोगो को नरेगा के तहत जॉब कार्ड और 29 को समजिका सुरक्षा पेंशन के फॉर्म भरवाए गए। बीडीओ ने ग्रामीणों को

मताधिकार का महत्व बताते हुए मतदान के समय बिना किसी लोभ लालच के स्वेच्छा से गुप्त मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। शिविर सफल बनाने में पंचायत की मुखिया मूर्ति देवी, उनके पति रामचंद्र टुडू, वार्ड सदस्य सरस्वती देवी, जेपीएस सांवना मांझी, बीपीआरओ वसीम अकरम, रोजगार सेवक अनिल कुमार, शिबू विश्वकर्मा, बीएलओ जगदीश प्रसाद, कंप्यूटर ऑपरेटर प्रशांत कुमार, मोहन मिर्धा सहित वार्ड सदस्य ने भी सार्थक भूमिका निभाई।

सांसद जयंत सिन्हा ने गोला के बेटूलकलां गांव का किया दौरा, कहा -

बेटूलकलां के मंदिर में प्रतिबंधित मांस फेंके जाने से आहत हूं, दोषियों पर कार्रवाई करे प्रशासन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। पिछले दिनों गोला बेटूलकला पंचायत के बेटूलकलां गांव में असामाजिक तत्वों द्वारा हिंदुओं के पूजास्थल सहित आसपास के कुओं में प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा फेंका गया था। जिसपर पुलिस ने करवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसी घटना के आलोक में मंगलवार को हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने घटनास्थल का दौरा कर स्थानीय लोगों से मामले की जानकारी ली। मौके पर सांसद ने कहा कि गांव के कुंओं और मंदिर के निकट प्रतिबंधित मांस फेंककर असामाजिक तत्वों ने लोगों को परेशान करने का

कार्य किया। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों से पता चला कि उन्हें असामाजिक तत्वों द्वारा धमकी दी जा रही है। सांसद ने कहा कि मामले को लेकर मैंने एसपी पीयूष पांडे से बातचीत किया। कहा कि उन्होंने उन असामाजिक तत्वों के विरूद्ध जो गांव का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं कार्रवाई की मांग की है। जिसपर एसपी ने कार्रवाई की बात कही है।

बजरंग बली के मंदिर का होगा निर्माण : सांसद श्री सिन्हा ने बेटूलकलां गांव के दौरे के क्रम में कहा कि असामाजिक तत्वों ने प्रतिबंधित मांस फेंककर गांव को अशुद्ध कर दिया है। इसलिए हम सभी मिलकर गांव में नये बजरंग बली के मंदिर का निर्माण करवायेंगे। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, सांसद प्रतिनिधि प्रकाश मिश्रा, नारायण चंद्र भौमिक, मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी, विजय ओझा, बबलू साव, मोहन महतो, सूरज प्रसाद, प्रदीप कुशवाहा, प्रेम कुशवाहा, अशोक महतो सहित अन्य मौजूद थे।

बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने दिवंगत साथी को दी श्रद्धांजली

नवीन मेल संवाददाता

बरही। बार एसोसिएशन के द्वारा शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत साथी को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजली दी गई। सभा एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष कुमार ओझा की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। जिसमे बरही बार एसोसिएशन के कई अधिवक्ता शामिल हुए । विदित हों की बीते 3 दिसंबर को बार एसोसिएशन बरही के सीनियर अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद की आकस्मिक मृत्यु हो जाने से अधिवक्ता संघ मर्माहत है । दिवंगत आत्मा की शांति हेतु सोमवार को अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से मृतात्मा की शांति हेतु प्रार्थना किया। शोक सभा कोर्ट परिसर में आयोजित किया गया था। जिसमे अध्यक्ष सहित एसोसिएशन के सचिव अधिवक्ता राजकुमार प्रसाद, सौरभ सिन्हा, रामचंद्र साव, राजेंद्र कुमार राणा, रविशंकर, मणिलाल चौधरी, झारखंडी साहा, भारत भूषण, जगदीश नारायण, राजीव गुप्ता, राजेश चौधरी, अमित कुमार, विलास्ती रॉय, कुंजल साव, बैजनाथ प्रसाद, रौशन सिंह, मंजीत कुमार आदि उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

बीस सूत्री की बैठक 17 दिसम्बर को, बीडीओ ने दी जानकारी

किस्को/लोहरदगा। किस्को प्रखंड बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति की बैठक आगामी 17 दिसंबर को प्रखंड मुख्यालय के सभाकक्ष में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि किस्को प्रखंड क्षेत्र में सरकार की ओर से जनहित में उतारी गई विकास योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन हेतु आगामी 17 दिसंबर को रखी गई है। बीडीओ ने जानकारी देते हुए कहा कि समीक्षा बैठक में सभी विभागीय पदाधिकारी एवं किस्को प्रखंड बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों को उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने हेतु आह्वान किया गया है।

शरीर व आत्मा को नियंत्रित करने में योग सहायक होता है : निर्भय भारती

कुडू/लोहरदगा । गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय माराडिह में बुधवार को योग शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा नवम के ब्यूटी एंड वेलनेस की छात्राओं को पतंजलि योग समिति के प्रशिक्षक निर्भय भारती द्वारा योगाभ्यास कराया गया। साथ ही योग के बारे विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर योग प्रशिक्षक निर्भय भारती ने कहा कि शरीर व आत्मा को नियंत्रित करने में योग सहायक होता है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव और बीमारी दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग दिल को स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है। साथ ही शरीर व नसों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है। प्रति दिन आधे घंटे का योगाभ्यास शारीरिक, मानसिक और आध्यत्मिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन को बनाए रखने के साथ साथ आपके जीवन में बदलाव ला सकता है। इस दौरान विद्यार्थियों में योग पुस्तिका का भी वितरण किया गया ।मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधाध्यापक रमेश कुमार साहु, विद्यालय समिति के अध्यक्ष सत्यजीत भारती, व्यावसायिक प्रशिक्षक डॉली वर्मा आदि मौजूद थे।

लापरवाही के कारण हजारों लीटर पानी हो रहा है बर्बाद

बानो। बानो ऊपर चौक स्थित पानी टंकी में पानी भरने के क्रम में प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बह जाता है मिली जानकारी के अनुसार घर घर पानी सप्लाई के लिये ऊपर चौक स्थित पानी टँकी में देवनदी से मशीन द्वारा पानी फिल्टर हाउस से पानी टँकी में भरा जाता है। पानी टँकी में पानी सप्लाई में लगे कर्मचारियों के लापरवाही के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बह जाता है ।मिली जानकारी के अनुसार कार्य देख रहे कर्मी द्वारा पम्प खोल कर छोड़ दिया जाता है जिससे घण्टो पानी बहता रहता है।

महिला हिंसा के विरुद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सिमडेगा। सिमडेगा सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में मंगलवार को लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध अभियान के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जेएसएलपीएस सिमडेगा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर के प्रतिनिधि अंशु कुमार सिंह एवं प्रियंका कुमारी ने वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिला हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं को विस्तार से बताया। इसके अलावा महिला हिंसा के प्रकार, कारण और रोकथाम विषय पर भी जानकारी दिया गया। दूसरे क्रम में डालसा के अधिवक्ता प्रभात कुमार ने लोक न्यायालय द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे सेवाओं पर चर्चा करते हुए पोस एवं पोक्सो कानून के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोलेबिरा, बानो, ठेठईटांगर एवं पाकरटांड प्रखंड में कार्यरत क्लस्टर कोऑर्डिनेटर्स एवं जेंडर सीआरपी ने भाग लिया, जो कि पंचायत स्तर पर महिला क्लस्टर संगठन एवं ग्राम संगठन के साथ मिलकर क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उक्त जानकारी अभय कुमार, जेएसएलपीएस द्वारा दी गई।

कांग्रेस ने निकाली आठ किमी तक भारत जोड़ा पद यात्रा

देश के स्वतंत्र संस्था पर केंद्र सरकार कब्जा कर संस्था का कर रही है दुरुपयोग : राजेश ठाकुर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की के नेतृत्व में भारत जोडो पैदल यात्रा निकाली गई। पैदल यात्रा खूंटी टोली चौक से शुरू हुई। जो एनएच से जिला मुख्यालय होते हुए टुकुपानी स्कूल मैदान पहुंचे। भारत जोड़ा पैदल यात्रा लगभग 8 किमी तक गई। पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, भारत जोडो अभियान के प्रदेश संजोजक सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कला संस्कृति फिल्म विभाग के प्रदेश अध्यक्ष भानु प्रताप,पूर्व राज्य सभा सांसद प्रदीप बलमुचु, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाडी सहित हजारो कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम जनता शामिल हुए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने भारत जोड़ने की बात इस लिए कर रहे है क्योंकि आज देश की स्वतंत्र संस्था पर केंद्र सरकार ने अपना कब्जा कर दुरुपयोग करने की कोशिश कर रही है। सांसद तक को बोलने नही दिया जा रहा है। अगर कोई सांसद संसद में देश की बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई पर चर्चा, कॉपी किताब पर लगाने वाला टैक्स की चर्चा करना चाहे तो माईक बन्द कर दिया जाता है। देश की 90 प्रतिशत मीडिया पर केंद्र सरकार का दबाव है। यही कारण है कि मीडिया भी खुल कर अपनी बात नही लिख पा रहे है। ऐसे में भारत की जनता को इस ताना साही सरकार के खिलाफ हमे जन आंदोलन के लिए भारत जोडो अभियान के माध्यम से हम सीधे आपके संपर्क में आ कर आप से अपनी बात रखने का कार्य कर रहे है।

भाजपा सरकार देश में भय का माहौल बना रही है: सुबोधकांत

पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि आज देश मे भाजपा सरकार द्वारा भय का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कल तक हम एक दूसरे के साथ रह कर हर पर्व त्योहार मनाया करते थे। परंतु आज हम एक दूसरे को शक की निगाह से देख रहे है। इसी कारण कांग्रेस आज देश जोड़ने की बात हम करते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को एकजुट करने एवं लोगों को एक साथ लाने के लिए पदयात्रा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके तहत पुरे देश में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता सहित आम जन पदयात्रा कर रहे हैं।

सेन्हा में कांग्रेसियों ने प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी का पुतला दहन किया

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के द्वारा 24 राज्यो में 25 जिलाध्यक्ष की सूची जारी की है जिसमे एक भी जिलाध्यक्ष के पद पर अल्पसंख्यक समुदाय को जगह नही मिली है। इस बात से नाराज होकर सेन्हा प्रखंड के कॉंग्रेसियों ने विशुनपुर विधान सभा यूथ अध्यक्ष इमरान आजाद के नेतृत्व में सेन्हा प्रखंड अन्तर्गत छोटी मस्जिद के समीप झारखण्ड प्रदेश कॉंग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर व प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय का पुतला दहन किया। पुतला दहन से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने राजेश ठाकुर मुदार्बाद, अविनाश पाण्डेय होश में आओ का नारा लगाया। मौके पर इमरान आजाद ने कहा कि राज्य नेतृत्व के हित में अल्पसंख्यक समुदाय को राज्य के नेता अनदेखा करते हुए कॉंग्रेस पार्टी में अल्पसंख्यक मुक्त झारखण्ड बनाना चाहते हैं। जिस तरह से व्यक्तिगत स्वार्थ हित में निर्णय लेते हुए जिला अध्यक्ष का चुनाव किया गया वैसे में अल्पसंख्यक समुदाय का संगठन के कार्यकर्ता आहत हैं। एक तरफ राहुल गांधी नफरत छोड़ो भारत जोड़ो नारा के साथ कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम कर रहे हैं। तो दूसरे तरफ प्रदेश नेतृत्व में कॉंग्रेस को कमजोर करने के उद्देश्य से जातिगत स्वार्थ हित में कार्य कर रहे हैं।

अगले साल तक पूरे गुमला जिले को टीबी मुक्त कर दिया जायेगा : उपायुक्त

◆बसिया ने हमेशा इस तरह के तमाम अवसरों पर पूरे जिले को दिशा देने का काम किया है और आम लोगों के द्वारा टीबी मरीजों को अपने खर्च पर पोषाहार उपलब्ध कराने की यह पहल इसका एक अनुकरणीय उदाहरण है।

नवीन मेल संवाददाता

बसिया। अगले साल तक पूरे गुमला जिले को टीबी मुक्त कर लिया जाएगा। इसके लिए जन भागीदारी को मुख्य आधार बनाते हुए बसिया से इसकी शुरूआत कर दी गई है। इस आशय का संकल्प लेते हुए जिले के उपायुक्त सुशांत गौरव ने मंगलवार को बसिया में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया। इसके लिए प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित तत्संबंधी कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने जिस उत्साह के साथ टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार किट उपलब्ध कराने की पहल की है वह बहुत ही उत्साह वर्धक है। इसकी विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि बसिया ने हमेशा इस तरह के तमाम अवसरों पर पूरे जिले को दिशा देने का काम किया है और आम लोगों के द्वारा टीबी मरीजों को अपने खर्च पर पोषाहार उपलब्ध कराने की यह पहल इसका एक अनुकरणीय उदाहरण है। इस कार्यक्रम का पूरे जिले में विस्तार करने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता के लिए जनभागीदारी एक आवश्यक शर्त है और इस उत्साह के बल पर यह दावा किया जा सकता है कि एक वर्ष में न केवल पूरे जिले को टीबी मुक्त कर लिया जाएगा बल्कि जनभागीदारी व सामान्य प्रशासन के बीच के रिश्ते की इस पहल से जिले को एक नई मुकाम पर पहुंचाने का दावा किया जा सकेगा। ज्ञातव्य है आज बसिया में प्रखंड के सभी टीबी मरीजों को जनसहयोग से पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर यहां उपायुक्त के द्वारा सभी छियालीस टीबी मरीजों को पोषण किट व कंबल का वितरण करते हुए किट उपलब्ध करनेवाले समाज के विभिन्न वर्ग के गणमान्य नागरिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने का काम किया गया। कार्यक्रम में बसिया के अनुमंडल पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर, अंचलाधिकारी रविन्द्र पांडे, प्रखंड विकास पदाधिकारी रविन्द्र कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में आम ग्रामीणों की उपस्थिति दर्ज की गई।

सिमडेगा के बड़काडुइल में नाबालिग की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

बानो। बानो थाना क्षेत्र की बड़काडुइल पंचायत स्थित बिंगोड़ा डोंगीझरी नाला के समीप केउन्दटांड़ मेड़ के समीप पुलिस ने नाबालिग लड़की का शव बरामद किया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल,सिमडेगा भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि एक नाबालिग लड़की की हत्या कर शव को फेंक दिया गया था। जिसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई। ग्रामीणों ने सूचना थाना को दी।सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में किया।हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि लड़की के चेहरे पर कई जगह जख्म के निशान हैं।मामले की छानबीन की जा रही है।लड़की की पहचान जिलानी लोमगा के रूप में हुई ।

मतदाता सूची में डीलर नाम जोड़ने में दिखाएं गंभीरता : शंकर प्रसाद

किस्को/लोहरदगा। किस्को प्रखंड मुख्यालय के सभाकक्ष के विगत शनिवार को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में किस्को और पेशरार प्रखंड क्षेत्र के सभी डीलरों के साथ बैठक कर क्षेत्र में संचालित सभी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को अपने कार्यों के प्रति इमानदारी बलतने और कार्डधारकों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर राशन वितरण करने का निर्देश दिया गया। इधर बैठक में उपस्थित सभी डीलरों को निर्देश देते हुए एमओ शंकर प्रसाद ने कहा कि किस्को और पेशरार क्षेत्र के डीलर मतदाता सूची में नाम जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाने का विशेष कार्य करें ताकि छूटे हुए मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो सके। उन्होंने डीलरों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी दुकानदार अपने कार्यों के प्रति गंभीरता दिखाएं और जनता को उन्हें उनका हक अधिकार देने में अहम भूमिका निभाएं। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी, पंचायती राज पदाधिकारी महेश कुमार चौहान, पंचायत सचिव विवेक कुमार, डीलर शेख सादिक, नौशाद अहमद, जयवंत कुजूर, भरत प्रसाद, लतीफ अंसारी, सुदर्शन प्रसाद, नबीऊल हसन, ज्ञान प्रसाद, अवधेश साहु, सीमा देवी, कुलेश्वर साहु सहित अन्य जन वितरण प्रणाली दुकानदार मौजूद थे।

सेन्हा थाना पुलिस ने किया अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना पुलिस ने अवैध बालू लदा एक बिना नम्बर के ट्रैक्टर को जब्त किया है। अंचलाधिकारी विजय कुमार ने बताया कि बालू के अवैध खनन एवं परिवहन को लेकर गुप्त सूचना मिली थी की मेढो कोयल नदी से अवैध बालू दोहन हो रही है इसकी सूचना मिलने पर पुलिस कारवाई के दौरान ट्रैक्टर चालक बालू लोडेड ट्रैक्टर को लेकर भागने लगा तभी पुलिस पीछा कर सेन्हा बरवाटोली पथ पर धर दबोचा और थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। पु0आ0नि0 संतोष कुमार ने बताया कि सीओ विजय कुमार के नेतृत्व में लगातार बालु परिवहन एवं खनन को लेकर करवाई किया जा रहा है। बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर का पकड़े गए ट्रैक्टर पर अग्रतर कारवाई हेतु जिला सहायक खनन पदाधिकारी एवं परिवहन पदाधिकारी लोहरदगा को अवगत कराया गया है। संबंधित विभाग के निदेर्शानुसार नियम संगत कारवाई किया जाएगा।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुसलमानों को ठगा : हाजी शकील

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 4 दिसंबर को अपने 24 जिला के अध्यक्षों घोषणा की जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश में 24 जिलों में एक भी मुसलमानों को जिला का अध्यक्ष नहीं बनाया। यह कांग्रेस का असल चेहरा को बेनकाब करता है यह कहना है हाजी शकील अहमद का जो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है। उन्होंने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा ने यह पहली बार साबित किया कि इस देश में मुसलमानों के समर्थन के बिना भी पूर्ण बहुमत की सरकार बन सकती है। इसके बाद से लगातार क्षेत्रीय और केंद्रीय पार्टी पार्टियों हिंदुत्व के एजेंडा पर काम कर हिंदू वोटर्स को लुभाने की कोशिश में लगी हुई है। हर राजनीतिक पार्टी मुसलमानों के मुद्दे पर खामोशी रहा जती है । देश के बड़ी आबादी वोटर्स को अपने करीब करने के प्रयासरत है। झारखंड जहां मुसलमानों की जनसंख्या 18 % से अधिक है और लगभग 50 लाख से अधिक मुसलमान रहते हैं जिसका प्रभाव 20 से अधिक विधानसभा के सीटों पर पड़ता है यह सारे वोटर्स आज तक झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के परंपरागत वोटर है। यह सरकार बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं झारखंड के बावजूद मौजूदा गठबंधन की सरकार मुसलमानों के मतों से ही सत्ता पर आई है पर 2019 में सरकार बनने के बाद अब तक केवल मुसलमानों के अहम मुद्दे जैसे शिक्षा, रोजगार, आरक्षण और सुरक्षा पर सरकार चुप्पी साधी हुई है। मॉब लिंचिंग कानून भी अब तक पारित नहीं हो पाया है। चुनाव से पहले मुसलमानों को भाजपा और हिंदुत्व का डर दिखाकर पूछ लेना और सत्ता आने के बाद फिर मुसलमानों को मुद्दों पर खामोश हो जाना यही अब यासत रह गई है।

नियोजनालय विभाग से संबंधित उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा आर. रॉनीटा ने नियोजनालय विभाग की समीक्षा बैठक की। उपायुक्त ने नियोजन कार्यालय अंतर्गत संचालित योजनाओं व कार्यों की विस्तुत समीक्षा की। उन्होंने जिले में रोजगार मेला आयोजन कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्देश दिया। अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा में माह फरवरी 2023 में रोजगार मेला आयोजन कराने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही रोजगार मेला को सफल बनाने को लेकर कार्य योजना तैयार कर अभी से ही जिले एवं प्रखण्ड में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। तथा अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवती को रोजगार से जोड़ने हेतु महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा उपस्थित थे।

अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कुरडेग पुलिस ने की कार्रवाई जावा महुआ किया नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। पुलिस अधिक्षक सिमडेगा के आदेशानुसार सिमडेगा पुलिस के द्वारा अबैध देशी शराब के खिलाफ अभियान चलाकर इस धंधे को पुरी तरह नष्ट किया जा रहा है इसी के तहत कुरडेग थाना प्रभारी मुन्ना रमानी के नेतृत्व में मंगलवार को कुरडेग थाना क्षेत्र के कदमटोली और खालीजोर गाँव में गुप्त सुचना के आधार पर अवैध देशी शराब के कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाई की गई ।थाना प्रभारी मुन्ना रमानी को गुप्त सुचना मिली कि थाना क्षेत्र के कदमटोली और खालीजोर गाँव में अबैध देशी शराब बनाई एवं बेची जा रही है सुचना के आलोक में पुलिस टीम ने छापेमारी कर मौके से अर्द्ध निर्मीत शराब , जावा महुआ , शराब को जहरीला बनाने के लिए उसमें प्रयुक्त नौसादर , युरिया , नमक , गुड़ और शराब बनाने के उपकरण को पुरी तरह से नष्ट कर दिया वहीं अबैध कारोबारियों को गाँव में पुलिस आने की भनक लग गई जिससे वे मौके से भागने में सफल रहे ।थाना प्रभारी मुन्ना रमानी ने बताया कि पुलिस की ओर से लगातार यह कार्यवाई की जा रही है इसी क्रम में बीती रात मिली गुप्त सुचना के आधार पर इस तरह के सामग्री को नष्ट किया गया है उन्होने कहा कि पुलिस अधिक्षक महोदय के आदेश पर लगातार इस तरह की छापेमारी अभियान जारी रहेगी और अबैध धंधेबाजों के खिलाफ लगातार पुलिस की सख्ती जारी रहेगी। छापेमारी टीम में मुख्य रूप से थाना प्रभारी मुन्ना रमानी , एसआई अजीत प्रकाश, जेएसआई शंकर सिंह एवं थाना के सशस्त्र बल उपस्थित रहे ।

ठेठईटांगर प्रखंड कार्यालय में कृषि विभाग द्वारा सरसों बीज का किया वितरण

ठेठईटांगर। ठेठाईटांगर प्रखंड में कृषि विभाग के तरफ से सरसों का बीज का वितरण किया गया जिसमें 53 लाभुकों को बीच विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू द्वारा बीज का वितरण किया गया मौके पर उन्होंने कहा सरकार भरपूर फसल खुशहाली के लिए किसान बंधुओं का ध्यान रख रहा है और उन्हें जब भी जरूरत पड़ता है ऐसे बीज 90% अनुदान 100% अनुदान में दे रहा है ताकि किसानों को खेती करने में कोई असुविधा ना हो। झारखंड के किसानों को समय पर धान की खेती करने के लिए उन्नत किस्म के बीज मिल सके इसके लिए राज्य सरकार द्वारा किसानों को अनुदानित दर पर बीज दिया जा रहा है. कृषि विभाग द्वारा चलायी जा रही इस योजना का लाभ किसानों को सही तरीके से मिल सके इसके लिए ब्लॉक चेन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. साथ ही सरसों फसल की बुआई के पहले बीज उपचार करना आवश्यक होता है।

अभाविप लोहरदगा नगर इकाई के द्वारा मनाया गया सामाजिक समरसता दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर हमेशा शिक्षा की शक्ति में विश्वास रखते थे : अभाविप

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लोहरदगा नगर इकाई में विभाग संयोजक अंकित कुमार के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई गई एवं विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर उपस्थित विद्या विकास उच्च विद्यालय एवं बाल विकास विद्यालय नवाडी पाड़ा के प्राचार्य रामविलास सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान के निमार्ता एक 'विश्व मानव' थे, जिन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी पुण्यतिथि पर, मैं डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को नमन करता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. अंबेडकर हमेशा शिक्षा की शक्ति में विश्वास करते थे। वही प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आदित्य साहू ने कहा कि बाबा साहेब ने सही अर्थों में देश में सामाजिक सुधारों की नींव रखी, लोगों को देश में सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए जो कि सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मौके पर पूर्व नगर उपाध्यक्ष जान्ह्वी कंचन गोयल ने कहा की बचपन से लेकर उन्होंने जो जाति विशेष के साथ छुआछूत और भेदभाव वाली स्थिति को देखा है उसे देखते हुए अंबेडकर जी काफी रोषित और क्षुब्ध हुए और उन्होंने इस परंपरा को हटाने का संकल्प लिया तथा समाज को एक सूत्र में बांधने का निर्णय लेकर हमारे संविधान निर्माता के रूप में अवतरित हुए। आज हमारे देश को एक ऐसा संविधान दिए जो सब उनके लिए समानता का अधिकार लिए हुए है। बचपन से संविधान निर्माता बनने तक के सफर का इन्होंने जानकारी दी।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आंजनेयुलू दोड्डे ने मंगलवार को समाहरणालय स्तिथ अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने हेतु अनुरोध किया। जनता दरबार में आये समस्याओं का अवलोकन करते हुए डीसी ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन पत्र अग्रसारित करते हुए 15 दिनों के भीतर निष्पादन करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में हैदरनगर के ग्राम सिंघना से आयी संध्या देवी ने जीवित कार्ड धारी को मृत बता कर कार्ड डिलीट करने के संबंध में शिकायत की। उन्होंने अपने राशन डीलर अशोक राम पर गलत ढंग से कार्ड डिलीट किये जाने की बात कही। इसी तरह चैनपुर के बोड़ी ग्राम के लोगों ने उपायुक्त के समक्ष फुदनीनगर प्राथमिक विद्यालय माह में सिर्फ दो दिन ही खोलने की शिकायत की। इसी तरह पांकी की सहायक शिक्षिका ने अपना स्थानांतरण के संबंध में उपायुक्त से अनुरोध किया। इसी तरह आज के जनता दरबार में मुख्य रूप से जमीन संबंधी,अवृद्धा पेंशन, अविकलांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास व म्यूटेशन से जुड़े आवेदन आये जिसे उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर 15 दिनों के भीतर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक संपन्न

पलामू जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में पूर्व से किये जा रहे कार्यों के प्रगति की समीक्षा की गयी। साथ ही इस बात पर विस्तार से चर्चा की गयी कि जिले के किन इलाकों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाएं हैं। जनप्रतिनिधियों द्वारा जो स्थल बताया गया उस पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में मेदिनीनगर शहर के शाहपुर किला को विकसित करने को लेकर पर्यटन विभाग को प्रस्ताव भेजने पर सहमति बनाया गया। बैठक में तय किया गया कि मलय डैम में विभिन्न तरह के वॉटर एक्टिविटीज प्रारंभ किया जायेगा, जिसमें मोटरबोटिंग भी शामिल है। इन कार्यों को विस्थापित लोग व स्थानीय समिति के माध्यम से संचालित किया जायेगा। इसी तरह भीम चूल्हा पर्यटन स्थल के रख-रखाव की देख-रेख करने हेतु संचालन समिति के गठन करने पर भी निर्णय लिया गया। साथ ही जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन परिषद के गठन हेतु भी निर्णय लिया गया। इसके अलावे विभिन्न प्रखंडों से विभिन्न जनप्रतिनिधियों की ओर से आये आवेदनों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जिले पर्यटन के विकास की असीम संभावना है। बैठक में उपायुक्त के अलावा प्रशिक्षु आईएएस,अपर समाहर्ता, विश्रामपुर व हुसैनाबाद के विधायक प्रतिनिधि, चतरा संसद के प्रतिनिधि, वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, भवन निर्माण के प्रतिनिधि, व अन्य उपस्थित थे।

पलामू में दो दिनों तक प्रवास करेंगे सीएम, तैयारी में जुटा प्रशासन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहली बार दो दिनों तक पलामू में प्रवास करेंगे। सीएम बनने के बाद हेमंत सोरेन पहली बार पलामू में मौजूद रहेंगे। सीएम आठ दिसंबर को गढ़वा में, जबकि नौ दिसंबर को पलामू में खतियान जोहार यात्रा में भाग लेंगे। गढ़वा के टाउन हॉल और पलामू के शिवाजी मैदान से खतियान जोहार यात्रा निकाली जायेगी। वहीं सीएम रात्रि प्रवास पलामू में करेंगे। सीएम के आगमन को लेकर जेएमएम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पूरे शहर को होर्डिंग और बैनर से सजाया जा रहा है। जेएमएम के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार सिन्हा ने बताया कि सीएम के आगमन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। सीएम खतियान जोहार यात्रा में भाग लेने पलामू पहुंच रहे हैं। यात्रा में विभिन्न दलों के कई बड़े नेता पार्टी में भी शामिल होंगे। खतियान जोहार यात्रा में सीएम के साथ-साथ कैबिनेट के कई मंत्री भी भाग लेंगे। पलामू में हजारों की संख्या में लोग सीएम की जोहार यात्रा में शामिल होंगे। गढ़वा में खतियान जोहार यात्रा में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री गुरुवार को पलामू में विभागीय समीक्षा भी करेंगे। इस दौरान मुख्य सचिव और डीजीपी भी मौजूद रहेंगे। सीएम की विभागीय समीक्षा में कई विभागों के सचिव के साथ-साथ पलामू जिला प्रशासन की पूरी टीम मौजूद रहेगी।

सदर अस्पताल में नवजात बच्चे की मौत

परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर अस्पताल आईसीयू वार्ड में मंगलवार को सुबह एक बच्चे की मौत के बाद परिजन हल्ला हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप था कि चिकित्सकों की लापरवाही के वजह से बच्चे की जान चली गई है। वही हल्ला हंगामा की खबर सुनकर शहर थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर हल्ला हंगामा कर रहे परिजनों को शांत कराया। जानकारी के अनुसार पलामू जिले के लालगढ़ बिहार निवाशी असरफी चौधरी की पुत्री का प्रशव पीड़ा था। वह अपना प्रसव कराने सदर अस्पताल पहुंची थी। जहाँ चिकित्सको के द्वारा बड़ा ऑपरेशन से बच्चा सही सलामत जन्म लिया। इसके बाद बच्चे को चिकित्सकों के सलाह पर आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। आईसीयू वार्ड में इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत होने के बाद परिजन हल्ला हंगामा करने लगे और इसके बाद चिकित्सकों पर मामला दर्ज कराने शहर थाना पहुंचे। मामला दर्ज भी हुआ परंतु परेशानी के कारण परिजन मामले को फिर से वापस ले लिए। वहीं बच्चे के मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। थाना परिसर में थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा के द्वारा परिजनों का आवेदन लेकर चिकित्सकों पर एफआईआर की तैयारी हो चुकी थी परंतु मृतक के परिजनों ने बच्चे का पोस्टमार्टम और ज्यादा तामझाम होने की वजह से मामला को वापस ले लिया। वहीं घटना के जानकारी मिलने पर डॉक्टर आरके रंजन भी थाना पहुंचे वहां उन्होंने परिजनों को आर्थिक मदद देने की बात कही। इसकी जानकारी अस्पताल अधीक्षक को भी दी गई उन्होंने भी मरीज के परिजनों को आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सीएम हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर

डीसी व एसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सीएम हेमंत सोरेन के आयोजित कार्यक्रम को देखते हुए डीसी रमेश घोलप और एसपी अंजनी कुमार झा ने गोविंद हाई स्कूल स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधि व्यवस्था से संबंधित जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान आने वाली भीड़ पर भी समीक्षा की और अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कार्यक्रम में किसी तरह की कोताही ना हो। उस का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सीएम के काफिले में शामिल वाहनों सुरक्षित स्थानों पर लगाने और यातायात में किसी तरह का व्यवधान न हो। इसको लेकर भी अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिया। साथ ही कार्यक्रम को लेकर बने मंच की व्यवस्था का भी जायजा लिया। सामुदायिक भवन के पास बन रहे प्रतिमा असल का भी निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने कहा कि सीएम के कार्यक्रम को लेकर विधि व्यवस्था के मद्देनजर अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया हूं। कार्यक्रम के दौरान यातायात नियमित रूप से संचालित हो। उसके लिए भी वाहनों को निर्धारित करने पर भी चर्चा की गई है।

उसके बाद भी सीने कल्याणपुर स्थित हेलीपैड पहुंचकर तैयारी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड पर विधि व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों से लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हेलीपैड पर सीएम के आगमन के बाद धूल नहीं उड़े। उसे देखते हुए पानी का छिड़काव करने का निर्देश नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को दिया। मौके पर एसपी अंजनी कुमार झा, एसडीओ राज महेश्वरम, सीओ मयंक भूषण एसडीपीओ अवध कुमार यादव, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार, पीएचडी विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार सिंह, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गोवंश हत्या के प्राथमिक अभियुक्त गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया (गढ़वा)। थाना क्षेत्र के रानीचेरी गांव निवासी इमामुद्दीन अंसारी उर्फ इमामुद्दीन मंसूरी को चिनिया पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया है। इसकी जानकारी देते हुए चिनिया थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने बताया कि चिनिया थाना कांड संख्या 51 /2022 धारा 290 /295 भादवी एवं 12 झारखंड गोवंश पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम 2005 के पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 के अप्राथमिकी अभियुक्त था। जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बताते चलें कि लगभग दो माह पूर्व थाना क्षेत्र के सेमराटाड़ में गोकशी का मामला आया था। जिसमे पूर्व में भी समिम अंसारी नामक एक व्यक्ति को जेल भेजा जा चुका है। वहीं उसी केस के गोवंश के प्राथमिक अभियुक्त इमामुद्दीन अंसारी उर्फ इमामुद्दीन मंसूरी को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया है।

दो दिन से मध्यान भोजन बंद, ग्रामीणों ने किया हंगामा

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर (गढ़वा)। उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय लकड़ी में दो दिन से मध्यान भोजन है बंद। वहीं शिक्षक 2 बजे ही विद्यालय बंद कर नदारत। ग्रामीणों ने किया हंगामा। ग्रामीण सावित्री देवी, चंदा देवी, चिंता देवी, शोभा देवी, माया देवी, लालती देवी, सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को कभी मध्यान भोजन मिलता है तो कभी नहीं मिलता है। बीते दो दिन से बच्चों को मध्यान भोजन नहीं मिल रहा है। विद्यालय भी 2 बजे ही बंद कर दिया जाता है। रशोईया सुनैना देवी एवं मीना कुंवर के द्वारा बच्चों के साथ मध्यान भोजन देने में उच्च- नीच जाती कहते हुए भेद भाव किया जाता है। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रम्भा देवी ने बताया कि प्रभारी प्रधानाध्यापक बनवारी राम के द्वारा विद्यालय में मनमानी किया जाता है। मेरे बिना सहमति के पैसा का निकासी कर अनुचित कार्य करते हैं। पैसा भी मेरे बिना साइन के निकासी करते हैं। मेरे द्वारा लाए गए सामग्री का राशि नहीं देते हैं। बीते दो दिन से गैस नहीं होने के वजह से मध्यान भोजन नहीं बन रहा है। जब हम प्रभारी प्रधानाध्यापक बनवारी राम से कुछ कहते हैं तो अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए, गली गलौज करते हैं। इसकी शिकायत हम 29 नवम्बर को ही बीआरसी में कर चुके हैं। वहीं सहायक शिक्षक धर्मदेव राउत ने कहा कि मध्यान भोजन बंद था। जिसके वजह से हम 2 बजे छूटी कर घर चले गए। प्रभारी प्रधानाध्यापक बनवारी राम से जानकारी लेने के लिए जब फोन लगाया गया तो मोबाइल स्विच ऑफ था।

क्या कहते है बीपीओ : इस संबंध में शिक्षा विभाग के बीपीओ रविन्द्र मेहता से पूछे जाने पर कहा कि हमको जानकारी नहीं था कि विद्यालय में मध्यान भोजन बंद है। और समय से पहले विद्यालय को बंद कर दिया जा रहा है।

स्कूल का जर्जर भवन बच्चो के लिए बना खतरा, शिक्षिका बोलीं कोई नहीं सुनता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए झारखंड सरकार के द्वारा कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं, ताकि बच्चों का उज्जवल भविष्य संवर सके। वही शहर के हमीदगंज में संचालित स्कूल की तस्वीर निराश करने वाली है। यहां तीन कमरे के एक भवन में दो-दो स्कूल चलाए जा रहे हैं। इसमें राजकीयकृत बालक मध्य विद्यालय और राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय शामिल है। दोनों स्कूलों में एक-एक प्रधानाध्यापिका हैं। इनके अलावा और कोई शिक्षक यहां पर पढ़ाने वाला नहीं है। स्कूल भवन इतना जर्जर है कि बच्चे कक्षा से बाहर बरामदे में दरी पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। राजकीयकृत बालक मध्य विद्यालय, हमीदगंज में पहली कक्षा में 7, दूसरी में 21, तीसरी में 15, चौथी में 14, पांचवीं में 19, छठी में 20, सातवीं में 23 और आठवीं में 12 बच्चों का नामांकन है। उचित जगह और शिक्षक के अभाव में सभी बच्चे एक साथ पढ़ाई करते हैं।

वहीं, राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय, हमीदगंज में पहली कक्षा में 7, दूसरी में 11, तीसरी में 14, चौथी में 6 और पांचवीं में 3 बच्चों का नामांकन हैं। इस विद्यालय का भवन 1972 में ही बनाया गया था। देखरेख के आभाव में भवन इतना जर्जर हो चुका है कि छत की सरिया बाहर निकल आयी है। आए दिन इसका मलवा गिरता रहता है। फर्श भी टूट रहा है। बैंच और डेस्क सालों से टूटे पड़े हैं। विद्यालय में एक भी शौचालय नहीं है। जिससे चारों तरफ गंदगी का अंबार है। राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नोसाबा खातून व राजकीय बालीका प्राथमिक विद्यालय विद्यालय में संसाधन का अभाव है। इस संबंध में कई बार विभाग को पत्र लिखा गया है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भवन इतना जर्जर है कि हमेशा खतरा बना रहता है। सबसे ज्यादा दिक्कत शौचालय की है। जिससे छात्र व छात्राओं के साथ-साथ हमें भी परेशानियों का समाना करना पड़ता। वहीं, पलामू जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि विद्यालय का निरीक्षण कर उचित कदम उठाया जायेगा।

आदिम जनजाति बहुल गांव में बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर प्रखंड कार्यालय का किया घेरा

सरकारी सुविधाओं को जिला प्रशासन ग्रामीणों तक पहुंचाने में हो रही है : कन्हाई सिंह

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड के आदिम जनजाति बहुल गांव में रहने वाले ग्रामीणों की मूलभूत जन समस्याओं को लेकर आदिम जनजाति संघर्ष समिति के बैनर तले मंगलवार को प्रखंड कार्यालय के घेराव किया गया। जिसका नेतृत्व प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह ने किया। पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर से प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों से आदिम जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों के परिवार के लोगों ने जुलूस निकालकर प्रखंड प्रशासन और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखने का आरोप लगाया। नगर भ्रमण के बाद प्रखंड कार्यालय परिसर पहुंचे आदिम जनजाति परिवार के लोगों ने जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के प्रति प्रखंड प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास किया। जहा इस दौरान

आदिम जनजाति परिवारों के विरोध प्रदर्शन को देख प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय मौके पर पहुंची और उन्होंने उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया। वह इस दौरान आदिम जाति संघर्ष समिति के तत्वधान में जिले के उपायुक्त के नाम मांग पत्र सौंपने का काम किया गया। जिसके तहत आदिम जनजाति बहुल गांव में रहने वाले ग्रामीणों के पेयजल की समस्या, बिजली की समस्या के साथ-साथ पेंशन की राशि में बढ़ोतरी समेत से पेंशन की भुगतानसमय पर करने की मांग, आवास की मांग समेत एक दर्जन मांगों पर मांग पत्र के माध्यम से ध्यान आकर्षित कराने का काम किया गया। जिसका बीडीओ ने त्वरित कार्रवाई का आश्वाशन दिया। मौके पर कन्हाई सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन सरकार की सभी मूलभूत सुविधाओं को आदिम जनजाति परिवारों तक पहुंचाने में पूरी तरह से विफल है जिसका परिणाम है कि आदिम जनजाति परिवार के लोगों को अपने हक अधिकार के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है और अपनी मांगों को लेकर इस तरह के आंदोलन करने पड़ रहे हैं। कार्यक्रम में आदिम जनजाति बहुल क्षेत्रों में शिक्षा की लचर व्यवस्था कि और भी प्रखंड विकास पदाधिकारी का ध्यान आकर्षित कराया गया जिस पर बीडीओ ने लोगों को आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से आदिम जनजाति बहुल क्षेत्रों का भ्रमण कर शिक्षा व्यवस्था सुधार लाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में कार्यक्रम में आदिम जनजाति परिवारों की कई लोगों ने भी अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को बारी-बारी से रखा जिसका निदान करने का आश्वासन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दी। इस दौरान मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स हेरेंज, धीरज कुमार, नीरज कुमार, मकल देव सिंह, सावित्री देवी, प्रतिमा देवी, बबीता देवी, सिकन्दर परहिया, सुरेंद्र कोरवा, महेश कोरवा, राजेश परहिया, सन्तोष परहिया, समेत काफी संख्या में कोरवा, परहिया समाज से जुड़े ग्रामीण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के आगमन की सारी तैयारी पूरी : धीरज

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। खतियानी जोहार यात्रा का गढ़वा में जबरदस्त आगाज होगा। इस यात्रा का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आठ दिसंबर को गढ़वा जिला से करेंगे। इसके लिए जिला मुख्यालय स्थित गोविंद उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित कार्यक्रम की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है।झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे यह जानकारी दी। जानकारी देते हुए श्री दुबे ने बताया कि गुरूवार को खतियानी जोहार यात्रा का शुभारंभ सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं महागठबंधन घटक दल द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1932 का खतियान, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण पारित होने एवं आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार की सफलता को देखते हुए आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को राज्य में आमजनों ने काफी सराहा है। साथ ही जमीन रजिस्ट्री के बाद म्यूटेशन की प्रक्रिया स्वतः प्रारंभ हो जाना राज्य की जनता के लिए बहुत ही सराहनीय कदम है। राज्य में आज कई योजनायें मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना, सुमो मोटो म्युटेशन प्रणाली प्रक्रिया का राज्यव्यापी शुभारंभ, सावित्री वाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, केसीसी, राशन कार्ड, बिरसा आवास, सोना-सोबरन, फुलो-झानो आदी कई योजनाओं का लाभ जनता को मिल रहा है।

न्यूज गैलरी

हनुमान मंदिर के पुजारी का निधन

मेदिनीनगर। स्थानीय रेड्मा चौक के पास स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी नारद शुक्ला का निधन हो गया।उनका आयु 90 वर्ष था। उनका शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। उनके बड़े पुत्र संत नारायणाचार्य स्वामी ने मुखाग्नि दिए।उनका दाह संस्कार जीएलए कालेज के पास टेड़वा नदी में किया गया।उनका दो पुत्र और तीन पुत्री है।इनका पैतृक आवास कांके कला पाटन में है लेकिन अभी बारालोटा जनकपुरी में रहते थे।

चोरों का आतंक सदर अस्पताल से अपाची बाइक की चोरी

मेदिनीनगर। सदर अस्पताल से मंगलवार को दोपहर एक अपाची बाइक जेएच 03 वाई 1037 की चोरी हो गयी। जानकारी के अनुसार पाटन थाना क्षेत्र के सिक्की कला गांव निवासी सुनील कुमार अपना पेट का इलाज कराने के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल पहुंचा था। सदर अस्पताल सुनील अपना वाहन पार्किंग में लगाया था। पार्किंग में बाइक लगाने के दौरान वह पार्किंग काटने वाले से 10 रुपये का टिकट भी लिया था। इसके बाद भी पार्किंग काटने वाला के द्वारा बाइक की जिम्मेवारी नहीं ली जा रही है। वही इस घटना की जानकारी मिलने पर टाइगर मोबाइल के जवान शिवा कुमार सदर अस्पताल पहुंचकर बाइक चोरी होने से संबंधित घटना की जानकारी ली। और भुक्तभोगी को शहर थाना में जाकर बाइक चोरी होने से संबंधित आवेदन देने को कहा।

मुख्यमंत्री के पलामू आगमन पर नावा बाजार में जेएमएम कार्यकर्ताओं ने की बैठक

मेदिनीनगर। झारखंड के मुख्यमंत्री का 9 दिसंबर को पलामू में आगमन को लेकर नावा बाजार जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को कार्यकताओं के साथ बैठक की। बैठक में राजेंद्र सोनी ने कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि आगामी 9 दिसंबर को मुख्यमंत्री के पलामू आगमन में नावा बाजार प्रखंड से जेएमएम कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनायें। साथ ही अपने क्षेत्र की गंभीर समस्या को शिष्टमंडल के साथ मुलाकात कर मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का प्रयास करें। ताकि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सके। मौके पर उपाध्यक्ष मारकंडेय सिंह ,सत्येंद्र यादव, आजम शाह सेराज अंसारी मोहम्मद यासीन खान ,पंचायत समिति सदस्य देवेंद्र सिंह, मोहम्मद खालिद ,शमशाद आलम , संजय सिंह, राजेन्द्र पासवान उपस्थित थे।

कांग्रेस ने मनायी बाबा साहेब की पुण्यतिथि

मेदिनीनगर। मंगलवार को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जयेश रंजन पाठक के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि मनाई गई। सर्वप्रथम कांग्रेसजनों ने बाबा के प्रतिमा पर फूल माला देकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया ।मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें दिल से सम्मान और आदर देने का एकमात्र तरीका यह है कि हम उनके बताये गये मार्गो और सिद्धांतो का पालन करे। उन्होंने भारत में फैले जाति, वर्ग और लिंग-भेद पर विचार किया तथा लोगों को अपने रंग, जाति और धर्म के भेदभाव के बावजूद स्वतंत्र रूप से जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने सभी को मिलकर प्रतिज्ञा करने की अपील किया कि सदैव उनके सिद्धांतों का पालन करेंगे। मौके पर प्रदेश प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण तिवारी, विनोद तिवारी ,शमीम अहमद राइन, ईश्वरी प्रसाद सिंह, तालकेश्वर पासवान , भिकारी राम, अजय साहू , राजेंद्र अग्रवाल ,नफीस खान, राजेश चौरसिया ,जितेंद्र कमलापुरी, साकेत सिंह, मुकेश सिंह दयाशंकर तिवारी ,शंकर पांडे, देवांग शुक्ला ,खुर्शीद आलम ,हर्ष साहनी, अनील सिंह, सौरव पाण्डे, उपस्थित थे।

वार्ड आयुक्त ने निजी खर्च से करवाया पानी स्टैंड का निर्माण

मेदिनीनगर। वार्ड संख्या 27 के वार्ड आयुक्त कमर यास्मीन ने अपने वार्ड में स्थानीय लोगों के लिए अपने निजी खर्च से सप्लाई पानी के लिए पानी स्टैंड का निर्माण करवाया। इसके साथ ही गौसिया मदरसा के पास बड़ा नाला के सफाई भी कराई गई।इस कार्य के निरीक्षण में भी वार्ड आयुक्त ने भूमिका निभाई।वही दर्जी पट्टी के पास हमीदिया स्कूल में सप्लाई पानी के लिए पानी स्टैंड निजी खर्च से बनवाया गया। उन्होंने बताया कि गोसिया मदरसा के पास सफाई कार्य निरंतर किया जा रहा है। वही बड़ा नाला की सफाई के उपरांत निगम से जेसीबी लगाकर गंदगी को हटाया गया है ।वही स्थानीय लोगों को सप्लाई पानी भरने में परेशानी होती थी,जिसे देखते हुए उन्होंने पानी स्टैंड बनाने का निर्णय लिया ताकि लोगो को पानी भरने में सहूलियत हो।

धनंजय त्रिपाठी ने किया कब्बड्डी टूर्नामेंट का शुभारंभ

मेदिनीनगर। स्थानीय जीएलए कॉलेज के परिसर में मंगलवार को धनंजय त्रिपाठी ने जिला स्तरीय कब्बड्डी टूनार्मेंट का शुभारंभ किया।मौके पर उन्होंने कहा कि कबड्डी का खेल शरीर को मजबूत और स्वस्थ बनाता है। लगातार कबड्डी कबड्डी बोलने से आपके फेफड़े अधिक मजबूत और स्वस्थ हो जाते हैं। इससे इंटरनल ऑर्गेन बेहतर तरीके से काम करने लगते हैं। दिल का स्वास?थ्य भी इससे बेहतर होता है।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय में स्काउट शिविर का आयोजन

महुआडांड़। नेतरहाट स्थित नेतरहाट आवासीय विद्यालय में द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए स्काउट एवं गाइड प्रथम सोपान का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। ज्ञातव्य हो कि नेतरहाट आवासीय विद्यालय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए स्काउट एक अनिवार्य शिक्षकेतर क्रियाकलाप है। तृतीय वर्ष के बाद छात्र एनसीसी के तीनो विगो में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं साथ ही साथ नेतरहाट आवासीय विद्यालय में शिक्षक प्रभारी के नेतृत्व में एक समाज सेवा मंडल भी कार्यरत है। इन विभिन्न गतिविधियों के द्वारा छात्रों में सेवा भावना भाईचारा सौहार्द जैसी भावनाओं को का विकास होता है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर नेतरहाट आवासीय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह, स्काउट प्रभारी प्रसाद पासवान, रवि प्रकाश सिंह, ओम प्रकाश, शिशुपाल महतो एवं गाइड कप्तान राधा कुमारी एवं निशी हेमरोम उपस्थित थे। शिविर उद्घाटन कार्यक्रम में सर्वप्रथम ध्वजारोहण कर ध्वज गीत गाया गया। प्रशिक्षु स्काउट छात्रों ने स्काउट ध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ संतोष कुमार सिंह का एवं सभी उपस्थित माननीय का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर के किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए रवि प्रकाश सिंह ने स्काउट के द्वारा चरित्र उत्थान एवं माननीय मूल्यों के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री पासवान ने छात्रों को राजस्थान में होने वाले जंबूरी के बारे में जानकारी दी।

सम्पादक की कलम से...

भ्रम और वास्तविकता

हिन्दू धर्म के अनुयायियों में गीता के प्रति अटूट श्रद्धा है, क्योंकि वह स्वयं भगवान के मुख से निकली हुई वाणी है। दूसरी ओर गीता के उपदेशों के प्रति अनभिज्ञता भी उतनी ही अधिक है। अनभिज्ञता की स्थिति तो इतनी विकट है कि सोशल मीडिया पर गीता के नाम पर कुछ भी उद्धरित किया जा रहा है और कहीं से भी किसी प्रकार के प्रतिवाद की आवाज सुनायी नहीं दे रही। गीता को ऐसे प्रचारित किया जा रहा है जैसे यह भी बाजार में मिलने वाली मोटिवेशनल किताबों जैसी ही है पर इतनी कठिन है कि समझ में नहीं आती। इन भ्रमों का निराकरण, गीता को समझने की पहली सीढ़ी हो सकता है। प्राचीन काल से ही एक भ्रम यह रहा है कि महाभारत घर में रखने से घर में लड़ाई-झगड़ा होता है और गीता उसका ही एक भाग है इसलिए गीता के लिए भी यह बात सही है। ऐसे भ्रम उन पोंगापंथियों ने फैलाये हैं जिनका निहित स्वार्थ ही आम लोगों को बेबकूफ बनाए रखकर अपना उल्लू सीधा करना था। भला वे क्यों चाहेंगे कि आम लोग जीवन जीने और चेतना को उन्नयन करने की कला सीख सकें? महाभारत केवल कथा नहीं है। उन कथाओं में धर्म और संस्कृति के जीवन मूल्य निहित हैं और भैया, हम लड़ाई-झगड़े में तो वैसे भी दिन-रात एक किये पड़े हैं, महाभारत रखें ही नहीं पढ़ें भी तो शायद इस लड़ाई-झगड़े को समाप्त करने का कोई रास्ता दिखायी दे जाये। गीता के बारे में सबसे बड़ा भ्रम बाजार में मिलने वाले गीता सार ने फैला दिया है। जो कहता है कि जो हुआ वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है वह भी अच्छा हो रहा है और जो होगा वह भी अच्छा होगा। तुम्हारा क्या गया जो तुम रोते हो? तुम क्या लाए थे जो खो दिया? तुमने जो लिया यहीं से लिया, जो दिया यहीं पर दिया। खाली हाथ आये थे खाली हाथ जाओगे। आप पूरी गीता पढ़ लीजिये। यह शब्द तो छोड़िए, इतना निराशापूर्ण भाव कहीं नहीं मिलेगा। शायद गीतासार के अज्ञात लेखक ने केवल अर्जुन के विषाद को ही गीता की शिक्षा मान लिया। अर्जुन भी तो इसी प्रकार अपना कर्तव्य युद्ध छोड़कर संसार से पलायन करके भिक्षा मांगकर जीवन-यापन की बात कर रहा था, पर इसके जवाब में भगवान ने अपने पहले श्लोक में ही अर्जुन इस प्रकार के विचारों के लिए डांटा और कहा कि हृदय की दुर्बलता को त्याग कर उठ कर खड़ा हो जा। कहा जाता है कि गीता तो बहुत कठिन है। इसे समझना आम आदमी के बस की बात नहीं है। वास्तविकता यह है कि प्राचीन ग्रंथों में गीता की संस्कृत सबसे सरल है। साधारण हिंदी जानने वाला भी दो-तीन बार पढ़कर गीता की संस्कृत समझने लगता है। फिर सभी भाषाओं में गीता के प्रमाणित अनुवाद भी उपलब्ध हैं। हां, यह सही है कि गीता का अर्थ आसानी से समझ में नहीं आता। इसका कारण है कि गीता उच्च आध्यात्मिक ग्रंथ है जो आपको जीवन के अनमोल रत्न प्रदान करती है। कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। आप साइकिल चलाना सीखना चाहते हो तो 4-5 दिन का प्रशिक्षण पर्याप्त होगा पर यदि स्पेश शटल उड़ाना हो तो पहले 10-15 वर्ष पढ़ाई करना पड़ेगी, 8-10 वर्ष कठोर प्रशिक्षण लेना पड़ेगा, कई परीक्षाएं उत्तीर्ण करना पड़ेंगीं तब जाकर उसे उड़ाने की योग्यता प्राप्त होगी। बिना धैर्य, लगन और मेहनत के कुछ नहीं मिलता फिर गीता जैसे समुद्र के रत्न किनारे पर बैठकर कैसे मिलेंगे? गहरे मे गोता लगाने की हिम्मत हो, धैर्य, लगन, परिश्रम और श्रद्धा हो तो गीता बहुत सरल है।

आज का इतिहास

1740 : मारिया थेरेसा ऑस्ट्रिया, हंगरी और बोहेमिया के शासक बने।
1774 : कलकत्ता (अब कोलकाता) भारत की राजधानी बनी।
1880 : एम्सटर्डम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।
1577 : गुरू रामदास ने अमृतसर नगर की स्थापना की।
1999 : सुकर्णो पूत्री मेघावती इंडोनेशिया की उप-राष्ट्रपति चुनी गयीं।
2005 : सामूहिक दुष्कर्म की शिकार पाकिस्तान की मुख्तारन माई को 'वूमेन ऑफ द इयर' चुना गया।
2012 : सायना नेहवाल ने डेनमार्क ओपन सुपर सीरीज खिताब जीता।
2012 : बॉलीवुड के रोमांस किंग कहे जाने वाले यश चोपड़ा का निधन हुआ।
2013 : कनाडा की संसद ने मलाला युसुफजई को कनाडा की नागरिकता प्रदान की।
2014 : प्रसिद्ध पैरालम्पिक धावक आस्कर पिस्टोरियोस को अपनी प्रेमिका रीवा स्टीनकेंप की हत्या के लिये पांच साल की कैद की सजा।
1568 : अकबर ने चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण किया।
1855 : गुजराती साहित्य के कथाकार, कवि, और चरित्र लेखक गोवर्धनराम माधवराम त्रिपाठी का जन्म।
1904 : चिली और बोलीविया ने शांति और मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किया।
1905 : रूस में 11 दिन तक चली ऐतिहासिक हड़ताल की शुरूआत हुई।
1920 : पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर राय का जन्म।
1930 : भारत में उच्च न्यायालय की प्रथम महिला न्यायाधीश लीला सेठ का जन्म।
1946 : वियतनाम की डेमोक्रेटिक रिपब्लिकन सरकार ने को वियतनाम महिला दिवस के रूप में घोषित किया।
1947 : अमेरिका और पाकिस्तान ने पहली बार राजनयिक संबंध स्थापित किये थे।
1962 : भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर युद्ध शुरू हुआ।

प्रकृति के साथ बढ़ता हमारा जीवन

> ऊर्जा के लिए हम जिन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करते हैं, उनमें जीवाश्म ईंधन, कोयला और लकड़ी शामिल हैं। यह दुनिया जानती है कि इन सभी का भंडार सीमित है और अगर हमने ऊर्जा के लिए इनका अंधाधुंध इस्तेमाल जारी रखा तो आने वाले समय में इनके भंडार समाप्त हो जायेंगे। अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि दुनिया के सभी देश नवीकरणीय ऊर्जा यानी सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, जैसे अक्षय ऊर्जा के उत्पादन और इस्तेमाल के लिए पहल करें। दरअसल, 'अक्षय ऊर्जा' ऊर्जा के उस स्वरूप को कहते हैं जो भावी पीढियों की ऊर्जा आवश्यकताओं से समझौता किये बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करती है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि हमारी जीवनशैली टिकाऊ होनी चाहिए। सवाल उठता है कि हम कैसे जान सकते हैं कि हमारी जीवनशैली टिकाऊ है या नहीं? अगर हम अपनी जीवनशैली की निरंतरता को बनाये रखने में कामयाब हो जाएं तो तभी हम उसके टिकाऊ होने का दावा कर सकते हैं। दरअसल, आज दुनिया को एक ऐसी जीवनशैली को अपनाने की जरूरत है जो प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग इस तरह से करे, ताकि उनकी उपलब्धता भावी पीढियों के लिए भी बनी रहे। पेयजल के माध्यम से इस बात को आसानी से समझा जा सकता है। अगर हम पेयजल का इस्तेमाल विवेक से करें और उसको कभी भी व्यर्थ न बहने दें तो आज भी दुनिया के कई इलाकों में पेयजल की जो कमी दिखती है, वह आसानी से दूर हो सकती है। ऊर्जा के लिए हम जिन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करते हैं, उनमें जीवाश्म ईंधन, कोयला और लकड़ी शामिल हैं। यह दुनिया जानती है कि इन सभी का भंडार सीमित है और अगर हमने ऊर्जा के लिए इनका अंधाधुंध इस्तेमाल जारी रखा तो आने वाले समय में इनके भंडार समाप्त हो जायेंगे। अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि दुनिया के सभी देश नवीकरणीय ऊर्जा यानी सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, जैसे अक्षय ऊर्जा के उत्पादन और इस्तेमाल के लिए पहल करें। दरअसल, 'अक्षय ऊर्जा' ऊर्जा के उस स्वरूप को कहते हैं जो भावी पीढियों की ऊर्जा आवश्यकताओं से समझौता किये बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करती है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों में अक्सर सभी नवीकरणीय स्रोत शामिल होते हैं, जैसे वनस्पति पदार्थ, सौर शक्ति, पवन शक्ति, भू-ऊष्मा शक्ति, तरंग शक्ति और ज्वार द्वारा उत्पन्न शक्ति। ऊर्जा अक्षयता की ओर अग्रसर होने के लिए न केवल ऊर्जा पूर्ति करने के तरीकों को बदलना होगा, बल्कि ऊर्जा के उपयोग के तरीकों को भी बदलना होगा और विभिन्न सेवाओं और वस्तुओं के लिए 'आवश्यक ऊर्जा' की मात्रा को भी घटाना अनिवार्य होगा। उदहारण के लिए भवन निर्माण करते समय इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा कि उसमें दिन में रोशनी के लिए बिजली का इस्तेमाल न करना पड़े। यों इसमें आमतौर पर ऊर्जा के प्रभाव को बढ़ाने वाली 'एलईडी' जैसी प्रौद्योगिकियां भी शामिल हैं। वर्तमान में वातानुकूलन के लिए भी हम जो रसायन इस्तेमाल में लाते हैं, उनसे भी प्रदूषण का दायरा बढ़ता है। जहां तक संभव हो, हमें ऐसे सभी कार्यों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए यथाशीघ्र वैकल्पिक उपाय खोजने होंगे। मोटे तौर पर किसी भी प्राकृतिक संसाधन का उपयोग करते समय हमें यह ध्यान रखना होगा कि उसकी मात्रा सीमित है और उसकी जरूरत कमोबेश दुनिया के सभी लोगों को है। खाद्य पदार्थ इसी श्रेणी में आते हैं। भोजन गरीब हो या अमीर, सभी को चाहिए। खेद की बात यह है कि अन्न को हम लोग बड़ी मात्रा में बर्बाद करते आए हैं, जबकि दुनिया भर में लाखों लोग भुखमरी के शिकार हैं। जरूरत इस बात की है सिर्फ संश्लेषित रसायनों के सहारे खेती की पैदावार बढ़ाने पर जोर न दिया जाए, बल्कि पैदा हुए कृषि उत्पादों के भंडारण, प्रसंस्करण और उसे इस्तेमाल करने के तौर-तरीकों में ऐसे बदलाव किये जाएं, ताकि विभिन्न स्तरों पर होने वाली अन्न की बर्बादी से पूरी तरह से बचा जा सके। हमें यह बात भी समझनी होगी कि संश्लेषित रसायनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही है। दरअसल, आज दुनिया को ऐसी प्रदूषण मुक्त प्रौद्योगिकियों की जरूरत है जो एक ओर हमारी जरूरतों को पूरा करती हों और दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम इस्तेमाल करती हों। जहां भी संभव हो, इस्तेमाल की गई सामग्री का पुनर्चक्रण करके उसे फिर से उपयोग किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर, अगर जल, जमीन और जंगल सहित धरती की प्राकृतिक क्षमताओं में कोई गिरावट नहीं होगी तो उससे हमें एक टिकाऊ जीवनशैली की तरफ तेजी से बढ़ने में मदद मिलेगी। सवाल उठता है कि क्या दुनिया इसके लिए तैयार है? सच्चाई यह है कि पर्यावरण से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर भी दुनिया दो हिस्सों में बंटी हुई है। कुछ देशों के लिए आज पर्यावरण एक अहम मुद्दा है, वहीं कुछ देश अपनी विकास की गति को बनाये रखने में अधिक दिलचस्पी रखते हैं।

■ सुभाष चंद्र लखेड़ा

एक खबर में सबकी कबर

एक पत्रकार ने नौकरी छोड़कर यूट्यूब चैनल शुरू कर दिया। तब एक यूजर ने पूछा, यदि पहले की तरह किसी ने इसे भी खरीद लिया तो कहाँ जाओगे? पहले दिन उस पत्रकार ने पूरा मन लगाकर काम किया। तब एक यूजर ने फिर से पूछा, आज तुमने कितनी खबरें दिखाईं? पत्रकार ने कहा कि मैंने तो सिर्फ एक खबर ही दिखाई। यूजर चौंककर बोला, क्या सिर्फ एक ही खबर। आम तौर पर भौंकू चैनलों पर काम करने वाले हर भौंकने वाले पत्रकार दस से पंद्रह खबर तो छींक मारकर दिखा देते हैं। अच्छा ये बताओं तुमने कौनसी खबर दिखाई? एक खबर में सबकी कबर। पत्रकार बोला। क्या! लेकिन तुमने यह कैसे किया? आश्चर्यजनक रूप से यूजर ने पूछा। पत्रकार ने कहा, एक यूजर ने कमेंट बॉक्स में लिख डाला कि दम है तो अपनी खबर से मुझे कबर तक पहुँचाओ। मैंने सबसे पहले दो हजार रुपए की नोट ली। उसे ऊपर से नीचे की ओर फेंक दिया। मैंने कहा इसे कहते हैं रुपए का गिरना। वह काफी प्रभावित हुआ। फिर मैंने कहा कि इसे मैं कहीं से भी ढूँढ़ सकता हूँ। मैंने अपने फोन में वाईफाई ऑन कर दो हजार के नोट में छिपे चिप से लिंक किया। गूगल मैप की तर्ज पर मुझे दो हजार रुपए का पता मिल गया। यूजर का होश उड़ता जा रहा था। मैं यहीं तक नहीं रुका। फिर मैंने कहा कि यह नोट गुलाबी है। गुलाबी रंग से प्यार बढ़ता है। इसलिए इस नोट को अपने जेब में संभाले रखना। प्रेम खर्च करने से जीवन में शांति के साथ-साथ बची-खुची खुशी भी चली जायेगी। इतना कहते ही यूजर ने अपना पर्स टटोला। उसमें रखी दो हजार की नोट गायब थी। मैंने उसे ढांढस बंधाते हुए कहा कि इसमें रोने जैसी कोई बात नहीं है। एक बार अपने फोन का मैसेज इनबॉक्स देख लो। उसमें संदेश आया होगा कि फलां केर फंड में दो हजार जमा करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपकी देशभक्ति वेरिफाइड हो चुकी है। यह पढ़कर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने साथ-साथ एक लाख फॉलोवर्स को मेरे यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइब करवाकर मेरा गुणगान कर रहा है। पहले यूजर ने कहा, वाह यह तो बड़े कमाल की बात है। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि बीस-पच्चीस ऐसे भी यूजर हैं जो बार-बार तुम्हारी हर प्रेजेंटेशन पर तारीफों के पुल बाँधते नजर आते हैं। वैसे ये हैं कौन? तब पत्रकार ने कहा, ये बड़े-बड़े न्यूज चैनलों के एंकर हैं, जो मेरा मसाला चुराकर अपने चैनलों पर लड़ने-झगड़ने की तड़कदार-भड़कदार रेसिपी बनाते हैं। अंदर की बात यह है कि बेवकूफ बनने वाले भी बेवकूफ बनाने का मसाला यहीं से ले जाते हैं। कुछ लोग मुझसे सवाल-जवबा तलब करते हुए इसी का प्रदर्शन करते हैं।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

कठिन समय, कठोर बातें

पिछले दिनों माननीय सर्वोच्च न्यायालय की एक खंडपीठ और केंद्रीय कानून मंत्री के बीच विचारों का आदान-प्रदान कुछ इस प्रकार हुआ (जैसा कि अखबारों में छपा है।) सर्वोच्च न्यायालयः केंद्र सरकार कालेजियम द्वारा अनुशंसित नामों को मंजूरी न देकर ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया को विफल कर रही है। कानून मंत्री : ऐसा तो बिल्कुल मत कहिये कि सरकार फाइलों पर बैठी है, अगर ऐसा है तो फाइलों को सरकार के पास भेजिये ही मत, खुद ही अपनी नियुक्ति कर लीजिए, चलाइये अपना कार्यक्रम। सर्वोच्च न्यायालयः वे हमें अधिकार दें। हमें कोई कठिनाई नहीं है जब कोई उच्च स्तर का व्यक्ति ऐसा कह रहा है कि हम खुद कर लें, तो हम खुद कर लेंगे, कोई कठिनाई नहीं है। मुझे यह कड़वी बात कहने में संकोच हो रहा है, पर हकीकत यह है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(2) और 217(1) की व्याख्या को लेकर सर्वोच्च न्यायालय और कार्यपालिका के बीच गहरे मतभेद हैं। मूल प्रावधानों के तहत, नियुक्ति की शक्ति केवल कार्यपालिका में निहित थी, जिसका वह सर्वोच्च न्यायालय और संबंधित उच्च न्यायालय से परामर्श करके इस्तेमाल करती थी। चालीस वर्षों तक यही प्रथा थी कि राज्य सरकार संबंधित उच्च न्यायालय से परामर्श करेगी और केंद्र सरकार को नामों की सिफारिश भेजेगी। केंद्र सरकार अनुच्छेद 217 में वर्णित प्रक्रिया का पालन करेगी और उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति करेगी। इसी तरह, केंद्र सरकार नामों का प्रस्ताव करेगी और अनुच्छेद 124 में वर्णित प्रक्रिया का पालन करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति करेगी। कार्यपालिका द्वारा कई विशिष्ट न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई; हालांकि कुछ खराब 'सेब' भी अदालतों की पेटी में जगह पा गये। **संविधान पलटा :** दूसरे (1993) और तीसरे न्यायाधीशों के मामले (1998) में न्यायिक व्याख्या द्वारा इस प्रथा को उलट दिया गया था। कालेजियम नामक एक नये तंत्र का आविष्कार किया गया। कालेजियम ने सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के लिए न्यायाधीशों के चयन की शक्ति अपने हाथ में ले ली। अब केंद्र सरकार सिफारिश को स्वीकार या फिर वापस कर सकती है। अगर सिफारिश को दुबारा भेजा जाता है, तो सरकार नियुक्ति करने को बाध्य है। ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि नई प्रक्रिया के तहत नियुक्त किये गये न्यायाधीशों की गुणवत्ता पहले चालीस वर्षों में नियुक्त किये गये न्यायाधीशों की गुणवत्ता से बेहतर रही है। कई प्रतिष्ठित न्यायाधीश नियुक्त किये गये, लेकिन कुछ खराब 'सेब' भी चुने और नियुक्त किये गये। 1993 के बाद से सत्ता में रही हर सरकार ने बदली हुई प्रक्रिया के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार किया है। हालांकि, नियुक्तियों को रोकना जैसे केंद्र सरकार का एक नियमित अभ्यास बन गया है। इसने कालेजियम द्वारा दोहराई गई सिफारिशों को भी रोक दिया है, जैसा कि दो माननीय न्यायाधीशों ने बताया, यह सर्वोच्च न्यायालय द्वारा घोषित कानून के विरुद्ध है। इसका नतीजा यह है कि उच्चतम न्यायालय में सात पद खाली हैं और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत 1108 पदों में से 381 पद खाली हैं (1 जुलाई, 2022 तक)। इससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि मेधावी वकीलों ने जज बनने के लिए विचार करने से मना कर दिया या महीनों तक नियुक्ति ठप रहने पर नाम वापस ले लिया। **स्थगित विचार :** न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में न्यायपालिका और कार्यपालिका को समान दायित्व देने के मकसद से संसद के एक अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का गठन किया गया था। उस कानून में कुछ खामियां थीं, जिन्हें आसानी से दूर किया जा सकता था, लेकिन किसी भी पक्ष ने इस दिशा में प्रयास नहीं किया। 16 अक्तूबर, 2015 को सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान (निन्यानबेवां संशोधन) अधिनियम, 2014 को रद्द कर दिया और इसके साथ ही राष्ट्रीय न्यायिक आयोग अधिनियम भी समाप्त हो गया। (हालांकि उस पर न्यायमूर्ति चेलमेश्वर की असहमति वाला फैसला भी उतना ही महत्त्वपूर्ण था, जितना बहुमत का फैसला)। अपने स्तंभ 1 नवंबर, 2015) में, मैंने उस फैसले की तीखी आलोचना की थी, लेकिन साथ ही एक नया कानून बनाने के लिए एक सामान्य आधार का सुझाव भी दिया था। कार्यपालिका के पक्ष में सबसे मजबूत तर्क यह है कि दुनिया के किसी भी अन्य देश में खुद न्यायाधीश, नये न्यायाधीशों का चयन नहीं करते हैं। संभावित न्यायाधीश के चरित्र और योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए कार्यपालिका ही सबसे अच्छी स्थिति में है।

■ पी. चिदंबरम

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्
अथ प्रथमोऽध्यायः

ब्रह्माजीके पुत्र महान तेजस्वी नारदजीको अपने आश्रम में आया देखकर मैं उठकर खड़ा हो गया और मैंने भलीभाँति उनकी पूजा आदि की ॥ 11 ॥

अर्घ्य तथा पाद्य आदिसे उनका विधिपूर्वक पूजन करके आदरपूर्वक आसनपर विराजमान उन अमित तेजस्वी नारदके समीप में बैठ गया ॥ 12 ॥

हे राजन! तत्पश्चात ज्ञानके पार पहुंचाने में समर्थ मुनि नारदको मार्गश्रमसे रहित तथा शान्तचित देखकर मैंने उनसे वही प्रश्न पूछा था, समय मुझसे पूछा है।॥ 13 ॥

[मैंने उनसे पूछा-] हे मुने! इस सारहीन जगत्में प्राणियोंको क्या सुख प्राप्त होता है? विचार करनेपर मुझे तो कभी भी, कहीं भी तथा कुछ भी सुख नहीं दिखायी देता है॥ 14 ॥

मुझे ही देखिये, एक द्वीपमें जन्म लेते ही मेरी माताने मेरा त्याग कर दिया। तभीसे आश्रयहीन रहता हुआ मैं वनमें अपने कर्मके अनुसार बढ़ने लगा ॥ 15 ॥

हे देवर्षे! तत्पश्चात मैंने पुत्रप्राप्तिकी कामना` एक पर्वतपर वर्षोंतक शंकरजीकी उपासना करते हुए कठोर तपस्या की ॥ 16 ॥

तब ज्ञानियोंमें श्रेष्ठ शुकदेव मुझे पुत्ररूपमें प्राप्त हुए। मैंने उन्हें आरम्भसे लेकर सम्यक प्रकारसे वेदोंका सारभूत तत्त्व पढ़ा दिया ॥ 17 ॥

हे साधो! आपके वचनोंसे ज्ञान प्राप्त करके मेरा वह पुत्र मुझ विरहातुरको रोता हुआ छोड़कर लोकलोकान्तरमें कहीं चला गया ? ॥ 18 ॥

तब पुत्रविरहसे सन्तप्त मैं महापर्वत सुमेरुको छोड़कर अपनी माताको मनमें याद करते हुए कुरुजांगल प्रदेशमें पहुँचा ॥ 19 ॥

संसार मिथ्या है - ऐसा जानते हुए भी मायापाशमें बँधा हुआ मैं पुत्र-स्नेहके कारण शोकाकुल रहनेसे अत्यन्त दुर्बल शरीरवाला हो गया ॥ 20 ॥

तत्पश्चात जब मैंने यह जाना वासवराजसुता` मेरी कल्याणमयी माताका राजा शन्तनुने वरण कर लिया है, तब मैं सरस्वतीके पवित्र तटपर आश्रम` बनाकर रहने लगा ॥ 21 ॥

इसके बाद महाराज शन्तनुके स्वर्ग प्राप्त कर लेनेपर मेरी माँ विधवा हो गयीं। तब भीष्मने दो पुत्रोंवाली मेरी माताका पालन किया ॥ 22 ॥

बुद्धिमान गंगापुत्र भीष्मने चित्रांगदको राजा बनाया। किंतु कुछ ही समयमें कामदेवके सदृश कान्तिमान मेरे भाई चित्रांगद भी मृत्युको प्राप्त हो गये ॥ 23 ॥

पुत्र चित्रांगदके मर जानेपर मेरी माता सत्यवती अत्यन्त दुःखित होकर रोने लगीं और नित्य शोकके समुद्रमें निमग्न रहने लगीं ॥ 24 ॥

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

फेरीवाले का बदलता समय

हम आजकल अपने मुहल्ले व शहर में अगर गौर करें,तो देखें कि पहले जो फेरी वाले पैदल या साइकिल पर अपना सामान बेचा करते थे। वह फेरीवाले अब बाइक या मोपेड पर अपना सामान बेच रहे हैं। इसे आधुनिकता का प्रभाव कहें या आर्थिक मजबूती ,लेकिन कुछ वर्षो में बदलाव तो आया है। पैदल घुमने वाले फेरीवाले दिन भर में जितना चक्कर लगाया करते थे,उसे कई गुना वे बाइक व मोपेड से चक्कर लगा लेते हैं। इस कार्य से उनकी आय में भी बढ़ोत्तरी होती है। साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। आज हम मछली, कपड़ा, बर्त्तन बेचनेवालों को बाइक व मोपेड पर समान बेचने वालों को आसानी से अपने मुहल्लों में देख सकते हैं। यह आधुनिकता का प्रभाव तो है ही । साथ ही आर्थिक सम्पन्नता को भी बतला रहा है। कभी मुहल्लों में यह फेरी वाले पैदल घुमा करते थे और थक कर किसी मकान के ओटे पर सुस्ताने के बाद आगे बढ़ा करते थे। उस समय उनकी स्थिति दयनीय हो जाती थी। अभी पर्व-त्योहार के समय में इन फेरीवालों की दिनभर में अच्छी खासी बिक्री हो जाया करती है। पर्व के मौसम में बाहर से भी आने वाले लोग फेरी करके अपना सामान बेचा करते हैं। यहां के कई ऐसे फेरी वाले हैं जो अपनी बाइक व मोपेड पर लगभग एक छोटी-मोटी दुकान साथ लेकर चलते हैं। यह एक ही मुहल्लों में वर्षो से आने के कारण काफी विश्वसनीय हैं। इनसे ग्राहक, जिनमें महिलाओं की संख्या ज्यादा है, बेझिझक खरीदारी करती हैं।

■ रूपेश कुमार, मेदिनीनगर।

शिक्षा के मंदिर से मां भारती की हत्या का षडयंत्र

विश्व गुरु की गरिमा प्राप्त राष्ट्र को धूल धूसित करने के प्रयासों में विदेशी ताकतों के साथ देश में रह रहे भितरघातियों की एक बडी जमात साथ दे रही है। जिस देश के नालंदा, तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना के साथ संसार को सर्वे भवन्तु सुखिनः की आशीष दी थी, उसी की राजधानी के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में राष्ट्र द्रोह की आग एक बार फिर से सुलगाई जा रही है। देश के टुकडे-टुकडे करने की मंशा वालों के साथ अनेक राजनैतिक दल, कथित समाज सेवियों की फौज और स्वयं भू बुध्दिजीविकी का तमगा लगाने वाले हर षडयंत्र में खडे हो जाते हैं। राष्ट्रवाद को सम्प्रदायवाद का नाम देकर देश भक्तों पर कुठाराघात करने का कुचक्र बामपंथियों की कलुषित मानसिकता से निरंतर चलाया जा रहा है जिसमें अनेक रंगे हुए सियारों की भीड़ भी शामिल है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पिछले सप्ताह जिस तरह का घटना क्रम देखने को मिला, उससे निकट भविष्य में किसी बड़े काण्ड की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। शिक्षा के मंदिर से मां भारती की हत्या का चल रहा षडयंत्र करने वाले अब भाई से ही भाई का कत्ल करवाने का लक्ष्य साध रहे हैं। उन्होंने धन पिपासुओं को सूचीबध्द कर लिया है, विलासता के चाहत रखने वालों का चिन्हित कर लिया है और स्वार्थ के शीर्ष पर बैठे लोगों को बना लिया है अपना गुलाम। यह सब कुछ देश की स्वाधीनता के बाद से सोची-समझी दूरगामी योजना के तहत ही चल रहा है। जिस तरह से अंग्रेजों ने अपने देश में पढने वाले चन्द भारतवासियों को कठपुतली बनाकर आजादी देने के पहले हमारी धरती पर नियुक्त किया था, उसी तरह से नियुक्त कठपुतलियों ने अपने आकाओं के इशारे पर आगामी 100 वर्षों की घातक योजना के क्रियान्वयन हेतु विष बीजों को रोपित भी कर दिया था। वही बीज अब वृक्ष बनकर बड़े हो चुके हैं। आम आवाम की लाशों पर शीशमहल खडा करने की चाहत रखने वालों ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर में स्थित इंटरनेशनल स्टडीज 01 तथा 02 के भवनों की दीवारों पर ब्राह्मणों तथा बनियों को देश छोड़ने की धमकी अंकित करके सौहार्द के वातावरण को वैमनुष्यता की दुर्गन्ध से प्रदूषित कर दिया है। लाल चेतावनी में एक संगठित ब्रिगेड के हमलावर होने की बात भी कही गई है। रक्तपात का डर भी दिखाया गया है। पीठ पर छुरा भौंपने की चीनी मानसिकता के साथ क्रूरता की चरमसीमा पर बैठे कट्टरपंथी सोच का समुच्चय तैयार किया जा रहा है। चीन की विस्तारवादी नीतियों को भारत में रोपित करके उसमें संकीर्ण सोच वाले कुछ धार्मिक राष्ट्रों की खाद डाली गई है। इस रोपावनी पर भितरघातियों की जमात निरंतर पानी डाल रही है। पर्दे के पीछे से लिखवाई गई जातिवादी लाल धमकी के जबाब में हिन्दू रक्षा दल ने खुलेआम कम्युनिस्ट को भारत छोड़ने की चेतावनी दी है। आश्चर्य होता है कि अतिसुरक्षित परिसर में खूनी धमकियां निरंतर लिखी जाती रहीं, सुरक्षाकर्मी डियूटी करते रहे, उत्तरदायी अधिकारी किन्हीं कारणों से अपनी नाक के नीचे फैलती दुर्गन्ध से अनजान बने रहे, शिक्षा देने वाले अपने अनुयायियों की गतिविधियों पर पर्दा डालते रहे, कुछ राजनैतिक दल खुलकर देश द्रोहियों के साथ खड़े रहे, इन सहयोगी दलों के कद्दावर नेता कानून विद् बनकर जांच तथा न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने रहे, संविधान में जानबूझ कर की गई कुछ लचीली व्यवस्थाओं का लाभ लेते रहे और कोसते रहे देश के मूल निवासियों की पारदर्शी प्रकृति को। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर शान्तिश्री ने घटना की निन्दा और जांच के आदेश जारी करके अपने कर्तव्यों की इति कर ली है। हर बार ऐसा ही होता रहा है। जांच करवाने की घोषणा हुई, दोषियों पर कडी कार्यवाही की बात कही गई, आरोपियों के पक्ष में सफेदपोशों की भीड़ खडी हो गई और देश को द्रोहियों की पहचान सहित उनके साथ हुई कार्यवाही की भनक तक नहीं लगी। अतीत में खुले आम हत्या करने वालों को भी साक्ष्य के अभाव में ससम्मान बरी होते देखा गया है।

■ डा. रवीन्द्र अरजरिया

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

अंडरराइटर कैसे बनें और क्या कौशल आवश्यक है

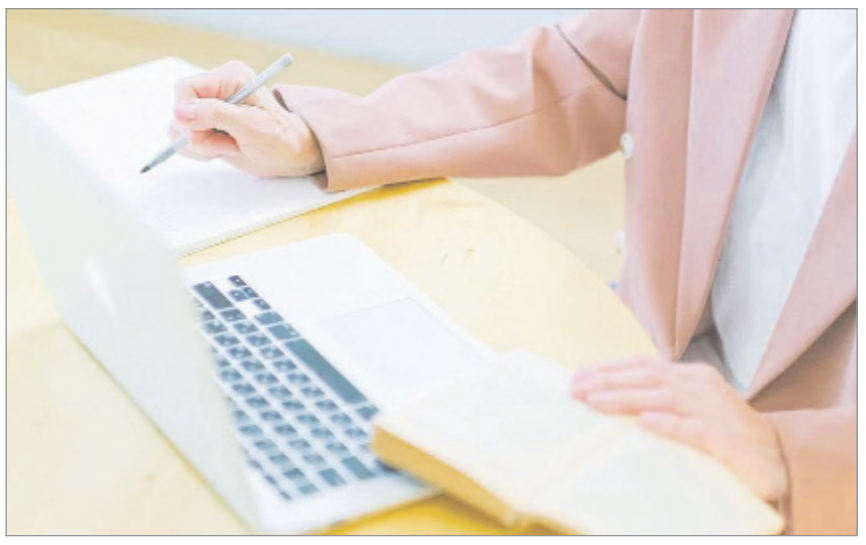

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है। अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है? : अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ़्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए । जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएं : यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है।

टॉप फार्मेसी कॉलेज की लिस्ट : नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

शिक्षा : एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिजनेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है।

एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

कौशल : शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

- **विश्लेषणात्मक कौशल**
- **संचार कौशल**
- **कंप्यूटर कौशल**
- **गणित कौशल**

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

- जे. पी. शुक्ला

बीए करने के बाद आपके पास टॉप कॅरियर विकल्प क्या हो सकते हैं और क्या करें

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। कला स्नातक (बीए) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अपनी मूल डिग्री के संकलन के बाद उन्हें किस कैरियर का अनुसरण करना चाहिए। क्या वे उच्च ऑनलाइन शिक्षा के लिए जाएंगे या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे या उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखना चाहिए? तो आईये जानते हैं कि बीए करने बाद आपके लिए करियर विकल्प क्या हो सकते हैं।

बीए के बाद करियर विकल्प : कैरियर के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने बीए क्षेत्र में रखा है जो पहले प्रौद्योगिकी में एक सर्वश्रेष्ठ और चयनात्मक करियर रहा है और जो आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने के साथ-साथ डिजाइनिंग, पत्रकारिता, मीडिया, सामग्री निर्माण या इससे भी अधिक रचनात्मक कार्य प्रोफाइल जहां कला स्नातक में स्नातक छात्र ने एक स्थान हासिल किया है। कला स्नातक तीन साल की बुनियादी डिग्री होती है जो कला से संबंधित विषयों जैसे उदार कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के सामान्य अध्ययन के साथ होती है। बीए की डिग्री में साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन, संचार, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, और अन्य कला जैसे विषय शामिल होते हैं। छात्र अपनी रुचि और करियर के लक्ष्यों के अनुसार डिग्री विषय का विकल्प चुन सकते हैं। बीए में अवसर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अवसरों की एक श्रृंखला है जिसे आप कला में स्नातक पूरा करने के बाद खोज सकते हैं।

सरकारी नौकरियां : कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। यदि कोई छात्र अपना करियर बनाने या जनता के लिए काम करने का इच्छुक है तो छात्रों के लिए सरकारी क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने के लिए यह सबसे अच्छा और सबसे रचनात्मक करियर विकल्प है। छात्र बीए के बाद क्लर्क से लेकर अधिकारी रैंक तक विभिन्न नौकरियों की तैयारी कर सकते हैं जैसे कि -

- यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग)
- एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग)
- सीडीएस (सिविल डिफेंस सर्विसेज)
- भारतीय रेलवे (आरआरबी परीक्षा)
- बैंकिंग परीक्षा
- भारतीय आयुध निमार्णी सेवा (आईओएफएस)
- भारतीय संचार वित्त सेवाएं (आईसीएफएस)
- भारतीय डाक सेवा (आईपीओएस)
- भारतीय रेलवे
- रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ)

बीए के बाद इन उपर्युक्त सरकारी परीक्षाओं का मूल वेतन INR 60,000-INR 80,000 प्रति माह है जो स्थिति और विशेष सरकारी परीक्षा पर निर्भर करता है।

मीडिया, पत्रकारिता और जनसंचार : पत्रकारिता और जनसंचार लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसने डिजिटल दुनिया के वर्तमान समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रकारिता एक विशाल क्षेत्र है जिसमें बड़े समाचार चैनलों के साथ सामग्री लिखने, पत्रिकाओं के लिए फीचर या यहां तक कि कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे एंकर के साथ काम करना शामिल है। मीडिया उन बहुतायत क्षेत्रों में से एक है जिसमें एक छात्र काम कर सकता है। पत्रकारिता कार्यक्रमों में बीए पूरा करने के बाद छात्र संचार में परास्नातक कर सकते हैं या एक निश्चित मीडिया विशेषज्ञता जैसे लेखन, टीवी पत्रकारिता, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, कॉर्पोरेट संचार, आदि में पीजी डिप्लोमा के लिए जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग : यह सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है जिसे आज के युवाओं द्वारा डिजिटल दुनिया में अपना करियर बनाने के लिए चुना जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उन छात्रों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर अपना स्टार्टअप, व्यवसाय या उद्यम, वेबसाइट, उत्पाद खोलना चाहते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं, लगभग अरबों से अधिक लोग माल और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह उनके डिजिटल-आधारित व्यवसाय को खोलने के लिए एक विशाल और आकर्षक क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग में नौकरी के अवसर-

- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर
- सोशल मीडिया मार्केटर
- सामग्री विपणक
- ईमेल मार्केटर
- डेटा विश्लेषक

डेटा साइंटिस्ट

एक गलत धारणा है कि साइंस स्ट्रीम का छात्र केवल डेटा साइंटिस्ट बनने के योग्य होता है। कला में स्नातक रखने वाला छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों या क्षेत्र में डेटा विज्ञान की दुनिया में कदम रख सकता है। डेटा साइंस संरचित या असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से सिस्टम, एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा को छोटा या एकत्र करने का क्षेत्र है। यदि किसी छात्र की कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर विकास, तकनीकी क्षेत्र में गहरी रुचि है तो वह इस विकल्प का चुनाव कर सकता है।

फार्मासिस्ट, म्यूजिक टीचर व लाइनमैन के पदों पर करें आवेदन वेतन 75 हजार से अधिक

केरल पब्लिक सर्विस कमीशन ने म्यूजिक टीचर, फार्मासिस्ट और लाइनमैन के लिए रिक्तियां निकाली हैं। जो भी योग्य अभ्यर्थी KPSC Recruitment 2022, में आवेदन करना चाहते हैं वो इसकी ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। यहां रिक्तियों की संख्या 60 है। आवेदन करने की आखिरी डेट 14 दिसम्बर है। आवेदन करने से संबंधित सारी डिटेल्स नीचे दी गयी हैं।

केरल पब्लिक सर्विस कमीशन ने म्यूजिक टीचर, फार्मासिस्ट और लाइनमैन के लिए रिक्तियां निकाली हैं। जो भी योग्य अभ्यर्थी KPSC Recruitment 2022 में आवेदन करना चाहते हैं वो इसकी ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। यहां रिक्तियों की संख्या 60 है। आवेदन करने की आखिरी डेट 14 दिसम्बर है। आवेदन करने से संबंधित सारी डिटेल्स नीचे दी गयी हैं। ऑफिशियल वेबसाइट है keralapsc.gov.in इस वेबसाइट के द्वारा आपको सारी जानकारी प्राप्त हो सकती है।

रिक्तियों की डिटेल : कुल रिक्तियां -60, आवेदन की अंतिम डेट - 14 दिसम्बर।

शैक्षिक योग्यता : म्यूजिक टीचर, लाइनमैन और फार्मासिस्ट के लिए आवेदन करने की शैक्षिक योग्यता ग्रेजुएशन रखी गयी है। बाकी की जानकारी के लिए ऑफिशियल वेबसाइट keralapsc.gov.in पर विजिट कर सकते हैं। इन लिंक पर क्लिक करके भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अन्य योग्यताएं : आवेदन करने वालो उम्मीदवार की आयु न्यूनतम 18 साल अधिकतम 40 साल होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

वेतन : इन पदों पर चयनित हुए उम्मीदवारों को वेतन के रूप में 26,500 रुपए से लेकर 75, 400 रुपए दिए जायेंगे।

दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया, क्या है डिटेल्स जानें

दिल्ली के सभी प्राइवेट स्कूलों की नर्सरी एडमिशन की डिटेल्स जारी होते ही अभिभावकों की परेशानी बढ़ गयी है। एडमिशन प्रोसेस क्या होगा, प्वाइंट सिस्टम क्या है जैसे बहुत से सवाल उनके मन में हैं। प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी क्लास के एडमिशन 1 दिसंबर से शुरू होंगे। 23 दिसम्बर फॉर्म सबमिट करने की आखिरी डेट है। दिल्ली सरकार ने सोमवार को इस बारे में गाइडलाइन जारी की।

दिल्ली के सभी प्राइवेट स्कूलों की नर्सरी एडमिशन की डिटेल्स जारी होते ही अभिभावकों की परेशानी बढ़ गयी है। एडमिशन प्रोसेस क्या होगा, प्वाइंट सिस्टम क्या है जैसे बहुत से सवाल उनके मन में हैं। प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी क्लास के एडमिशन 1 दिसंबर से शुरू होंगे। 23 दिसम्बर फॉर्म सबमिट करने की आखिरी डेट है। दिल्ली सरकार ने सोमवार को इस बारे में गाइडलाइन जारी की। इसके मुताबिक अभिभावक 23 दिसंबर तक नर्सरी, KG और क्लास 1 के लिए अपने मनपसंद स्कूलों के लिए फॉर्म भर सकेंगे। सभी स्कूल एडमिशन प्रोसेस और क्राइटेरिया शिक्षा विभाग की वेबसाइट (edudel.nic.in) और स्कूल की वेबसाइट पर अपलोड करेंगें। स्कूल पहली एडमिशन लिस्ट 20 जनवरी को जारी करेंगे। EWS/DG और PWD के लिए गाइडलाइंस बाद में आएंगी। नामांकन फॉर्म 1 दिसंबर से 23 दिसंबर तक भरे जा सकते हैं।

अभिभावक किन बातों का रखें ध्यान : सभी स्कूलों में सामान्य एडमिशन के अलावा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए ईडब्ल्यूएस और डिसएडवांटेज ग्रुप कोटे के तहत दाखिला दिया जाता है। आप जिस भी वर्ग से हैं, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग से हैं या डिसएडवांटेज ग्रुप से हैं उसी कैटेगरी में आपको अपने बच्चे के दाखिले के लिए प्रक्रिया शुरू करनी होगी। पैरेंट्स स्कूल की वेबसाइट्स से अपडेट ले सकते हैं। स्कूल एडमिशन की पहली लिस्ट 20 जनवरी को जारी करेंगे।

कब जारी होगी दूसरी लिस्ट : सभी स्कूलों को एडमिशन क्राइटेरिया 28 नवंबर तक वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। यदि कोई स्कूल 2 दिसंबर तक एडमिशन क्राइटेरिया अपलोड नहीं करता है तो उसका एडमिशन प्रोसेस रोक दिया जायेगा। 6 जनवरी को सभी स्कूल बच्चों की लिस्ट अपनी वेबसाइट पर अपलोड करेंगे और 13 जनवरी को 100 पॉइंट के तहत सभी बच्चों की मार्क्स की लिस्ट जारी की जाएगी। पहली लिस्ट 20 जनवरी को आएगी। यदि लिस्ट को लेकर पैरेन्ट्स में किसी तरह का डाउट या उलझन हो तो स्कूल प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं। किसी भी प्रकार के संदेह के लिए अभिभावक 8 - 14 जनवरी तक स्कूल से बात कर सकेंगे। दूसरी लिस्ट 6 फरवरी को जारी होगी। स्कूलों में सीटें खाली रहती हैं तो तीसरी एडमिशन लिस्ट 1 मार्च को निकालेंगे।

क्या होगी उम्र सीमा : प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी एडमिशन के लिए बच्चे की उम्र 3 से 4 साल तक होनी चाहिए। केजी के लिए उम्र सीमा 4 से 5 साल है इसके साथ ही पहली कक्षा में दाखिले के लिए उम्र सीमा 5 से 6 साल तक है।

क्या है पॉइंट सिस्टम : नर्सरी में एडमिशन की यह एक प्रक्रिया के लिए पॉइंट सिस्टम बनाया गया है। इसमें कुल 100 अंक होते हैं। नर्सरी में एडमिशन में के लिए प्रवेश परीक्षा नहीं होती है इसलिए पॉइंट सिस्टम अभिभावक और स्कूल दोनों के लिए ही फायदेमंद है। जैसे अगर स्कूल से बच्चे का घर पास है तो उसके पॉइंट ऐड होंगे। अथवा उसके कोई भाई-बहन उस स्कूल में पढ़ते हैं तो उसके पॉइंट मिलेंगे।

जरुरी डाक्यूमेंट्स : एडमिशन के लिए आपके पास आवश्यक डॉक्यूमेंट होने चाहिए। बच्चे का बर्थ सर्टिफिकेट अथवा आधार कार्ड माता-पिता का आधार कार्ड, कोई एड्रेस प्रूफ होना भी जरूरी है।

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं?

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं। फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जांच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स : फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12th में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स : एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी : इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी : योग्यता के आधार पर आपको शुरूआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार में लाभ मिलेगा और आय में वृद्धि के योग रहेंगे। रुका हुआ धन भी मिल सकता है। नए कार्यों में शीघ्रता से बचें।

वृष राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, काम की अधिकता रहेगी।

मिथुन राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक धनलाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क राशि : आज का दिन कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यभार की अधिकता से परिश्रम अधिक करना पड़ेगा और भागदौड़ भी रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में स्थितियां चुनौतीपूर्ण रह सकती हैं। नौकरी-व्यवस्था में उन्नति या वेतन वृद्धि का मामला टल सकता है।

कन्या राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार-धंधे में धन लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। सहकर्मियों का अच्छा सहयोग मिलेगा।

तुला राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा, लेकिन जिम्मेदारियां काम में रुकावट बन सकती हैं। काम की अधिकता से दिनभर भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम रहेगा, जिससे कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार-धंधे में लाभ रहेगा, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

धनु राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगी। कारोबार में धनलाभ के योग रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को स्थान परिवर्तन के साथ पदोन्नति का लाभ मिल सकता है, जिससे आय में वृद्धि होगी।

मकर राशि : आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आएगा। कारोबार में अच्छे लाभ की संभावना है। परिश्रम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्य आसानी से निपटेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन सहकर्मियों के साथ-साथ दोस्तों-परिजनों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। धैर्य और सूझबूझ से निर्णय लेने से सभी कार्य सफल होंगे। काम की अधिकता रहेगी।

मीन राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। आकस्मिक धनलाभ की संभावना है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। मित्रों और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

न्यूज गैलरी

दृष्टिबाधित आसिफ को बिना सहारे के 25 किमी दौड़ पूरी करने की उम्मीद

कोलकाता (एजेंसी)। दृष्टिबाधित मोहम्मद आसिफ इकबाल को उम्मीद है कि वह 18 दिसम्बर को होने वाली टाटा स्टील 25 किमी दौड़ को बिना किसी शारीरिक सहायता के पूरी करने में सफल रहेंगे। यह 46 वर्षीय धावक पिछले पांच वर्षों में कोलकाता में विभिन्न दौड़ में भाग ले चुका है और उन्हें लगता है कि अब बिना किसी शारीरिक मदद के 25 किमी दौड़ में भाग लेने का समय आ गया है। दौड़ के दौरान हालांकि उनके दो दोस्त भी उनके साथ रहेंगे। उनके पास एक वायरलेस स्पीकर होगा जो उनके कमर से बंधा होगा। इससे आसिफ को अपने साथियों की वास्तविक स्थिति का पता चल सकेगा। आसिफ ने कहा कि जब मैं 16 साल का था तब तक मेरी आंखों की रोशनी 50 प्रतिशत ही थी इसके बाद पूरी रोशनी चली गई। लेकिन इससे मुझे अपने लक्ष्य हासिल करने में बाधा नहीं आई। मैं पिछले पांच वर्षों से कोलकाता में विभिन्न दौड़ में हिस्सा ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं आंखों पर पट्टी बांधकर और बिना किसी शारीरिक मदद के दौड़ लगाऊंगा। मेरे साथी धावक ऑडियो के जरिए आसपास की स्थिति की जानकारी देंगे। इससे मुझे उनका अनुसरण करने और लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। उनका लक्ष्य चार घंटे के अंदर 25 किलोमीटर दौड़ पूरी करना है।

इंग्लैंड के दो खिलाड़ी आईसीसी के प्लेयर ऑफ मंथ के उम्मीदवारों की सूची में शामिल

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और आदिल राशिद को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नवम्बर 2022 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के उम्मीदवारों की सूची में शामिल किया है। आईसीसी द्वारा मंगलवार को जारी नवम्बर 22 के उम्दा खिलाड़ियों की सूची में बटलर और आदिल के अलावा पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीद शाह अफरीदी का नाम भी शामिल है। हाल ही में सम्पन्न टी-20 विश्व कप में जोस बटलर की शानदार कप्तानी की बदौलत इंग्लैंड को विजेता बनने का गौरव हासिल हुआ था, वहीं आदिल राशिद असरदार गेंदबाजी के लिये प्लेयर ऑफ द मंथ के उम्मीदवारों की सूची में शामिल हुए। विश्वकप जीतने से चूकने के बावजूद पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी ने अपनी खतरनाक स्विंग से बल्लेबाजों को खासा परेशान किया। आईसीसी महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ श्रेणी में, तीन सलामी बल्लेबाजों ने द्विपक्षीय क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद नवंबर पुरस्कार के लिए अपना दावा पेश किया।

हारिस राउफ की चोट के बाद पाकिस्तान टीम से जुड़ेंगे दो खिलाड़ी

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) दाएं पैर की जांघ में ग्रेड दो की चोट के कारण तेज गेंदबाज हारिस राउफ के मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर होने के बाद तेज गेंदबाजों मोहम्मद अब्बास और हसन अली को बाकी बचे दो टेस्ट के लिए पाकिस्तान की टीम से जोड़ने की तैयारी कर रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ रावलपिंडी में पहले टेस्ट के दौरान इस प्रारूप में पदार्पण करने वाले 29 साल के राउफ ने पहले दिन सपाट पिच पर 13 ओवर गेंदबाजी की और वह काफी महंगे साबित हुए। बाद में क्षेत्ररक्षण करते हुए वह चोटिल हो गए। राउफ ने इसके बाद मैच में दोबारा गेंदबाजी नहीं की। इंग्लैंड ने सोमवार को पहला टेस्ट 74 रन से जीता। पाकिस्तान टीम में अब सिर्फ तीन तेज गेंदबाज बचे हैं जिसमें से मोहम्मद वसीम जूनियर को टेस्ट पदार्पण का इंतजार है जबकि मोहम्मद अली ने भी पहले टेस्ट के दौरान पदार्पण किया।

रणजी ट्रॉफी में महिला अंपायरों को शामिल करने की तैयारी

बीसीसीआई का एक और बड़ा कदम : पहली बार किसी रणजी सत्र में महिला करेंगी अंपायरिंग

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) महिला क्रिकेटरों के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। वेतन समानता के बाद बोर्ड अब रणजी ट्रॉफी 2022-23 सत्र में महिला अंपायरों को शामिल करने की तैयारी में है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह पहली बार होगा जब किसी रणजी सत्र में महिला अंपायरिंग करेंगी। इससे पहले बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों को पुरुषों के समान मैच फीस और आईपीएल शुरू करने की घोषणा की थी। वृंदा राठी, जननी नारायणन और गायत्री वेंगोपालन रणजी ट्रॉफी 2022-23 सीजन में अंपायरिंग करने के लिए तैयार हैं। जब तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) ने अंपायर की भूमिका के लिए आवेदन आमंत्रित किए तो नारायणन ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी छोड़ दी। न्यूजीलैंड के अंपायर कैथी क्रॉस के साथ मौका मिलने से पहले राठी मुंबई मेडेंस के लिए स्कोरर थी, जिसने उन्हें अंपायर बनने के लिए प्रेरित किया। गायत्री क्रिकेटर नहीं बन सकीं, लेकिन बीसीसीआई के अंपायर की परीक्षा पास करने के बाद सेंटर स्क्वायर पर खेल को करीब से देखा। अब तीनों अंपायर रणजी सत्र में पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बीसीसीआई के अधिकारी ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, 'आगे बढ़ते हुए महिलाओं को रणजी ट्रॉफी खेल में अंपायरिंग करने का मौका मिलेगा। यह तो केवल एक शुरुआत है। बीसीसीआई ने उन्हें पुरुषों के खेल में भी मौका देने का फैसला किया है। बीसीसीआई इसे लेकर जल्द ही आधिकारिक घोषणा करेगा। गौर हो कि इससे पहले बीसीसीआई द्वारा पांच टीमों के साथ महिला आईपीएल के पहले सत्र के आयोजन की योजना पर जानकारी सामने आई थी जो मार्च 2023 में होने की उम्मीद है। महिला आईपीएल के शुरूआती सत्र में 22 मैच खेले जाएंगे। एक फ्रेंचाइजी में अधिकतम 18 खिलाड़ियों में से छह विदेशी खिलाड़ी होंगे जबकि एकादश में अधिकतम पांच विदेशी खिलाड़ी खेल सकेंगे। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक बोर्ड ने महिला आईपीएल के लिए 400 करोड़ रुपए आधार मूल्य चिह्नित किया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में तैयारियों को परखेगी हरमन ब्रिगेड

कोलकाता (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2023 से पहले कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम नौ दिसम्बर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में अपनी तैयारियों को परखेगी। वीमेन इन ब्लू की निगाहें आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप पर टिकी हैं, लेकिन पहले ऑस्ट्रेलिया का सामना करना होगा, जिसने भारत को 2020 के विश्व कप के फाइनल में हराया था। दोनों टीमें चैंपियनशिप और टी-20 सीरीज की प्रबल दावेदार हैं। पांच मैचों की टी-20 सीरीज नौ दिसंबर से शुरू हो रही है और यह दोनों टीमों के लिए एकदम सही तैयारी होगी, क्योंकि वे अगले साल की शुरूआत में होनेवाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के लिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगी। एशिया कप 2022 के दौरान स्टार स्पोर्ट्स के शो फॉलो द ब्लूज पर हरमनप्रीत ने कहा, मेरे लिए, सभी खिलाड़ियों को एक साथ रखना बहुत महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि सभी को अपने विचार साझा करने चाहिए और समान महत्व के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। मुझे पता है कि कुछ खिलाड़ी टीम के लिए अच्छा कर सकते हैं, लेकिन आपको अभी भी अपने अन्य खिलाड़ियों की जरूरत है जो टीम के साथ हैं जिनके साथ भी समान व्यवहार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी, कुछ खिलाड़ियों को ज्यादा तवज्जो की जरूरत होती है। इसलिए, एक कप्तान के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं बाहर जाऊं और उनसे बात करूं कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं और एक क्रिकेटर के रूप में वे कैसे सुधार कर सकते हैं।

आईपीएल की टीमों से है बीबीएल को खतरा

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) का 12वां संस्करण 13 दिसम्बर से शुरू होने जा रहा है और इस लीग का पहला मैच सिडनी थंडर और मेलबर्न स्टार्स के बीच खेला जाना है। वहीं, बीबीएल के नए सीजन के शुरूआत से पहले मैक्सवेल की इस लीग को लेकर एक बड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है, उनका मानना है कि इस लीग को भी इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टेकओवर कर लेगी। मैक्सवेल ने एक पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए कहा कि मैं चाहता हूं कि बीबीएल में स्थानीय ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को ज्यादा से ज्यादा मौके मिलना चाहिए, जिससे उन्हें एक्सपोजर मिल सके। हम देख रहे हैं कि दुनियाभर की लगभग सभी टी-20 लीग्स को आईपीएल फ्रेंचाइजी एक-एक करके टेक ओवर कर रही हैं। इसीलिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे स्थानीय प्लेयर्स को बीबीएल में ज्यादा मौके मिलें और इस खिलाड़ियों की अच्छी तरह से देखाभाल की जानी चाहिए।

दूसरा वनडे आज, श्रृंखला में बने रहने के लिए बड़े खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें

मीरपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय में बुधवार को यहां मैदान में उतरेगी तो इस करो या मरो के मैच में उसे बड़े खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। बांग्लादेश ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रृंखला के पहले मैच में आखिरी विकेट के लिए 50 से अधिक रनों की अटूट साझेदारी कर शानदार जीत दर्ज की। भारतीय गेंदबाज पुछल्ले बल्लेबाजों को आउट करने में विफल रहे, लेकिन टीम को उनसे ज्यादा निराश शीर्ष क्रम के दिग्गज बल्लेबाजों ने किया। भारतीय टीम ने पिछली बार 2015 में बांग्लादेश में द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी जब महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम तीन मैचों की श्रृंखला 1-2 से हार गई थी और एकमात्र जीत तीसरे मैच में मिली थी। स्पिनर शाकिब अल हसन और मेहदी हसन मिराज एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों पर 11 से 40 ओवर के बीच शिकंजा कसे रखते हैं तो शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में इतिहास खुद को दोहरा सकता है। इस दौरान लोकेश राहुल को छोड़कर सभी भारतीय बल्लेबाजों ने संघर्ष किया। राहुल ने 70 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली। वनडे विश्व कप में अभी भी 10 महीने बाकी हैं लेकिन यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि भारतीय टीम का दृष्टिकोण क्या होगा।

भारतीय टीम पिछले कुछ समय से बेखौफ होकर बल्लेबाजी करने की बात कर रही है, लेकिन इस योजना को कम मैचों मे ही आजमाया गया है। मीरपुर की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी नहीं थी, लेकिन यह इतनी बुरी भी नहीं थी कि इसमें सिर्फ 186 रन बनाये जाये। इस श्रृंखला के लिए शुभमन गिल और संजू सैमसन जैसे युवाओं को आराम देने का तत्कालीन चयन समिति का निर्णय चौंकाने वाला रहा है। चयनकर्ताओं के पूर्व अध्यक्ष चेतन शर्मा द्वारा दिया गया तर्क यह था कि न्यूजीलैंड दौरे के बाद इन खिलाड़ियों को विश्राम दिया गया है। भारतीय शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों के साथ मुख्य समस्या यह है कि वह शुरूआत में बहुत ज्यादा डॉट गेंद खेल रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने 42 ओवर की बल्लेबाजी में लगभग 25 ओवर डॉट गेंद खेली। बाकी के आठ ओवर को भी जोड़ दे तो टीम ने लगभग 200 गेंदों पर एक भी रन नहीं बनाया।

युवराज सिंह ने रोहित की कप्तानी की समीक्षा की

मुंबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने इस साल की शुरूआत में सभी प्रारूपों में भारत के कप्तान के रूप में पदभार संभाला था, लेकिन वह कुछ वर्षों से सफेद गेंद वाली टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं, समय-समय पर पूर्व कप्तान विराट कोहली के लिए खड़े रहे हैं। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में कई खिताब जीतने के बाद रोहित की कप्तानी की साख हमेशा ऊंची थी। बांग्लादेश के खिलाफ भारत श्रृंखला का पहला मैच बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद हार गया और जैसा कि नियम है, कई प्रशंसकों और पंडितों ने हार के लिए रोहित की कप्तानी की भी आलोचना की। हालांकि, पूर्व धमाकेदार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने रोहित शर्मा की कप्तानी पर अपना रिव्यू दिया है और उन्हें 10 में से 10 अंक दिए हैं। दरअसल एक स्पोर्ट्स वेबसाइट ने सोशल मीडिया पर लोगों से रोहित शर्मा की कप्तानी को रेट करने के लिए कहा गया था। इस पर युवराज सिंह ने रिप्लाई करते हुए 10 में से 10 लिखा।

ब्राजील से मिली हार के बाद दक्षिण कोरिया में बवाल, कोच को देना पड़ गया इस्तीफा

ब्राजिलिया (एजेंसी)। फीफा वर्ल्डकप 2022 के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया की टीम ब्राजील से हार गई है। दक्षिण कोरिया की हार के बाद टीम में बवाल मचा हुआ है। वहीं, टीम के कोच ने इस्तीफा दे दिया है। साउथ कोरिया के मैनेजर पाउलो बेंटो ने रिजाइन कर दिया है। दरअसल, फुटबॉल के कोच को मैनेजर कहा जाता है। हार की जिम्मेदारी लेते हुए साउथ कोरिया के मैनेजर ने पद छोड़ दिया है। फीफा वर्ल्डकप के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ब्राजील ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया है। मैच के 7वें मिनट में विनि जूनियर ने गोल दागकर ब्राजील को आगे कर दिया। इसके बाद 13वें मिनट में जूनियर नेमार ने गोल करके ब्राजील के लिए दूसरा गोल किया। इसके बाद रिचर्लिसन और लुकास ने भी टीम के लिए गोल किए। इस हार के बाद पुर्तगाल के रहनेवाले 53 साल के पाउलो बेंटो ने मैनेजर पद से इस्तीफा दे दिया है।

कौन हैं पाउलो बेंटो : मूल रूप से पुर्तगाल के रहनेवाले पाउलो बेंटो 2018 से साउथ कोरिया की टीम से जुड़े थे। हालांकि, पाउलो ने पद छोड़ने का कारण ब्राजील से मिली हार को नहीं बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने कतर आने से पहले ही पद छोड़ने के बारे में दक्षिण कोरिया फुटबॉल फेडरेशन को जानकारी दे दी थी। पाउलो ने कहा कि अब वे अपने भविष्य के बारे में सोचना चाहते हैं। मैनेजर ने कहा कि वे चार महीने पहले ही दक्षिण कोरिया का साथ छोड़ने का मन बना चुके थे।

36 मिनट में ब्राजील ने दागे चार गोल : ब्राजील की टीम अब पूरे रंग में दिख रही है। ब्राजील के खिलाड़ियों ने मैच के दौरान सिर्फ 36 मिनट में ही चार गोल दाग दिये। ऐसा ही कुछ 1954 में ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले के जमाने में हुआ था। यही कारण है कि ब्राजील की टीम ने जब साउथ कोरिया को हराया तो उन्होंने यह जीत महान फुटबॉलर पेले को समर्पित किया। वर्ल्डकप के नॉकआउट टूर्नामेंट 2014 के सेमीफाइनल के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब पहले ही हाफ में चार गोल दागे गये थे। तब भी मुकाबले में ब्राजील की टीम थी, लेकिन वह गोल जर्मनी ने ब्राजील के खिलाफ किया था।

फुल टाइम तक स्कोर था 1-1 , जीत के हीरो रहे क्रोएशिया के गोलकीपर डोमिनिक

पेनॉल्टी शूटआउट में जीता क्रोएशिया जापान को हरा क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

अल वकराह (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में प्री-क्वार्टर फाइनल का रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। पेनॉल्टी शूटआउट में क्रोएशिया ने जापान को 3-1 से हराया। फुल टाइम तक स्कोर 1-1 था। इसके बाद 30 मिनट के एक्स्ट्रा टाइम मिलने के बावजूद भी स्कोर लाइन में कोई चेंज नहीं आया। फुल टाइम के बाद पेनॉल्टी शूटआउट में क्रोएशिया जीता। जापान की ओर से डेजेन माइडा ने हाफ टाइम के ठीक पहले 43वें मिनट में गोल दाग। वहीं, क्रोएशिया के तरफ से 55वें मिनट में इवान पेरिसिच ने गोल किया। इसी के साथ जापान को प्री क्वार्टर फाइनल में हराने के बाद क्रोएशिया ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जापान ने पहली पेनॉल्टी ली, लेकिन उन्होंने चांस मिस कर दिया, दूसरी में भी ऐसा ही हुआ। क्रोएशिया ने पहली और दूसरी पेनाल्टी में स्कोर किया। जापान ने तीसरी पेनाल्टी में स्कोर किया। स्कोर 2-1 हो चुका था। इसके बाद तीसरी पेनॉल्टी में क्रोएशिया स्कोर नहीं कर सका। तीन पेनाल्टी के बाद स्कोर 2-1 था। चौथी पेनाल्टी जापान चूक गया और स्कोर 2-1 ही रहा। जीतने के लिए क्रोएशिया को इस पेनॉल्टी में स्कोर करना था। क्रोएशिया के मारियो पेसालिच ने शॉट लिया और स्कोर किया। इस तरह क्रोएशिया जीत गया।

फुल टाइम तक क्रोएशिया का दबदबा : फुल टाइम यानी 90 मिनट तक क्रोएशिया ने जापान पर दबाव बनाये रखा, लेकिन जापान ने भी हार नहीं मानी और क्रोएशिया को कड़ी चुनौती दी। क्रोएशिया ने टारगेट की तरफ 12 शॉट लिये वहीं, जापान ने 10 शॉट मारे। इसके साथ ही बॉल पजेशन में भी क्रोएशिया आगे रहा, उसने 57 फीसदी समय बॉल अपने पास रखी। वहीं, जापान ने 43 फीसदी समय बॉल को अपने पास रखा। क्रोएशिया ने जापान को सात कॉर्नर लेने के चांस दिये, लेकिन जापान ने क्रोएशिया को चार ही कॉर्नर लेने दिये।

जापान ने पहले हाफ में लीड बनायी : जापान ने पहले हाफ में गोल दागा। यह गोल जापान के डेजेन माइडा ने हाफ टाइम के ठीक पहले 43वें मिनट में दागा। जापान ने माइडा के गोल की वजह से 1-0 की लीड बना ली थी। जापान को मिले शॉर्ट कॉर्नर पर टीम के डोन ने योशिदा को पास दिया। योशिदा के हेडर पर बॉल माइडा के पास पहुंची और उन्होंने गोल दाग दिया। क्रोएशिया ने दूसरे हाफ में स्कोर बराबर किया। टीम के लिए 55वें मिनट में मिडफील्डर इवान पेरिसिच ने गोल किया। क्रोएशिया के डिफेंडर डंजेन लोवरेन ने गोल की तरफ क्रॉस दिया, इसके बाद पेरिसिच ने हैडर के जरिये बॉल को बॉक्स में पहुंचा दिया।

खराब फॉर्म में चल रहे धवन की निगाह स्वीप शॉट में महारत हासिल करने पर

मीरपुर (एजेंसी)। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे अनुभवी भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अगले साल स्वदेश में होनेवाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के तहत स्वीप शॉट और रिवर्स हिट पर काम कर रहे हैं। धवन पिछले नौ मैचों में केवल एक अर्धशतक बना पाए हैं और विश्व कप से पहले इस 37 वर्षीय बल्लेबाज का टीम में स्थान खतरे में लगता है। बांग्लादेश श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किए गए शुभमन गिल को विश्वकप में कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करने के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार को होने वाले दूसरे वनडे से पहले धवन के साथ विशेष अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। धवन ने भारत के लिए करो या मरो जैसा बने इस मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि अधिक अभ्यास करना अच्छा होता है। इन परिस्थितियों में इन शॉट (स्वीप शॉट और रिवर्स हिट) को खेलने से मदद मिलती है। यहां तक की विश्व कप भी भारत में होगा जहां स्पिनर अपना प्रभाव छोड़ेंगे, वहां भी ये शॉट मददगार होंगे। मुझे इस तरह के शॉट खेलने में मजा आता है। इन परिस्थितियों में अभ्यास करना अच्छा रहा। धवन के रन बनाने के लिए जूझने के कारण भारत को हाल मे पावर प्ले में नुकसान हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे में धवन ने 17 गेंदों पर सात रन बनाए और भारतीय टीम 41.2 ओवर में 186 रन पर आउट हो गई। धवन ने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है जबकि हमने श्रृंखला का पहला मैच गंवाया। यह सामान्य बात है। हम जानते हैं कि इन परिस्थितियों में वापसी कैसे करनी है। हम वापसी करने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। बांग्लादेश का स्कोर एक समय नौ विकेट पर 136 रन था, लेकिन मेहंदी हसन और मुस्तफिजुर रहमान ने आखिरी विकेट के लिए 51 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। धवन ने कहा कि ऐसा अक्सर नहीं होता है लेकिन उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। इसमें कोई शक नहीं कि बांग्लादेश ने अच्छी क्रिकेट खेली। उन्होंने कहा कि हमने समीक्षा की है कि हमें किन क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। निश्चित तौर पर आगामी मैचों में हम अधिक प्रभाव छोड़ेंगे। हम बेहद सकारात्मक हैं और अगला मैच खेलने के लिए उत्सुक हैं। धवन ने स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के बारे में कहा कि जब से उसने वापसी की है वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। यहां तक कि न्यूजीलैंड में भी उसने एक शानदार पारी खेली थी और अच्छी गेंदबाजी की थी। वह बहुत अच्छा ऑलराउंडर है। प्रभाव छोड़ने वाला एक स्पिनर और निचले क्रम में बल्लेबाजी करनेवाला उपयोगी बल्लेबाज। वह जितने अधिक मैच खेलेगा उतना उसके खेल में निखार आयेगा।

न्यूज गैलरी

सोना 473 रुपये टूटा, चांदी में 1,241 रुपये की गिरावट

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच मंगलवार को दिल्ली सरार्फा बाजार में सोना 473 रुपये टूटकर 53,898 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 54,371 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की तरह चांदी भी 1,241 रुपये के नुकसान से 65,878 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नुकसान के साथ 1,770.75 डॉलर प्रति औंस पर था। चांदी भी नुकसान के साथ 22.38 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, उम्मीद से बेहतर अमेरिका के सेवा क्षेत्र के आंकड़ों से फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरों को ऊंचा रखने का दबाव बढ़ा है। इससे पीली धातु में गिरावट आई।

केनरा बैंक ने एटीएम से कैश निकालने के नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली। सरकारी बैंक केनरा बैंक ने एटीएम से कैश निकालने, पीओएस और ई कॉमर्स लेनदेन के नियम में बदलाव किया है। केनरा बैंक ने एटीएम से कैश निकालने की सीमा बढ़ा दी है। अब केनरा बैंक के खाताधारक अपने डेबिट कार्ड से पहले के मुकाबले अधिक कैश निकाल सकेंगे। केनरा बैंक की ओर से ट्वीट, वेबसाइट कर इसकी जानकारी दी गई है। वहीं ग्राहकों को ईमेल, एसएमएस और बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर इस नए नियम के बारे में जानकारी दी गई है। बैंक ने इन बदलावों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला किया है। केनरा बैंक की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक अब बैंक के खाताधारकों को उनके डेबिट कार्ड के वेरिएंट के मुताबिक उसके ट्रांजेक्शन की सीमा को बढ़ाने का फैसला किया है। बैंक के नए नियम के मुताबिक क्लासिक डेबिट कार्ड से ट्रांजैक्शन की लिमिट को 40 हजार रूपए से बढ़ाकर 75 हजार रूपए कर दिए हैं यानी अब आप केनरा बैंक के क्लासिक डेबिट कार्ड से रोजाना 75 हजार रुपए निकाल सकेंगे। इसके अलावा बैंक ने डेबिट कार्ड धारकों के लिए डेली पीओएस कैप को 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया है। इसके अलावा बैंक ने प्लेटिनम या बिजनेस कार्ड धारकों के लिए ट्रांजैक्शन की सीमा 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 1 लाख रुपए प्रति दिन कर दिया है। वहीं पीओएस से लेनदेन की सीमा को 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया है। बैंक ने कहा है कि उन्होंने आरबीआई की गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए कार्ड ट्रांजैक्शन की सेफ्टी में बढ़ोतरी की है, ताकि किसी भी तरह से स्कैम को रोका जा सकें। बैंक ने डेबिट कार्ड के एनएफसी (कॉन्टैक्सलेस) की रोजाना लिमिट में कोई बदलाव नहीं किया है।

ओरिगो कमोडिटीज ने किसानों को कर्ज देने के लिये विवृतिसे हाथ मिलाया

नयी दिल्ली। कृषि प्रौद्योगिकी कंपनी ओरिगो कमोडिटीज ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी विवृति कैपिटल के साथ गठजोड़ किया है। इसके साथ कंपनी किसानों, कृषि कारोबारियों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को बिना कोई गारंटी लिये दो करोड़ रुपये तक का कर्ज देगी। ओरिगो कमोडिटीज ने मंगलवार को बयान में कहा कि कंपनी ने डिजिटल मंच का उपयोग करते हुए मार्च, 2023 तक कम-से-कम 100 करोड़ रुपये का कर्ज वितरित करने का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2011 में गठित गुरुग्राम की कंपनी ओरिगो कृषि-वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी है। कंपनी का जिंस आपूर्ति व्यवस्था, फसल कटाई बाद प्रबंधन, कारोबार और वित्त उपलब्ध कराने के कार्यों से जुड़ी है। ओरिगो कमोडिटीज की महाप्रबंधक (कॉरपोरेट रणनीति) सान्या अग्रवाल ने कहा, ह्यह्यहमने किसानों, व्यापारियों, किसान उत्पादक संगठनों को बिना कोई गारंटी लिये कर्ज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये विवृति कैपिटल के साथ गठजोड़ किया है। हम किसानों और कारोबारियों को उनकी कृषि उपज के खरीदार खोजने में मदद करेंगे। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी आपूर्तिकताओं के कर्ज को लेकर जोखिम का आकलन करेगी।

एनडीपीएस मामलों को निष्कर्ष तक पहुंचाने का सीतारमण का आह्वान

नयी दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों से एनडीपीएस मामलों में मुख्य संचालकों और अपराधियों/ वित्तपोषकों को पकड़ने और उन्हें उनके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने का आह्वान किया। श्रीमती सीतारमण ने आज यहां केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तत्वावधान में काम करने वाली शीर्ष तस्करी विरोधी खुफिया जांच एजेंसी, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह में यह आह्वान किया। इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ ही राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष विवेक जौहरी, डीआरआई के महानिदेशक मोहन कुमार सिंह के साथ बोर्ड के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। इसमें सीबीआईसी के पूर्व अध्यक्षों और सदस्यों, डीआरआई के पूर्व महानिदेशकों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया और डीआरआई, सीबीआईसी, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और भारत सरकार के अन्यअधिकारियों के सैकड़ों उपस्थित लोगों की भागीदारी के साथ एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। वित्त मंत्री ने भारत में तस्करी रिपोर्ट 2021-22 को भी जारी किया जिसमें सोने की तस्करी, मादक औषधियों (नारकोटिक्स ड्रग्स) और (साइकोट्रॉपिक पदार्थों, वन्यजीवों, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और अंतर्राष्ट्रीय प्रवर्तन संचालन और सहयोग जैसे रुझानों का विश्लेषण किया गया है। श्रीमती सीतारमण ने राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) और उसके अधिकारियों को उनके प्रदर्शन और सराहनीय सेवा के लिए बधाई दी। वित्त मंत्री ने डीआरआई और उसके अधिकारियों की पेशेवर उत्कृष्टता की सराहना की और कहा कि डीआरआई ने बेहतर लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रत्येक वर्ष अपने प्रदर्शन के स्तर में सुधार किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि डीआरआई के अनुकरणीय प्रदर्शन ने अन्य प्रवर्तन एजेंसियों के लिए मानदंड को और ऊंचा कर दिया है। वित्त मंत्री ने कहा कि वह भारत में विशेष रूप से दवाओं और सोने की तस्करी का पता लगाने की बारीकी से निगरानी कर रही हैं। श्रीमती सीतारमण ने डीआरआई की सराहना करते हुए कहा कि निदेशालय ने देश के 14 स्थलों में आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान 44,000 किलोग्राम से अधिक मादक दवाओं को नष्ट कर दिया और कहा कि यह डीआरआई के प्रदर्शन और शमता ताकत का एक असाधारण प्रदर्शन है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि अब उद्देश्य इन मामलों में मुख्य संचालकों और अपराधियों / वित्तपोषकों को गिरफ्तार करके औषधि और एनडीपीएस अधिनियम मामलों को उनके तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाना होना चाहिए। वित्त मंत्री ने सोने और एनडीपीएस की तस्करी के खतरे का मुकाबला करने के लिए तस्करों से आगे रहने के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने, निश्चित तरीके से काम करने, डेटा विश्लेषण और उनकी कार्यप्रणाली को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

> वित्त मंत्री ने भारत में तस्करी रिपोर्ट 2021-22 को भी जारी किया जिसमें सोने की तस्करी, मादक औषधियों (नारकोटिक्स ड्रग्स) और (साइकोट्रॉपिक पदार्थों, वन्यजीवों, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और अंतर्राष्ट्रीय प्रवर्तन संचालन और सहयोग जैसे रुझानों का विश्लेषण किया गया है।

श्रीराम फाइनेंस कारोबार का दायरा बढ़ाएगी

मुंबई। सरकारी पूंजीगत व्यय में भारी वृद्धि और व बाजार में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) की बढ़ती भूमिका तथा उनकी वित्तीय आवश्यकताओं से उत्पन्न अवसरों को देखते हुए देश के एक प्रमुख गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) समूह श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (एसएफएल) ने सोमवार को घोषणा की कि वह विभिन्न क्षेत्रों में अपने ऋण कारोबार का विस्तार करेगा। अपनी इसी योजना के तहत समूह एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने और अगले तीन-चार वर्षों में अपने गैर-वाणिज्यिक वाहन खंड को बड़े पैमाने पर विकसित करने की योजना बना रहा है। कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष उमेश रेवांकर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्लएसएफएल आगे आने वाले समय के लिए स्व-रोजगार और लघु इकाइयों पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति पर विशेष ध्यान दे रही है। हम इन दो क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहेंगे। समूह के विविध व्यावसायिक खंडों को दिए गए कर्ज में लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र को दिए जाने वाले कर्ज का हिस्सा इस समय 11.5 प्रतिशत है। श्रीराम फाइनेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी वाईएस चक्रवर्ती ने कहा, हमारे ऋण कारोबार में इस समय कुल वाहन वित्त (वाणिज्यिक और यात्री वाहन) कहा हिस्सा वर्तमान में 77.5 प्रतिशत है। हमारा लक्ष्य है कि अगले 3-4 वर्षों में वाहन और गैर-वाहन ऋण कारोबार के बीच अनुपात 66:40 तक हो जाए। श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी और श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस के विलय से बनी एनबीएफसी इस समय 1.71 लाख करोड़ रुपये की सम्पत्ति का प्रबंध कर रही है।

जिंदल स्टेनलेस की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए रिन्यू पावर के साथ भागीदारी

> ◆रिन्यू पावर इसके साथ बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) दायरे में अपना चौबीसों घंटे (राउंड द क्लॉक-आरटीसी) आपूर्ति का समाधान लेकर आ रही है, जिसकी शुरूआत इसने यूटिलिटी कंपनियों के लिए पिछले साल की थी।

नयी दिल्ली (एजेंसी)। स्टेनलेस स्टील विनिमार्ता जिंदल स्टेनलेस ने आज ओड़िशा के जाजपुर में स्थित अपने संयंत्र के लिए एक यूटिलिटी-स्केल की निजी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना हेतु नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू पावर के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस परियोजना के तहत सालाना 70 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन पवन तथा सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी के मिश्रण के जरिये किया जाएगा। उच्च क्षमता उपयोग कारक वाले इस नवोन्मेषी पवन-सौर ऊर्जा के मिश्रित समाधान से अनुबंधित क्षमता की प्रति यूनिट ऊर्जा का उल्लेखनीय रूप से अधिक मात्र में उत्पादन होने की उम्मीद है। रिन्यू पावर इसके साथ बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) दायरे में अपना चौबीसों घंटे (राउंड द क्लॉक-आरटीसी) आपूर्ति का समाधान लेकर आ रही है, जिसकी शुरूआत इसने यूटिलिटी कंपनियों के लिए पिछले साल की थी। इसके अलावा, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की इस सबसे बड़ी कंपनी के साथ भागीदारी से जिंदल स्टेनलेस के लिए अपेक्षित निष्पादन संबधी निश्चितता भी आएगी जो इस स्तर की परियोजना के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने इस गठजोड़ के बारे में कहा, भारत के कार्बन उत्सर्जन को शून्य पर लाने के लक्ष्य के अनुरूप, जिंदल स्टेनलेस केवल ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के जरिये ही भावी वृद्धि की योजना को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह कदम हमारे संकल्प को और अधिक मजबूत बनाता है। उम्मीद है कि रिन्यू पावर के साथ हमारी परियोजना वाणिज्यिक परिचालन मई 2024 तक शुरू होगी और इससे सालाना 6.5 लाख टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन कमी में मदद मिलेगी।

मारुति ने सीट बेल्ट की गड़बड़ी को ठीक करने के लिए 9,125 वाहन वापस मंगाए

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने आगे की सीट बेल्ट में संभावित गड़बड़ी को ठीक करने के लिए सियाज, ब्रेजा, एर्टिगा, एक्सएल 6 और ग्रैंड विटारा की 9,125 इकाइयां बाजार से वापस मंगाई हैं। मारुति ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि इन प्रभावित वाहनों का विनिर्माण दो से 28 नवंबर, 2022 के दौरान हुआ है। कंपनी ने कहा, आगे की सीट बेल्ट में कुछ संभावित गड़बड़ी का पता चला है। इसे सीट बेल्ट खुल सकती है।'' कंपनी ने कहा है कि वह प्रभावित वाहनों को जांच के लिए वापस मंगा रही है और खराब बेल्ट को निःशुल्क बदला जाएगा। कंपनी की अधिकृत डीलरशिप की ओर से जल्द ग्राहकों से इस बारे में संपर्क किया जाएगा।

रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा पॉवर मेक प्रोजक्ट्स मल्टीबैगर स्टॉक, निवेशकों की किस्मत ने 6 महीने में ली करवट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल की शुरूआत में स्टॉक मार्केट में रूस और यूक्रेन युध्द की वजह से काफी गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन समय के साथ शेयर बाजार रिकवरी करने में सफल रहा है। लेकिन कई कंपनियों के शेयरों ने मुश्किल दौर में भी निवेशकों का साथ नहीं छोड़ा है। इसी में से पॉवर मेक प्रोजक्ट्स है। कंपनी के शेयरों में पिछले 6 महीनों में 145 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। बता दें, आज यानी मंगलवार को कंपनी के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए। स्टॉक मार्केट ने सप्ताह के दूसरे दिन भले ही खराब शुरूआत की हो। लेकिन पॉवर मेक प्रोजक्ट्स के शेयरों में उछाल देखने को मिली। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 2374 रुपये प्रति शेयर के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया है। बीते 6 महीने में पॉवर मेक प्रोजक्ट्स के शेयरों ने 960 रुपये से छलांग लगाकर 2374 रुपये के लेवल को पाया है। कंपनी ने अपने पोजीशल निवेशकों को इस साल अबतक 145.51 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 6 दिसंबर 2022 को जिस किसी निवेशक ने पावर मेक प्रोजेक्ट लि. पर दांव लगाकर अब तक होल्ड किया होगा तो उसकी इंवेस्टमेंट वैल्यू 135.91 प्रतिशत बढ़ गई होगी। कंपनी के 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 804.85 रुपये है। पॉवर मेक प्रोजकेट्स लिमिटेड भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर-कंस्ट्रक्सन करने वाली एक लीडिंग कंपनी है।

सीएनजी के जीएसटी में आने तक उत्पाद शुल्क घटाए सरकार: पारिख समिति

नयी दिल्ली। किरीट पारिख समिति ने सीएनजी को जीएसटी के दायरे में लाए जाने तक इस पर लगाए जाने वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती करने का सुझाव केंद्र सरकार को दिया है। प्राकृतिक गैस की कीमत समीक्षा के लिए गठित पारिख समिति ने पिछले हफ्ते पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाया जाना चाहिए। समिति ने रिपोर्ट में कहा है, हमारा मत है कि इस मसले पर राज्यों के बीच सहमति बनाने की जरूरत है। इस मकसद को हासिल करने के लिए राज्यों को राजस्व में किसी भी तरह की क्षति के एवज में पांच साल तक मुआवजे का प्रावधान किया जा सकता है। सहमति बनाने की प्रक्रिया अब शुरू की जानी चाहिए। प्राकृतिक गैस के साथ कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल एवं विमान ईंधन एटीएफ को जुलाई, 2017 में जीएसटी व्यवस्था लागू होने के समय से ही इस एकीकृत कर प्रणाली से बाहर रखा गया है। हालांकि, सीएनजी पर पहले से लागू केंद्रीय उत्पाद शुल्क, राज्य वैट कर और केंद्रीय बिक्री कर अब भी बरकरार हैं। केंद्र सरकार सीएनजी पर 14 प्रतिशत की दर से उत्पाद शुल्क वसूलती है जबकि राज्यों में इस पर 24.5 प्रतिशत तक मूल्यवर्द्धित कर (वैट) लगा हुआ है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर वर्ल्ड बैंक ने ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन इकोनॉमी के लिए अच्छी खबर आई है। वर्ल्ड बैंक ने इंडियन इकोनॉमी के लिए चालू वित्त वर्ष यानी 2022-23 में ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। अक्टूबर महीने में उसने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.5 फीसदी से घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। अब इसे अपग्रेड कर 6.9 फीसदी किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में औसत महंगाई दर 7.1 फीसदी रहेगी। सरकार ने फिस्कल डेफिसिट का लक्ष्य जीडीपी का 6.4 फीसदी रखा है। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि इसे पूरा कर लिया जाएगा। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका, यूरोप और चीन में जो कुछ हुआ है, उसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखा। हालांकि, उसने स्पष्ट किया है कि ग्लोबल इकोनॉमी का भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर लिमिटेड है। वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ग्रोथ का अनुमान घटाया है। उसके मुताबिक, अगले वित्त वर्ष में भारत का ग्रोथ रेट 6.6 फीसदी रहेगा। पुराना अनुमान 7 फीसदी का था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत का ग्रोथ रेट 6.3 फीसदी रहा था। सरकार का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ रेट 6.8 फीसदी से 7 फीसदी के बीच रह सकता है। औसत महंगाई दर का अनुमान 7.1 फीसदी रखा गया है। अक्टूबर महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर 6.77 फीसदी रही थी।

ग्रोथ रेट को लेकर तमाम एजेंसियों का क्या कहना है?

इंडियन इकोनॉमी को लेकर अलग-अलग एजेंसियों की बात करें तो नवंबर के अंत में एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को घटाकर सात फीसदी कर दिया। उसका अनुमान है कि 2022-23 में 7.3 फीसदी और 2023-24 में 6.5 फीसदी का ग्रोथ रेट रहेगा। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष के लिए क्टऋका अनुमान 6.8 फीसदी, र&ढ का अनुमान 7.3 फीसदी, मूडीज का अनुमान 7 फीसदी, फिच का 7 फीसदी, मार्गन स्टैनली का 7 फीसदी, गोल्डमैन सैक्श का 7.1 फीसदी, सिटी बैंक का 6.7 फीसदी, यूएनसीटीएडी का 5.7 फीसदी और रिजर्व बैंक का 7 फीसदी का अनुमान है।

गौतम अडानी एशिया के टॉप थ्री दानवीरों में, इन भारतीयों ने भी किया खूब परोपकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों की लिस्ट में शुमार गौतम अडानी परोपकार के मामले में भी पीछे नहीं हैं। गौतम अडानी का नाम फोर्ब्स की ओर से प्रकाशित एशियाई दानवीरों की सूची के 16वें संस्करण में टॉप थ्री शामिल किया है। उनके अलावा इस लिस्ट में एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर, हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के अशोक सूटा का नाम शामिल हैं। एशिया के टॉप दानवीरों की यह सूची मंगलवार को जारी की गई। अडानी ग्रुप के मुखिया गौतम अडानी को इस लिस्ट में पिछले वर्ष जून में अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर 60,000 करोड़ रुपए का दान करने के बाद जगह मिली है। इतनी बड़ी राशि परोपकार के लिए खर्च करने की घोषणा कर वे भारत के सबसे बड़े दानवीर बन गए। यह राशि स्वास्थ्य, शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट पर खर्च होनी है। इस राशि को अडानी परिवार के फाउंडेशन की ओर से खर्च की जाएगी, जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी। 60 वर्षीय गौतम अडानी अडानी ग्रुप के संस्थापक हैं। यह ग्रुप भारत का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है। यह ग्रुप आधारभूत संरचना, उपभोक्ता वस्तुओं, बिजली उत्पादन व संचरण व रियल एस्टेट के कारोबार से जुड़ा है। गौतम अडानी की संपत्ति में वर्ष 2022 में बड़ा इजाफा हुआ है। वे कुछ समय के लिए दुनिया के दूसरे सबसे धनवान उद्योगपति भी रहे।

आरबीआई का डिजिटल रुपया भारत को बना सकता है इकोनॉमिक सुपर पॉवर, अमेरिकी डॉलर की बादशाहत होगी खत्म

नई दिल्ल (एजेंसी)। डिजिटल रुपया, डिजिटल रुपया, डिजिटल रुपया... बीते एक महीने से इन दो शब्दों की खूब चर्चा हो रही है। इसकी बड़ी वजह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तरफ से पहले होलसेल और अब रिटेल सेक्शन की डिजिटल करेंसी का ट्रायल शुरू करना है। डिजिटल करेंसी का जब से ट्रायल शुरू हुआ है तब से कई सवाल भी खूब चर्चा में हैं। जैसे क्रिप्टोकरेंसी क्या है? अगर यूपीआई पेमेंट का अच्छा रिस्पॉस है तो फिर डिजिटल करेंसी की जरूरत क्या है? आइए एक-एक करके इन सवालों के जवाब ढूढते हैं। प्रोटॉन इंटरनेट एलएलपी के फाउंडर और क्रिप्टोकरेंसी के लेन-देन को करीब से देख रहे शुभम उपाध्याय बताते हैं, आरबीआई का डिजिटल रुपया और क्रिप्टोकरेंसी दोनों काफी अलग-अलग हैं। क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने वाला कोई नहीं है। लेकिन डिजिटल रुपये के हर एक लेन-देन पर आरबीआई की नजर रहेगी। जहां क्रिप्टोकरेंसी की माइनिंग की जा सकती है, वहीं डिजिटल रुपये को आरबीआई जारी करेगा फिर बैंकों के जरिए यह आम-आदमी तक पहुंचेगा। इसलिए डिजिटल रुपये को क्रिप्टोकरेंसी कहना सही नहीं होगा।

यूपीआई, एनएफटी के होने पर डिजिटल रुपये की क्या जरूरत

इस सवाल के जवाब में शुभम कहते हैं, ह्लयूपीआई की सफलता को कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता है। भारत की इस पेमेंट सर्विस के आगे दुनिया भर के अलग-अलग देशों की पेमेंट सर्विस कमजोर दिखती है। लेकिन इसके बावजूद जिस तरह से जी-20 के 16 देश डिजिटल करेंसी पर काम कर रहे हैं उनके मुकाबले भारत बहुत पीछे नहीं रह सकता था। दूसरी तरफ चीन के कई शहरों में डिजिटल करेंसी का पायलट प्रोजेक्ट सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है, ऐसे में भारत अपने पड़ोसी को इस क्षेत्र में खुला मैदान नहीं देना चाहता है। रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से दुनिया भर के देश यह समझ गए हैं कि वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए डॉलर पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। खासकर अमेरिका ने जिस तरह से रूस के फॉरेक्स रिजर्व को सील किया, उसके बाद से कई देशों के मन में यह संशय खड़ा हो गया है।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला से मिले भारत के राजदूत संधू

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को सिएटल में माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के भारत में शिक्षा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और उद्यमिता के क्षेत्रों में कामकाज पर विचार-विमर्श किया गया। अक्टूबर में नडेला (55) को सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. टी वी नागेंद्र प्रसाद ने प्रतिष्ठित पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया था। माइक्रोसॉफ्ट के मुख्यालय में नडेला के साथ बैठक के बाद संधू ने ट्वीट किया, भारत में माइक्रोसॉफ्ट के कौशल, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और उद्यमिता के क्षेत्रों में कार्यों पर चर्चा हुई। माइक्रोसॉफ्ट महामारी पर वैश्विक कार्यबल की संस्थापक सदस्य है। महामारी के दौरान इसने संकट के समय काफी काम किया है।

पेज एक के शेष

पेशकार 30 हजार...

अंसारी के द्वारा किया गया था। केस खारिज हो चुका है, इसके बावजूद पेशकार अशोक कुमार उन्हें बुलाकर बोले की आपका केस खारिज हो चुका है हम लिख देंगे तो काम आपका हो जायेगा। इसके लिये साहब को 25 हजार और उसे पांच हजार बतौर घूस देने होंगे। मुबारक हुसैन ने अपनी गरीबी का हवाला देकर पैसे देने में असमर्थता जतायी, लेकिन पेशकार अशोक रिश्वत लेने के बाद ही काम करने को तैयार थे। वादी घूस नहीं देना चाहते थे और इसकी शिकायत एसीबी कार्यालय में करने पर उसका सत्यापन किया गया। मंगलवार को पूर्वाह्न करीब 11:45 बजे जैसे ही वादी ने घूस के 30 हजार रुपये पेशकार को दिये एसीबी की टीम ने उन्हें रंगेहाथ धर दबोचा। इसके साथ ही पलामू एसीबी की ओर से इस वर्ष एक दर्जन केस ट्रैप को पूरा कर दिया गया है।

पुलिस से लूटी...

तत्काल सीआरपीएफ 158वीं बटालियन ई कंपनी, जोरी पिकेट के सशस्त्र बल, सैट-08 के सशस्त्र बल तथा बिशुनपुर थाना प्रभारी की संयुक्त टीम बनाकर हपाद गांव में एरिया डोमिनेशन तथा सर्च अभियान चलाया गया। छापामारी के दौरान नक्सली इंद्रदेव खरवार जंगल का फायदा उठाकर भागने लगा जिसका पीछा करते हुए छापेमारी टीम जंगल पहुंची और सर्च अभियान चला रही थी। उसी क्रम में माओवादियों के द्वारा छुपाये गये हथियार व गोली तथा अन्य सामान बरामद किया गया है।

युवा पीढ़ी शौकिया...

लग गयी है, उनको 56 तरह की बीमारी होने का खतरा होता है। इनमें से लगभग 50 रोग पुरुषों को तथा 24 रोग महिलाओं को शिकार बना सकते हैं। इनमें 22 बीमारियां मौत का कारण बन सकती हैं। बीमारियों में 10 ह्रदय रोग, 14 सांस संबंधी रोग, 14 कैंसर, पांच पेट संबंधित रोग और 13 डायबिटीज व मोतियाबिंद जैसी अन्य बीमारियां शामिल हैं। शोध के अनुसार जिन लोगों ने बीमारी होने से पहले धूम्रपान छोड़ा, उन्हें अगले 10 साल बाद रोगों का खतरा उतना ही था जितना नॉर्मल लोगों को होता है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

जाफना से चेन्नई की उड़ान अगले सप्ताह शुरू करेगा श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका उत्तरी जाफना प्रायद्वीप से चेन्नई के लिए उड़ान सेवा अगले सप्ताह से फिर शुरू करने जा रहा है। सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस कदम से नकदी संकट से जूझ रहे पड़ोसी देश के पर्यटन क्षेत्र को मदद मिलने की उम्मीद है। पयर्टन श्रीलंका की विदेशी मुद्रा आय का प्रमुख स्रोत है। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से ही श्रीलंका का पर्यटन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यह श्रीलंका के ताजा आर्थिक संकट की एक बड़ी वजह है। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के अनुसार, नवम्बर में देश की विदेशी पर्यटकों से आय 10.75 करोड़ डॉलर पर पहुंच गयी। चालू कैलेंडर साल के पहले 11 माह में श्रीलंका की विदेशी पर्यटकों से कमाई 112.94 करोड़ डॉलर रही है। श्रीलंका के विमानन मंत्री निमल सिरिपाला डि सिल्वा ने सोमवार को संसद को बताया कि पलाली से भारत के लिए उड़ान संभवत: 12 दिसम्बर तक शुरू हो जाएगी। मंत्री ने कहा कि जाफना से चेन्नई के बीच उड़ान का परिचालन शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हवाई पट्टी में कुछ सुधार की जरूरत है। मौजूदा हवाई पट्टी सिर्फ 75 सीटों की उड़ानों के लिए उपयुक्त है।

इंडोनेशिया में शादी से पहले सेक्स बैन करने की तैयारी

जकार्ता (एजेंसी)। आपराधिक कानूनों या दंडों में किये गये सबसे विवादास्पद संशोधनों में शादी से बाहर यौन संबंध से संबंधित कानून है, जो अपराधी को एक वर्ष तक की जेल की सजा दे सकता है। नये कानून में अविवाहित जोड़ों को शादी से पहले लिव इन में रहना, राष्ट्रपति और राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे राष्ट्रीय ध्वज या राष्ट्रगान का 'अपमान करना' दंडनीय अपराध बनाया गया है। इंडोनेशिया के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के डिप्टी स्पीकर सुफामी दास्कू अहमद और कानूनों में संशोधन करने वाले संसदीय आयोग के प्रमुख बंबांग वोरिएंटो ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स से कहा कि नये कानूनों को मान्यता देने के लिए संसद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जायेगा। देश के औपनिवेशिक युग के कानूनों को संशोधित करने का काम दशकों से चल रहा है और हाल के वर्षों में इसके खिलाफ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन इस साल सार्वजनिक स्तर पर इस मुद्दे पर एक बड़ी चुप्पी है। संसद ने सितंबर 2019 की शुरूआत में नए कानून को मान्यता देने की योजना बनाई थी, लेकिन देशव्यापी विरोध और नागरिक स्वतंत्रता के लिए खतरों के कारण इसकी मंजूरी में देरी हुई।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोप को सुनायी खरी-खरी, कहा-

रूसी तेल पर हमें लेक्चर न दें

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने जर्मन समकक्ष एनालेना बेयरबॉक के साथ बैठक के बाद रूस से भारत के तेल आयात का मजबूती से बचाव किया और कहा कि जैसे यूरोप अपनी ऊर्जा जरूरतों की प्राथमिकताओं के अनुरूप विकल्प नहीं बना सकता है और उसी तरह भारत से कुछ और करने को नहीं कह सकता। जयशंकर ने कहा कि यूरोपीय संघ ने रूस से भारत से छह गुना अधिक तेल का आयात किया है। इसके अलावा कोयले का आयात भी भारत की तुलना में 50 फीसदी ज्यादा है। जयशंकर और जर्मन विदेश मंत्री के बीच पाकिस्तान का मुद्दा भी उठा। जिस पर जयशंकर ने दो टूक शब्दों में कहा कि बिना आतंकवाद का हल निकले पाकिस्तान से बातचीत नहीं हो सकती है। सोमवार को भारत और जर्मनी ने ऊर्जा, कारोबार, जलवायु परिवर्तन सहित द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ करने एवं यूक्रेन संकट सहित वैश्विक मुद्दों पर सोमवार को विस्तृत चर्चा की तथा समग्र प्रवासन व आवाजाही साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किये। रूस से कच्चे तेल के आयात का बचाव करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पिछले नौ महीने में यूरोपीय देशों ने इसकी जितनी खरीद की है, उसका छठा हिस्सा ही भारत ने खरीदा है।

दोनों देशों ने हिंद प्रशांत, यूक्रेन संकट, अफगानिस्तान में स्थिति, पाकिस्तान से जुड़े मुद्दे, सीरिया की स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर ने जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ द्विपक्षीय सहयोग के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के बाद जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के साथ संयुक्त प्रेस संबोधन में जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के कारोबार को बढ़ाने के बारे में चर्चा यूक्रेन संघर्ष से काफी पहले शुरू हुई थी। जयशंकर ने रूस से कच्चे तेल के आयात पर कहा कि यह बाजार से जुड़े कारकों से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी से नवम्बर तक यूरोपीय संघ ने रूस से अधिक मात्रा में जीवाश्म ईंधन का आयात किया है। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि संघर्ष की स्थिति (यूक्रेन में) है। मैं यह भी समझता हूं कि यूरोप का एक विचार है और यूरोप अपने विकल्प चुनेगा और यह यूरोप का अधिकार है। लेकिन यूरोप अपनी पसंद के अनुसार ऊर्जा जरूरतों को लेकर विकल्प चुने और फिर भारत को कुछ और करने के लिये कहे । उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया से यूरोप द्वारा तेल खरीदने से भी दबाव पड़ा है। उनसे पूछा गया था कि भारत क्यों रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है।

पाक से बातचीत की शर्त

बेयरबॉक दो दिवसीय यात्रा पर सोमवार को भारत पहुंची है। उनकी यात्रा ऐसे समय में हुई है जब चार दिन पहले ही भारत ने जी-20 समूह की औपचारिक अध्यक्षता ग्रहण की है। जयशंकर ने कहा कि हमने अफगानिस्तान की स्थिति और पाकिस्तान के बारे में चर्चा की जिसमें सीमा पार आतंकवाद से जुड़ा विषय भी शामिल था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ तब तक बातचीत नहीं हो सकती, जब तक कि वह सीमापार से आतंकवाद को जारी रखता है। जयशंकर ने जर्मनी की अपनी समकक्ष एनालेना बेयरबॉक की मौजूदगी में यह टिप्पणी की और कहा कि बर्लिन इस बात को समझता है।

कोलंबिया में बारिश और भूस्खलन से भारी तबाही, 33 लोगों की मौत

बोगोटा (एजेंसी)। कोलंबिया के रिसाराल्डा प्रांत में बारिश की वजह से हुए लैंडस्लाइड में एक बस और अन्य वाहन दब गये, जिसमें कम से कम 33 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सोमवार को घटना पर शोक जताते हुए कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ इस मुश्किल समय में साथ खड़ी है। कोलंबिया के गृहमंत्री अलफोंसो प्रादा ने बताया कि इस घटना से हम सभी बेहद दुखी हैं, हमें अब तक तीन नाबालिगों समेत 33 शव मिल चुके हैं। इसके अलावा नौ लोगों को जिंदा बचा लिया गया है, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। कोलंबिया की राजधानी बोगोटा से करीब 230 किमी दूर कॉफी उत्पादन के लिए मशहूर कोलंबिया के एक पहाड़ी इलाके में पुएब्लो रिको और सांता सेसिलिया के गांवों के बीच यात्रा करते समय रविवार को लैंडस्लाइड में बस समेत कई वाहन दब गये थे।

उत्तरी अफगानिस्तान में धमाका, छह की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। उत्तरी अफगानिस्तान में मंगलवार सुबह लोगों के काम पर जाने के दौरान, सरकारी कर्मचारियों से भरी एक बस के पास सड़क किनारे बम विस्फोट हुआ। विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गयी। तालिबान के एक सदस्य ने यह जानकारी दी। बल्ख प्रांत में पुलिस प्रमुख के तालिबान द्वारा नियुक्त प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजीरी ने कहा कि प्रांतीय राजधानी मजार-ए शरीफ में हुए बम विस्फोट में सात लोग घायल हो गये। बम को सड़क के किनारे एक छकड़ा गाड़ी के अंदर लगाया गया था।

भारत-मध्य एशिया की बैठक

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने की आतंकवादी फंडिंग रोकने की वकालत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने मंगलवार को क्षेत्र के देशों द्वारा आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने को अधिक प्राथमिकता दिये जाने की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि वित्तीय संसाधन आतंकवाद का आधार हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की भारत-मध्य एशिया बैठक की शुरुआत के मौके पर अपने संबोधन में डोभाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को आतंकवादी कृत्यों में शामिल संस्थाओं या लोगों को किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने से बचना चाहिए और आतंकवाद-रोधी समझौतों में निहित दायित्वों को पूरा करना चाहिए। डोभाल ने मध्य-एशिया को भारत का विस्तारित पड़ोसी करार देते हुए कहा कि भारत इस क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार इस बैठक में हिस्सा ले रहे हैं, जबकि बैठक में तुर्कमेनिस्तान का प्रतिनिधित्व भारत में उसके राजदूत कर रहे हैं। डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिसे लेकर सब चिंतित हैं। अफगानिस्तान में तात्कालिक प्राथमिकताओं के संबंध में भारत के लक्ष्य इस मंच पर मौजूद कई देशों के समान हैं। उन्होंने कहा कि मध्य-एशियाई देशों के साथ संपर्क भारत की एक प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है और भारत इस क्षेत्र में सहयोग, निवेश और संपर्क कायम रखने को तैयार है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरए) परियोजना के संदर्भ में डोभाल ने कहा कि संपर्क का विस्तार करते समय, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सभी देशों की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के मद्देनजर संपर्क कायम करने के कदम पारदर्शी हों व परामर्श तथा भागीदारी से उठाये जायें।

बीएसएफ ने मार गिराया पाक ड्रोन दो किलो से ज्यादा हेरोइन व बरामद

नयी दिल्ली/तरनतारन (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान की ड्रग्स भेजने की नापाक कोशिश को एक बार फिर विफल कर दिया है। बीएसएफ ने पंजाब के तरनतारन की भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक ड्रोन को मार गिराया है। वहीं, इसमें लायी गयी दो किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन भी बरामद की गयी है। बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गयी है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार तड़के जवानों ने पंजाब के तरनतारन जिले में कालिया गांव के पास पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करनेवाले एक ड्रोन की भनभनाहट सुनी। निर्धारित अभ्यास के अनुसार, सैनिकों ने संदिग्ध उड़ती हुई वस्तु को गोली मारकर रोकने की कोशिश की। पूरे क्षेत्र को जवानों ने तुरंत घेर लिया और पुलिस और संबंधित सहयोगी एजेंसियों को सूचित किया गया।

विश्व के 51 प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों ने वित्त मंत्री को पत्र लिख सामाजिक सुरक्षा पेंशन व महिलाओं को मातृत्व लाभ देने की मांग की

– आरएनएम

नयी दिल्ली। विश्व के 51 प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों ने वित्त मंत्री को खुला पत्र लिखकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन और महिलाओं को मातृत्व का उचित लाभ दिये जाने के लिए बजट में राशि आवंटित करने की मांग की है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वो इससे पहले 20 दिसम्बर 2017 और 21 दिसम्बर 2018 को भी इस संबंध में पत्र लिख चुके हैं। पत्र में कहा गया है कि वृद्धों को राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत सिर्फ 200 रुपये प्रति माह मिलता है। ये राशि साल 2006 से बढ़ाई नहीं गयी है लेकिन अब इसे बढ़ाकर 500 रुपये या उससे अधिक करना चाहिए।

यूक्रेन युद्ध के बाद यह क्षरण और तेज हो गया है। अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक, आइ-आइडिया (इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस) की ताजा रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। संस्था के महासचिव केविन कैसस-जमोरा के मुताबिक, लोकतंत्र के लिए अब अप्रत्याशित मुश्किलें देख रहे हैं। राजनीतिक और आर्थिक संकटों ने इन मुश्किलों को और गहरा दिया है। महामारी और यूक्रेन युद्ध के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट ने इन मुश्किलों को जन्म दिया। आइ-आइडिया ने उन देशों की सूची जारी की है जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था सबसे ज्यादा नुकसान में है। इन देशों को पीछे की ओर खिसक रहे देश कहा गया है। पिछले साल इनकी संख्या छह थी और पहली बार अमेरिका को इनमें शामिल किया गया था। इस बार यह संख्या बढ़कर सात हो गयी है और अल सल्वाडोर को भी इस सूची में जोड़ गया है। अन्य देशों है- ब्राजील, हंगरी, भारत, मारीशस व पोलैंड। कैसस-जमोरा ने कहा कि अमेरिका की स्थिति खासतौर पर चिंताजनक है। उन्होंने कहा, ह्यहम अमेरिका में जो देख रहे हैं, उसे लेकर तो मैं खासतौर पर चिंतित हूं। रिपोर्ट कहती है कि इन देशों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, संस्थागत अकर्मण्यता और नागरिक आजादी को खतरे बढ़ रहे हैं। अमेरिका के बारे में कैसस-जमोरा ने कहा कि अब तक यह स्पष्ट है कि नई सरकार चुने जाने से जो बुखार चढ़ा हुआ था, वह उतरा नहीं है। ध्रुवीकरण का स्तर बहुत ज्यादा है और बिना किसी सबूत के चुनावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया जा रहा है। यौन और प्रजनन अधिकारों में अमेरिका के कदम पीछे की ओर जा रहे हैं, जो अद्वितीय है। ज्यादातर देश, बल्कि लगभग सारे ही देश यौन और प्रजनन अधिकारों के मामले में आगे की ओर बढ़ रहे हैं। आइ-आइडिया के मुताबिक, जिन 173 देशों का अध्ययन किया गया है उनमें से 104 में लोकतंत्र है और 52 में उसका क्षरण हो रहा है। 27 देश एकाधिकारवादी व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि 13 लोकतंत्र की ओर।

रिपोर्ट कहती है कि जिन देशों में लोकतंत्र नहीं हैं उनमें से लगभग आधे और ज्यादा दमनकारी हो गये हैं। रिपोर्ट में अफगानिस्तान, बेलारूस, कंबोडिया, कोमोरोस और निकारागुआ का नाम लेकर कहा गया है कि यहां स्थिति में बड़ी गिरावट आयी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया में 54 फीसद लोग लोकतंत्र में रहते हैं और तानाशाही व्यवस्थाएं मजबूत हो रही हैं। अफ्रीका की यह कहते हुए तारीफ की गयी है कि मुश्किल परिस्थितियों और अस्थिरता के खतरों के बावजूद वहां मुकाबला किया जा रहा है। अरब क्रांति के एक दशक गुजर जाने के बावजूद मध्य-पूर्व दुनिया का सबसे ज्यादा एकाधिकारवादी क्षेत्र बना हुआ है, जहां सिर्फ तीन देशों में लोकतंत्र है- इराक, इजराइल व लेबनान। यूरोप के कुल देशों में से लगभग आधे यानी 17 ऐसे हैं, जहां पिछले पांच साल में लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट आयी है। इस बात को लेकर चिंता जतायी गयी है कि जिन देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों का स्तर बेहतर था, वहां भी अब परेशान करने वाली बातें दिखने लगी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थिरता और व्यग्रता के दौर में लोकतंत्रों के लिए संतुलन बनाना मुश्किल होता जा रहा है। लोकलुभावन बातें करनेवाले मजबूत हो रहे हैं और लोकतांत्रिक विकास या तो रुक गया है या फिर पीछे की ओर जा रहा है। पिछले पांच साल में सभी मानकों पर विकास पूरी तरह रुक गया है और स्थिति वैसी ही हो गई है जैसी 1990 के दशक में थी। आइ-आइडिया एक अंतर-सरकारी संस्था है। इसके 34 सदस्य देश हैं जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के अध्ययन में मदद करते हैं। पिछले चार साल से यह संस्था ग्लोबल स्टेट आफ डेमोक्रेसी रिपोर्ट जारी कर रही है। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए 1975 से अब तक के चलन और बदलावों का अध्ययन किया जाता है। इसके लिए 116 मानक हैं जिन पर हर देश को परखा जाता है। इन मानकों में लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व, मूलभूत अधिकार, लोगों की भागीदारी और आजादी जैसी बातें शामिल हैं।

बौखलाए पुतिन ने यूक्रेन में मचायी भयानक तबाही

कीव/मॉस्को (एजेंसी)। यूरोप में रूस और यूक्रेन की तबाही जारी है। एक-दूसरे पर हमले करने के लिए अब ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। यूक्रेन ने सोमवार को रूस पर दक्षिण-पूर्व में घरों पर मिसाइल हमले करने का आरोप लगाया। वहीं, मॉस्को का कहना है कि यूक्रेनी ड्रोन ने रूस के भीतर सैकड़ों किमी घुसकर दो एयरबेस को निशाना बनाया। यूक्रेन में पिछले कई दिनों से नए मिसाइल हमले का अनुमान लगाया जा रहा था और सोमवार को यह खतरा हकीकत में बदल गया। रूसी हमले यूक्रेन के लिए अब ज्यादा विनाशकारी साबित हो रहे हैं। मिसाइलों ने कई इलाकों को भयानक ठंडे अंधेरे में डुबो दिया है जहां तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमलों में कम से कम चार लोग मारे गए हैं। उन्होंने दावा किया कि करीब 70 मिसाइलों में से ज्यादातर को मार गिराया गया है।

- यूक्रेन के कई इलाकों पर किये मिसाइल हमले, बर्फीले अंधेरे में डूबे लोग
- जेलेंस्की का दावा - चार की मौत, कई मिसाइलों को किया नाकाम
- रूस ने यूक्रेन पर लगाया भीतर घुसकर ड्रोन हमले करने का आरोप

रूस ने लगाये ड्रोन हमलों के आरोप

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन ने दक्षिण-मध्य रूस में रियाजान और सेराटोव में दो एयर बेस पर हमला किया। इसमें तीन कर्मियों की मौत और चार घायल हो गए। जब ड्रोन को शूट किया गया तो उसके मलबे ने दो विमानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। यूक्रेन ने सीधे तौर पर इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन अगर ये हमले यूक्रेन ने किए हैं तो ये 24 फरवरी को युद्ध की शुरूआत के बाद से यह रूसी गढ़ के भीतर सबसे गहरा यूक्रेनी हमला है। हमले में एंगेल्स एयरबेस को भी टारगेट किया गया, जो मॉस्को से करीब 730 किमी दूर सेराटोव शहर के पास स्थित है। इसे रूस के रणनीतिक परमाणु बलों से बॉम्बर प्लेन का घर माना जाता है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने ड्रोन हमलों को 'आतंकवाद' करार दिया है। रूस और यूक्रेन फरवरी से जंग लड़ रहे हैं और अब यह लड़ाई अपनी पहली सर्दियों में प्रवेश कर रही है। रूस कड़ाके की ठंड का इस्तेमाल हथियार के तौर पर यूक्रेन के खिलाफ करना चाहता है। यही वजह से कि वह अब यक्रेनी बिजली सप्लाई को बाधित करने की मंशा से हमले कर रहा है।